डाक पंजीयन संख्या/643/2016-2
RNI-MPHIN/2015/62199

नई सोच, नई पहल

पुष्पांजली टुडे

वर्ष : 09 अंक : 04 अप्रैल 2023 मूल्य: ₹ 30 पृष्ठ : 44

राजनीतिक टकराव

राजनीति का केन्द्र बनी संसद

हमारी सनातन संस्कृति.....

भरत सिंह चौहान
संपादक

भारत में सनातन हिंदू परम्परा में नव वर्ष का एतिहासिक महत्व है। भारतीय इतिहास में दरअसल नव वर्ष मनाने के कई महत्वपूर्ण शुभ कारण मिलते हैं। शास्त्रों में वर्णन मिलता है कि इसी दिन के सूर्योदय से श्रद्धेय ब्रह्माजी ने सृष्टि की रचना प्रारंभ की थी। इसी शुभ दिन को प्रभु श्री राम का राज्याभिषेक हुआ था। युधिष्ठिर का राज्यभिषेक भी इसी शुभ दिन हुआ था। सम्राट विक्रमादित्य ने इसी दिन शकों को पराजित कर एक नए युग का सूत्रपात किया था एवं 2080 वर्ष पूर्व अपना राज्य स्थापित किया था एवं आपके के नाम पर ही विक्रमी शक संवत् (संवत्सर) का पहला दिन भी इसी दिन प्रारंभ होता

है। आज भारत राष्ट्र की सांस्कृतिक पहचान विक्रमी संवत के साथ ही जुड़ी हुई है और भारत के सांस्कृतिक पर्व-उत्सव तथा राम, कृष्ण, बुद्ध, महावीर, गुरु नानक आदि महापुरुषों की जयंतियां भी इसी भारतीय काल गणना के हिसाब से ही मनाई जाती हैं। राजा विक्रमादित्य की भांति शालिवाहन ने हूणों को परास्त कर दक्षिण भारत में श्रेष्ठतम राज्य स्थापित करने हेतु भी यही दिन चुना था। सिंध प्रांत के समाज रक्षक वरूणावतार संत झूलेलाल भी इसी दिन प्रकट हुये थे अतः यह दिन सिंधी समाज बड़े ही उत्साह के साथ मनाता है। पूरे देशभर में सांस्कृतिक समारोहों का आयोजन किया जाता है एवं झांकियां आदि निकाली जाती हैं। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के संस्थापक, प्रखर देशभक्त डॉ. केशवराव बलिराम हेडगेवार जी का जन्मदिवस, आर्य समाज का स्थापना दिवस भी इसी दिन पड़ते हैं। साथ ही, शक्ति और भक्ति के नौ दिन अर्थात् नवरात्रि का पहला दिन भी इसी दिन से प्रारम्भ होता है। इतनी विशेषताओं को समेटे हुए भारत में हिंदू नव वर्ष वास्तव में कुछ नया करने की प्रेरणा देता है। यह वर्ष का सबसे श्रेष्ठ दिवस भी माना जाता है। चैत्र मास के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा वर्ष प्रतिपदा कहलाती है। इस दिन से ही नया वर्ष प्रारंभ होता है। इसी दिन ब्रह्माजी ने सृष्टि का निर्माण किया था। इसमें मुख्यतया ब्रह्माजी और उनकी निर्माण की हुई सृष्टि के मुख्य-मुख्य देवी-देवताओं, यक्ष-राक्षस, गन्धर्वों, ऋषि-मुनियों, मनुष्यों, नदियों, पर्वतों, पशु-पक्षियों और कीटाणुओं का ही नहीं, रोगों और उनके उपचारों तक का पूजन किया जाता है। इस दिन से नया संवत्सर शुरू होता है अतः इस तिथि को नव-संवत्सर भी कहते हैं। संवत्सर अर्थात बारह महीने का कालविशेष। संवत्सर उसे कहते हैं, जिसमें सभी महीने पूर्णतः निवास करते हों।

भारत में सनातन हिंदू धर्म के अनुसार नव वर्ष को नवसंवत्सर कहा जाता है एवं यह देश के विभिन्न भागों में अलग अलग नामों से पुकारा जाता है। भारत में हिंदू धर्मावलम्बियों के लिए नव वर्ष का प्रथम दिन बहुत शुभ माना जाता है एवं प्राचीन भारत में इसे बहुत बड़े उत्सव के रूप में मनाया जाता रहा है। उत्तर भारत में हिंदू नव वर्ष चैत्र मास की शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा को मनाया जाता है। सिंधी समुदाय नव वर्ष को चेटी चांद के नाम से मनाते हैं। पंजाब में नव वर्ष को बैसाखी के नाम से मनाया जाता है। जबकि सिख नानकशाही कैलेंडर के अनुसार 14 मार्च होला मोहल्ला को नया साल माना जाता है। गोवा में हिंदू समुदाय नव वर्ष को कोंकणी के नाम से मनाते हैं। आंध्र प्रदेश, तेलंगाना राज्य में नव वर्ष को युगदि या उगादी के नाम से मनाते हैं। कश्मीर में कश्मीरी पंडित नव वर्ष को नवरेह या नौरोज या नवयूरोज अर्थात् नया शुभ प्रभात के नाम से मनाते हैं। बंगाल में नव वर्ष को नबा बरसा के नाम से, असम में बिहू के नाम से, केरल में विशु के नाम से, तमिलनाडु में पुतुहांडु के नाम से नव वर्ष मनाया जाता है। मारवाड़ी में नव वर्ष दिवाली के दिन मनाते हैं। गुजरात में दिवाली के दूसरे दिन नव वर्ष होता है। बंगाली नया साल पोहेला बैसाखी 14 या 15 अप्रैल को मनाते हैं। भारत में चूंकि कई समुदाय निवास करते हैं अतः नव वर्ष के नाम भी अलग अलग पाए जाते हैं एवं नव वर्ष को मनाने की परम्परा भी भिन्न भिन्न है। हिंदू नववर्ष के दिन हिंदू घरों में नवरात्रि के प्रारम्भ के अवसर पर कलश स्थापना की जाती है घरों में पताका ध्वज आदि लगाये जाते हैं तथा पूरा नववर्ष सफलतापूर्वक बीते इसके लिए अपने इष्ट, गुरु, माता-पिता सहित सभी बड़ों का आशीर्वाद लिया जाता है। हिंदू नववर्ष की शुरुआत में ही नौ दिन का व्रत रखकर मां दुर्गा की पूजा प्रारंभ कर नवमीं के दिन हवन कर मां भगवती से सुख-शांति तथा कल्याण की प्रार्थना की जाती है। जिसमें सभी लोग सात्विक भोजन व्रत उपवास, फलाहार कर नए भगवा झंडे तोरण द्वार पर बांधकर हर्षोल्लास से मनाते हैं। मां दुर्गा के नवरूपों की आराधना के रूप में महिलाओं के सम्मान की बात भी सिखायी जाती है। इस तरह भारतीय संस्कृति और जीवन का विक्रमी संवत्सर से गहरा संबंध है लोग इन्हीं दिनों तामसी भोजन, मांस-मदिरा का त्याग भी कर देते हैं।

“ भारतीय सनातन हिंदू संस्कृति के अनुसार फागुन और चैत्र माह वसंत ऋतु में उत्सव के महीने माने जाते हैं। चैत्र माह के मध्य में प्रकृति अपने श्रृंगार एवं सृजन की प्रक्रिया में लीन रहती है और पेड़ों पर नए नए पत्ते आने के साथ ही सफेद, लाल, गुलाबी, पीले, नारंगी, नीले रंग के फूल भी खिलने लगते हैं। ऐसा लगता है कि जैसे पूरी की पूरी सृष्टि ही नई हो गई है, ठीक इसी वक्त भारत में हमारी भौतिक दुनिया में भी एक नए वर्ष का आगमन होता है। ”

पुष्पांजली टुडे

राष्ट्रीय हिन्दी मासिक पत्रिका

वर्ष 09, अंक 04 ,अप्रैल 2023

मूल्य 30 रु, पृष्ठ 44

संरक्षक	बहादुर सिंह चौहान
संपादक	भरत सिंह चौहान
प्रबंध संपादक	शैलेश सिंह कुशवाह
उप प्रबंध संपादक	आर. एन. शर्मा
उपसंपादक	अर्पित गुप्ता, महेन्द्र शर्मा, पुष्पेन्द्र तोमर (मप्र) छोटे सिंह भदौरिया, रघुवरदयाल गोहिया प्रदीप नागेन्द्र सिकरवार
कानूनी सलाहकार	एड. आर. के. जोशी
एडिटिंग	इमरान गौरी
राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी	आर एस रजक

रश्मि चौहान, न्यूज ऐंकर
स्टेट हेड

पंकज त्रिपाठी	मध्यप्रदेश
अश्वनी अवस्थी	छत्तीसगढ़
नरेंद्र शर्मा	हरियाणा
खंगारराम चौधरी	हैदराबाद तेलंगाना
आनंद कुमार शाही	झारखण्ड
मनोज कुमार	बिहार
नारायण लाल	कर्नाटक
दीपक रहलन	पंजाब
नैनाराम सिरवी	राजस्थान
अमित कुमार	जम्मू-कश्मीर (यूटी)
अनिल कुशवाह	प्रभारी मप्र

ब्यूरो चीफ

गौरी शंकर कुशवाह	सागर संभाग, मध्यप्रदेश
केशव प्रसाद शर्मा	चम्बल संभाग
रूप सिंह	कानपुर मंडल उत्तरप्रदेश
पवन कुमार शाही	गोपालगंज बिहार
राम दयाल गौतम	अम्बेडकर नगर उत्तरप्रदेश
मोहित शर्मा	विदिशा मध्यप्रदेश
रितेश कटरे	बालाघाट मध्यप्रदेश
मुन्ना खान	खरगोन मध्यप्रदेश
विनोद पाठक	श्योपुर मध्यप्रदेश
सोनू कुमार माथुर	एटा उत्तरप्रदेश
हरिनिवास दुबे	मथुरा उत्तरप्रदेश
मोहन मांझी (मोनू बाथम)	गोहद, भिण्ड
नील कुमार	पाटन गुजरात
रीतेश कुमार अवस्थी	दमोह
पहलवान सिंह	मालनपुर

कार्यालय

जी. एस. प्लाजा, गोले का मंदिर ग्वालियर मध्य प्रदेश

हेल्पलाईन: 0751-4050784, 8269307478

www.pushpanjalitoday.com, Email-pushpanjalitoday@gmail.com

पुष्पांजली टुडे रिपोर्टर

आदित्य सिंह	सोशल रिपोर्टर ऑल इंडिया
सादिक मिर्ज़ा	ऑल इंडिया
संतोष भदौरिया	मध्यप्रदेश
गौरव शर्मा	मध्यप्रदेश
अमित शर्मा	मध्यप्रदेश
रहीश खान	ग्वालियर संभाग
उमाकांत शर्मा	चम्बल संभाग
भरत राजपूत	अहमदाबाद, गुजरात
हरिओम परिहार	शिवपुरी क्राइम रिपोर्टर
अरिमर्दन सिंह भदौरिया	भिण्ड क्राइम रिपोर्टर
प्रतीश अग्रवाल	गुना मध्यप्रदेश
अभिषेक कुशवाह	सिरोंज, विदिशा
हेमचंद नागेश	उरमल मैनपुर छत्तीसगढ़
आकाश मिश्रा	गरियाबंद छत्तीसगढ़
विजय चौधरी	हज़ारीबाग
प्रवीन कुमार राज	हज़ारीबाग
सुनील सिंह तोमर	अम्बाह
शिवकांत ओझा	रौन,भिण्ड
चेतना कारले	खरगोन

स्वत्वाधिकारी एवं प्रकाशक भरत सिंह चौहान के लिये मुद्रक संदीप कुमार सिंह द्वारा नेहा ग्राफ़िक्स ,32, ललितपुर कॉलोनी, लश्कर, ग्वालियर से मुद्रित तथा जी एस प्लाजा, गोले का मंदिर, ग्वालियर म.प्र. से प्रकाशित। सम्पादक भरत सिंह चौहान। (समाचारों के चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार) दूरभाष 0751-4050784, 8269307478 (किसी भी विवाद के लिए न्यायालय क्षेत्र ग्वालियर मान्य होगा)

राजनीतिक टकराव

राजनीति का केन्द्र बनी संसद

राहुल गांधी की संसद सदस्यता रद्द, क्या विपक्ष को मिली संजीवनी ?

“

गुजरात की एक अदालत ने मानहानि मामले में राहुल गांधी के खिलाफ सज़ा तब सुनाई, जब ब्रिटेन में उनके भारतीय लोकतंत्र के बाबत दिये गये बयानों पर सत्तारूढ़ दल हमलावर बना हुआ है। राहुल पर न केवल सार्वजनिक मंचों से भाजपा नेताओं व मंत्रियों के हमले जारी थे, बल्कि संसद की कार्यवाही भी लंबे समय तक उनके माफी मांगने के मुद्दे पर गतिरोध में फंसी रही है। अब लोकसभा सचिवालय द्वारा शुक्रवार को जारी एक पत्र में राहुल गांधी की संसद सदस्यता भी रद्द कर दी गई है। बहरहाल, वर्ष 2019 में कर्नाटक की एक सभा में मोदी सरनेम को लेकर दिये गये कथित विवादास्पद बयान के बाबत सूरत कोर्ट में दर्ज मानहानि केस में गुरुवार को दो साल की सज़ा सुनाये जाने तथा उनकी सदस्यता रद्द करने को विपक्ष राजनीतिक बदले की कार्रवाई बता रहा है।

सूरत की एक अदालत ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी को मानहानि का दोषी करार देते हुए दो साल जेल की सजा सुनाने के 24 घंटे की भीतर ही उनकी लोकसभा सदस्यता समाप्त कर दी गई है। सूरत की कोर्ट के फैसले के बाद उन्हें जमानत मिल गई थी। राहुल के बयानों को लेकर पहले से ही गरमाई राजनीति में यह फैसला उबाल का एक और बिंदु जरूर बन गया है। यह फैसला ऐसे समय आया है, जब लंदन में दिए गए राहुल गांधी के बयान संसद में गतिरोध का कारण बने हुए हैं। सत्तारूढ़ बीजेपी विदेशी धरती पर दिए गए उन बयानों को देश का अपमान बताते हुए राहुल से माफी की मांग पर अड़ी हुई है। हालांकि सोशल मीडिया में ऐसे कई वीडियो चल रहे हैं जिसमें पीएम मोदी देश के बाहर जाकर ही भारत के बारे में वैसे ही बयान देते दिख रहे हैं जैसे राहुल गांधी दे रहे हैं। फर्क सिर्फ इतना है कि राहुल सरकार के खिलाफ बोल रहे हैं और मोदी भारत के बारे में बोलते दिख रहे हैं। बयान देखेंगे तो उन्होंने भी विदेश जाकर राहुल और कांग्रेस स्वाभाविक ही इससे इनकार कर रहे हैं। जहां तक सूरत कोर्ट से आए फैसले की बात है तो राहुल गांधी ने इसे स्वीकार नहीं किया है, वह इसे ऊपरी अदालत में चुनौती देंगे। लेकिन फिर भी इस फैसले ने बीजेपी के तरकश में एक शक्तिशाली बाण तो डाल ही दिया है। बीजेपी नेता और कार्यकर्ता अब इस फैसले के हवाले से यह दावा कर सकते हैं कि राहुल गांधी के बयान अदालत की कसौटी पर भी खरे नहीं उतरते। पक्ष-विपक्ष की दलीलों से हटकर देखें तो राहुल के लिए यह सलाह अनुचित नहीं कही जाएगी कि वह अपने वाक्य को थोड़े बेहतर ढंग से फ्रेम कर सकते थे। विपक्षी खेमे के और कांग्रेस पार्टी के भी कई नेता निजी बातचीत में यह राय जताते रहे हैं कि राहुल गांधी राजनीतिक

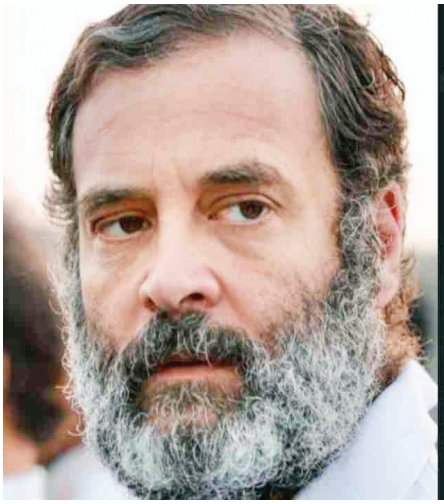

राहुल गांधी की सदस्यता रद्द कराने वाले

गुजरात के भाजपा विधायक पूर्णेश मोदी बने राहुल की मुसीबत

राहुल पर हुए इस एक्शन के बाद से उन पर मानहानि का केस दर्ज कराने वाले भाजपा विधायक पूर्णेश मोदी की पूरे देश में चर्चा है। सूरत को हीरों की नगरी कहा जाता है। यहां की सूरत पश्चिम सीट से विधायक पूर्णेश मोदी अब भाजपा के हीरो बन गए हैं। अदजान में 2013 में विधानसभा उपचुनाव जीतकर वह पहली बार विधायक बने थे। पूर्णेश गुजरात सरकार में कैबिनेट मंत्री भी रह चुके हैं।पूर्णेश मोदी का जन्म 22 अक्टूबर 1965 को सूरत में हुआ था। उनकी पत्नी बीना बेन हैं। पूर्णेश ने बीकॉम. और एलएलबी की पढ़ाई की है। इस बार वे भारतीय जनता पार्टी से चुनाव लड़कर तीसरी बार विधायक बने हैं। पूर्णेश अपने परिवार के साथ सूरत के अदजान इलाके में रहते हैं 2013 में तत्कालीन विधायक किशोरभाई वंकावाला का बीमारी के चलते निधन हो गया था। उपचुनाव के ऐलान के बाद भाजपा ने पूर्णेश मोदी को टिकट दिया था। चुनाव में पूर्णेश मोदी भारी मतों से विजयी हुए।

हमले करते हुए कुछ ज्यादा पर्सनल हो जाते हैं। फिर भी इस बारे में अभी से कोई नतीजा निकालना मुश्किल है कि इस पूरे विवाद का राहुल गांधी और कांग्रेस को फायदा होगा या नुकसान। भूलना नहीं चाहिए कि राहुल गांधी का संबंधित बयान 2019 लोकसभा चुनाव के दौरान दिया गया था। चुनावी गरमागरमी में नेताओं के ऐसे बयान आते रहे हैं, जिन्हें विवादास्पद माना जाता है भले ही वे सारे मामले अदालत में नहीं पहुंचते। बीजेपी नेताओं के भी

ऐसे कई बयान गिनाए जा सकते हैं। ऐसे में कहना मुश्किल है कि आम लोग इस फैसले को आखिरकार किस रूप में लेंगे। इसे राहुल गांधी की गैरजिम्मेदारी मानेंगे या सत्ता पक्ष की ओर से से उनकी आवाज दबाने के एक और प्रयास के रूप में देखेंगे। अगर आम धारणा दूसरे विकल्प की ओर मुड़ी तो नुकसान के बजाय कांग्रेस को फायदा ही पहुंचाएगी। यही आशंका तृणमूल नेता ममता बनर्जी को यह कहने को मजबूर कर रही है कि बीजेपी और सरकार राहुल को हीरो बनाने पर तुली हुई है। लेकिन इन संकीर्ण नफा-नुकसानों से अलग हटकर देखें तो ओछे बयान किसी भी तरफ से आएं लोकतंत्र की गरिमा को नुकसान ही पहुंचाते हैं। बेहतर होगा हमारे नेता इस तथ्य के प्रति संवेदनशीलता बनाए रखें।

आक्रामक हुआ विपक्ष, देशभर में प्रदर्शन

मानहानि मामले में दो साल कैद की सजा सुनाए जाने के बाद राहुल गांधी की लोकसभा सदस्यता रद्द होना कांग्रेस और विपक्षी दलों के लिए कम से कम शुरुआती तौर पर पॉजिटिव नतीजा लाता दिख रहा है। इस फैसले के बाद कांग्रेस ने देश भर में सत्याग्रह और धरना-प्रदर्शन का कार्यक्रम चलाया। तब तक अन्य विपक्षी दलों के नेता भी इस मसले पर राहुल गांधी के पक्ष में बयान दे चुके थे। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के चैंबर में सोमवार को बुलाई गई बैठक में तृणमूल कांग्रेस के भी नेता शामिल हुए, जो कुछ समय पहले तक विपक्षी एकजुटता के नाम पर समाजवादी पार्टी और बीजेडी जैसे गैर-कांग्रेस दलों को साथ लाने की कोशिश में जुटी थी। संसद में गांधी प्रतिमा से लेकर विजय चौक तक पैदल मार्च में भी विपक्षी दलों के नेता साथ नजर आए। इस पूरे घटनाक्रम में ही संभवत- उस सवाल का भी जवाब छुपा है जो कानून के जानकार सदस्यता रद्द होने के बाद से ही पूछ रहे हैं कि आखिर कांग्रेस सूरत अदालत के फैसले को तत्काल ऊपरी अदालत में चुनौती क्यों नहीं दे रही। असल में राहुल गांधी की सांसदी रद्द होने को चाहे जितना भी बड़ा राजनीतिक मसला बनाने की कोशिश की जाए, जानकारों के मुताबिक इसमें कानून के उल्लंघन का कोई आरोप ठहरना मुश्किल है। ऐसे में स्वाभाविक ही कांग्रेस कानूनी लड़ाई को प्राथमिकता देती नहीं दिखना चाहती। वह देर-सबेर इसे अदालत में चुनौती दे भी देगी, पर उससे पहले इसका पूरा राजनीतिक लाभ लेना चाहती है। लेकिन क्या सचमुच उसे इस मामले का राजनीतिक लाभ मिलने वाला है? इसका साफ-साफ जवाब तत्काल नहीं दिया जा सकता। सच है कि आप, बीआरएस, तृणमूल और समाजवादी जैसे दल जो कांग्रेस से दूरी बरत रहे थे, आज उसके साथ दिख रहे हैं। लेकिन उनका समर्थन राहुल गांधी की सांसदी रद्द होने के खास मुद्दे पर है। जब साथ मिलकर चुनाव लड़ने की बात आएगी और उसमें सीटों के बंटवारे का सवाल उठेगा तब तक यह विपक्षी एकजुटता कितनी बनी रहेगी, कहना मुश्किल है। उससे पहले इसे कई राज्यों के विधानसभा चुनावों की अग्निपरीक्षा से भी गुजरना है। सबसे बड़ी बात यह कि इस पूरी कवायद के बाद अगर कांग्रेस बनाम बीजेपी या राहुल बनाम मोदी का ही सीन बनना है तो इसके लिए विपक्ष कितना तैयार है। यह बात सत्तारूढ़ दल के नेता ही नहीं, तृणमूल जैसे विपक्षी दल भी उठाते रहे हैं कि राहुल बनाम मोदी की लड़ाई बीजेपी के हित में है। मगर समय के साथ चीजें बदलती हैं। राहुल भी आज वह राहुल नहीं जो भारत जोड़ो यात्रा से पहले थे।

यूपीए शासन में मोदी को फंसाने के लिए सीबीआई ने बनाया था दबाव

भारतीय जनता पार्टी और कांग्रेस के बीच जंग लगातार जारी है. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से इस तरह के दावे किए जाने के बाद कि जब वह गुजरात के मुख्यमंत्री थे तो उन्हें फंसाने के लिए तत्कालीन सरकार की ओर से हरसंभव कोशिश की गई थी, अब इस बात को आगे बढ़ाते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भी दावा किया कि यूपीए सरकार के दौर में केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) के जरिए उन पर नरेंद्र मोदी को एक फर्जी मुठभेड़ में फंसाने को लेकर खासा दबाव बनाया गया था. गृह मंत्री अमित शाह ने एक निजी चैनल के कार्यक्रम में कांग्रेस की अगुवाई वाली पिछली यूपीए सरकार पर हमला करते हुए कहा कि संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन यानी यूपीए सरकार के शासनकाल के दौरान सीबीआई ने गुजरात में एक फर्जी मुठभेड़ मामले में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को फंसाने के लिए उन पर बहुत दबाव डाला था. उन्होंने कहा, मुझे एक फेक एनकाउंटर केस का आरोपी बनाया गया था. वे मुझसे मोदी का नाम लेने का दबाव डालते थे और कहते थे कि ऐसा करने पर वह दोषमुक्त हो जाएंगे. जांच एजेंसियां की ओर से पूछे गए 90 फीसदी से ज्यादा सवाल मोदी का नाम लेने के लिए पूछे जाते थे. लेकिन मैंने ऐसा करने से मना कर दिया और फिर मुझे जेल भेज दिया गया. विपक्ष की ओर से केंद्रीय जांच एजेंसियों का इस्तेमाल उनके खिलाफ किए जाने के आरोप से जुड़े एक सवाल के जवाब में अमित शाह ने कहा कि यूपीए कार्यकाल में भी इसका इस्तेमाल किया गया था.

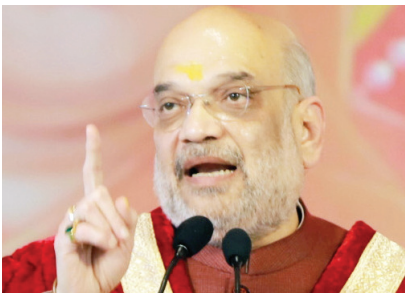

मैं हर कीमत चुकाने को तैयारः राहुल

सदस्यता जाने के बाद अब राहुल गांधी का रिएक्शन सामने आया है। कांग्रेस नेता ने एक ट्वीट में कहा, ''मैं भारत की आवाज़ के लिए लड़ रहा हूं। मैं हर कीमत चुकाने को तैयार हूं। कांग्रेस ने अयोग्य ठहराने की कार्रवाई को राहुल गांधी को खामोश करने का प्रयास और लोकतंत्र के लिए 'काला दिन करार दिया और कहा कि वह इसके खिलाफ कानूनी और राजनीतिक लड़ाई लड़ेगी। दूसरी तरफ, भारतीय जनता पार्टी ने कहा कि यह कार्रवाई कानून के मुताबिक हुई है।

प्रियंका बोलीं-राहुल पढ़े-लिखे लेकिन आप उनको पप्पू बुलाते हैं

संसद में राहुल गांधी को अयोग्य ठहराए जाने के विरोध मेंराजधानी दिल्ली में कांग्रेस ने संकल्प सत्याग्रह किया। इस सत्याग्रह में प्रियंका गांधी ने मोदी सरकार पर जमकर हमला बोला और कहा कि सरकार झूठ बोल बोलकर जनता का ध्यान भटका रही है. राहुल गांधी इतने बड़े संस्थानों से पढ़े हैं, आप उनको पप्पू बुलाते हैं. अब आपको पता चल रहा है कि राहुल गांधी पप्पू नहीं है, इसके साथ तो जनता चल रही है. ये घबरा गए हैं कि राहुल गांधी ने संसद में ऐसे सवाल उठाए, जिसका सरकार के पास कोई जवाब नहीं है. सत्याग्रह के दौरान प्रियंका गांधी ने प्रधानमंत्री पर निशाना साधते हुए कहा कि आज तक हम चुप रहे हैं, आप हमारे परिवार का अपमान करते गए। मेरे भाई ने कहा- मैं आपसे नफरत नहीं करता। हमारी विचारधारा अलग है। मैं पूछना चाहती हूं कि एक आदमी का कितना अपमान करोगे। उन्होंने कहा कि लगा दो केस मुझ पर लेकिन सच ये है कि इस देश का प्रधानमंत्री कायर है। हालांकि, दिल्ली पुलिस ने यहां धारा 144 लागू की थी, लेकिन कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ता यहां पहुंचे। कार्यक्रम शाम 5 बजे खत्म होगा। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा- राहुल गांधी ने जब इस मुद्दे को उठाया तो उन्हें दबाने के लिए ये मानहानि के केस का तमाशा कर रहे हैं। ये एक साजिश है जिसके खिलाफ राहुल गांधी लड़ रहे हैं। पूरी कांग्रेस पार्टी उनके साथ खड़ी है। यह सत्याग्रह सिर्फ आज के लिए है लेकिन ऐसे सत्याग्रह पूरे देश में किए जाएंगे। राहुल गांधी आम जनता के लिए लड़ रहे हैं।

बोले पीएम मोदी- भाजपा चुनावों में जीतती जाएगी, विपक्ष के हमले बढ़ते जाएंगे

कुछ पार्टियों ने भ्रष्टाचारी बचाओ अभियान किया है शुरू, सभी चेहरे एक मंच पर आए

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विपक्षी दलों के भाजपा के खिलाफ एकजुट होने को भ्रष्टाचार के खिलाफ उनकी सरकार के अभियान से जोड़ा और जोर देकर कहा कि भ्रष्टाचार पर शिकंजा ''झूठे आरोपों'' से बाधित हुए बिना जारी रहेगा। ईडी जैसी जांच एजेंसियों के कथित दुरूपयोग का विरोध कर रहे विपक्षी दलों पर तीखा हमला बोलते हुए उन्होंने कहा,कुछ पार्टियों ने भ्रष्टाचारी बचाओ अभियान शुरू किया है। उन्होंने कहा, भ्रष्टाचार में शामिल सभी लोग एक मंच पर आ गए हैं। मोदी ने दिल्ली में भाजपा मुख्यालय के विस्तार का उद्घाटन करने के बाद कहा कि ऐसे समय में जब भारत की ताकत नई ऊंचाई पर पहुंच रही है, यह स्वाभाविक है कि देश के भीतर और बाहर भारत विरोधी ताकतें हाथ मिला लेंगी।आपराधिक मानहानि मामले में दोषसिद्धि के बाद कांग्रेस नेता राहुल गांधी की लोकसभा से अयोग्यता भी विपक्ष के लिए एक रैली स्थल बन गई है। मोदी ने कहा, झूठे आरोपों से देश न झुकेगा और न ही भ्रष्टाचार के खिलाफ कार्रवाई रुकेगी। उन्होंने कहा कि भारत विरोधी ताकतें संवैधानिक संस्थाओं पर हमला कर रही हैं क्योंकि वे उभरते हुए भारत की मजबूत नींव हैं। और, देश के विकास को रोकने के लिए, वे इसकी नींव पर हमला कर रहे हैं और न्यायपालिका और जांच एजेंसियों जैसे निकायों को बदनाम करने और उनकी विश्वसनीयता को नष्ट करने की साजिशों में लगे हुए हैं, उन्होंने कहा। प्रधानमंत्री ने कहा कि जब एजेंसियां भ्रष्टाचार में शामिल लोगों के खिलाफ कार्रवाई करती हैं तो उन्हें निशाना बनाया जाता है और जब अदालतें इन ताकतों को पसंद नहीं करने का फैसला सुनाती हैं तो उनसे सवाल किए जाते हैं। उन्होंने कहा, जब हम भ्रष्टाचार के खिलाफ इतनी कार्रवाई करते हैं तो कुछ लोगों का गुस्सा आना लाजमी है।

स्वतंत्र भारत के इतिहास में भ्रष्टाचार के खिलाफ इतना बड़ा अभियान इससे पहले कभी नहीं हुआ और भ्रष्टाचारियों के होश उड़ गए। उन्होंने कहा, भ्रष्टाचार में शामिल सभी लोग एक मंच पर आ गए हैं। आंकड़ों का हवाला देते हुए, मोदी ने कहा कि 2004 और 2014 के बीच कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूपीए शासन के दौरान, 5,000 करोड़ रुपये की संपत्ति धन शोधन निवारण अधिनियम के तहत जब्त की गई थी, जबकि भाजपा के नौ वर्षों में यह आंकड़ा बढ़कर 1.10 लाख करोड़ रुपये हो गया है। म। उन्होंने कहा कि अधिनियम के तहत दर्ज मामले उनकी सरकार के तहत दोगुने से अधिक हो गए, जबकि गिरफ्तारियों की संख्या 15 गुना बढ़ गई। उन्होंने कहा कि कांग्रेस शासन के तहत, बैंकों को लूटा गया और 22,000 करोड़ रुपये के गबन के आरोपी विदेश भाग गए, उन्होंने कहा कि उनकी सरकार ने उनकी 20,000 करोड़ रुपये की संपत्ति जब्त कर ली है।मोदी ने कहा कि सीबीआई ने उनकी सरकार के तहत भ्रष्टाचार के आरोपों के तहत 5,000 से अधिक मामले दर्ज किए हैं और भ्रष्टाचार के आरोपों का सामना कर रहे सैकड़ों वरिष्ठ अधिकारियों को जबरन सेवानिवृत्त कर दिया गया और कानूनी कार्रवाई का सामना कर रहे हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने रानी कमलापति स्टेशन से वंदे भारत ट्रेन को दिखाई हरी झंडी

उमंग और तरंग का प्रतीक है नए भारत की वंदे भारत ट्रेन

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि मध्यप्रदेश निरंतर विकास की गाथाएँ लिख रहा है। खेती, उद्योग, गरीबों के लिए घर, हर घर जल से नल, गेहूँ उत्पादन आदि अनेक क्षेत्रों में प्रदेश अग्रणी है। पहले बीमारू कहा जाने वाला राज्य आज हर क्षेत्र में प्रशंसनीय कार्य कर रहा है। हमें विकसित भारत में मध्यप्रदेश की भूमिका को और बढ़ाना है। नई वंदे भारत ट्रेन इसी संकल्प का हिस्सा है।

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा कि आधुनिक भारत में नई व्यवस्था, नई परंपरा बन रही है। वंदे भारत ट्रेन नए भारत की उमंग और तरंग का प्रतीक है। यह भारत की आधुनिकतम ट्रेन है, जिसके लोकार्पण का मुझे सौभाग्य मिला है। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा कि रेलवे के इतिहास में यह पहली बार हुआ है कि कोई प्रधानमंत्री इतने कम अंतराल में किसी रेलवे स्टेशन पर दोबारा किसी कार्यक्रम में आया है। मैं पहले रानी कमलापति स्टेशन के लोकार्पण पर आया था और आज वंदे भारत ट्रेन को हरी झंडी दिखा रहा हूँ।

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने राज्यपाल श्री मंगूभाई पटेल, मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान, केन्द्रीय रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव की उपस्थिति में आज रानी कमलापति स्टेशन से हरी झंडी दिखाकर वंदे भारत एक्सप्रेस को रवाना किया। इससे पहले प्रधानमंत्री श्री मोदी ने ट्रेन के प्रथम कोच में जाकर स्कूली बच्चों से बातचीत की। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने ड्राइविंग कैब के क्रू मेम्बर्स के साथ भी संवाद किया। वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन पर लघु फिल्म का प्रदर्शन किया गया। इस दौरान जन-प्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक, जिला प्रशासन तथा रेलवे के अधिकारी और बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित थे।

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा कि पहले की सरकारें वोट बैंक के तुष्टीकरण की नीति अपनाती थी। हम देशवासियों के संतुष्टिकरण पर ध्यान दे रहे हैं। पहले की सरकार एक ही परिवार को प्रथम परिवार मानती थी और गरीब मध्यम वर्गीय परिवारों पर ध्यान नहीं देती थी। हमारी सरकार हर भारतीय परिवार के कल्याण और संतुष्टि के लिए कार्य कर रही है। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा कि भारतीय रेल सामान्य भारतीय परिवार की सवारी है। पुरानी सरकारों ने राजनीतिक स्वार्थ के चलते रेलवे का आधुनिकीरण नहीं किया। वर्ष 2014 तक नॉर्थ ईस्ट रेलवे से नहीं जुड़ा। हमारी सरकार आने के बाद हमने उसे रेलवे से जोड़ा और रेलवे का

कायाकल्प किया। आज भारत का रेल नेटवर्क दुनिया का श्रेष्ठ नेटवर्क है। पहले हजारों मानवरहित फाटक थे, जहाँ आए दिन दुर्घटनाएँ होती रहती थी। आज पूरा ब्रॉडगेज मानव रहित, फाटक मुक्त है। रेल यात्री सुविधा को हमने मेड इन इंडिया कवच प्रणाली से लैस किया है। तकनीकी का प्रयोग कर शिकायतों का निराकरण किया गया है।

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा कि हमने ÷वन स्टेशन-वन प्रोडक्ट योजना से कारीगरों के कपड़े, कलाकृतियों, पेंटिंग्स, बर्तन इत्यादि का विक्रय के लिए पूरे भारत में 600 से अधिक आउटलेट रेलवे स्टेशन पर खोले हैं, जिसका लाभ आज लाखों लोग ले रहे हैं। रेलवे स्टेशनों का आधुनिकीकरण किया गया है, 6 हजार रेलवे स्टेशन वाईफाई है और 900 रेलवे स्टेशन पर सीसीटीवी का काम पूरा हो गया है। वंदे भारत ट्रेन पूरे भारत में सुपरहिट रही है और हर कोने से इन्हें चलाने की माँग आ रही है।प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा कि रेलवे के बजट में भी रिकॉर्ड वृद्धि की जा रही है। वर्ष 2014 से पहले मध्यप्रदेश का रेलवे बजट औसतन 600 करोड़ रूपए हुआ करता था, जो अब बढ़कर 13000 करोड़ हो गया है। मध्यप्रदेश सहित देश के 11 राज्यों में रेलवे ट्रेक का शत-प्रतिशत इलेक्ट्रिफिकेशन हो गया है। इलेक्ट्रिफिकेशन की रफ्तार वर्ष 2014 से पहले 600 किलोमीटर प्रति वर्ष थी, अब वह बढ़कर 6000 किलोमीटर प्रति वर्ष हो गई है। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि मध्यप्रदेश के सौभाग्य का फिर से उदय हुआ है। प्रधानमंत्री श्री मोदी फिर से हमारे प्रदेश पधारे हैं। जो कभी पिछली सरकारों में गंदे और बदबू मारते हुए रेलवे स्टेशन होते थे, उनको वर्ल्ड क्लास शानदार रेलवे स्टेशन में बदला गया है, यह मोदी विजन है। प्रधानमंत्री श्री मोदी पहली बार आए तो हबीबगंज रेलवे स्टेशन का नाम रानी कमलापति स्टेशन किया गया, और आज यह वर्ल्ड क्लास रेलवे स्टेशन बना है। इस बार प्रधानमंत्री श्री मोदी प्रदेश को वंदे भारत ट्रेन की सौगात दे रहे हैं।

बे मौसमी आफत

बेमौसम बरसात, ओलावृष्टि से फसलें बर्बाद

होली के बाद देश के बड़े हिस्से में हुई बेमौसम बरसात, ओलावृष्टि और तेज हवाओं के कारण काफी फसल बर्बाद हो चुकी है। तेज हवाओं के कारण नमी से भरे खेतों में सभी फसलें बिछी पड़ी हैं। राजस्थान, मध्य प्रदेश, गुजरात, महाराष्ट्र और उत्तर प्रदेश में लगभग 80 फीसदी फसल तबाह हो चुकी है। संबंधित राज्यों के मुख्यमंत्री घोषणा कर चुके हैं कि क्षतिग्रस्त फसलों को बीमा योजना के तहत लाकर उचित मुआवजा दिया जाएगा। लेकिन बीमा योजना के पुराने अनुभव से लगता नहीं कि किसानों के नुकसान की भरपाई हो पाएगी। वैसे तो आज भी भारत में खेती बारिश के भरोसे ही फलती-फूलती है। मानसूनी बारिश का इंतजार किसान शिद्दत से करता है। लेकिन यदि यही बारिश बेमौसमी हो तो आफत का सबब बनती है। पिछले कुछ दिनों से पश्चिमी विक्षोभ से होने वाली बारिश ने किसानों के माथे पर चिंता की लकीरें ला दी हैं। दरअसल, खेतों में गेहूं की फसल पक चुकी है। किसान अनाज खलिहानों से निकालकर मंडी ले जाने की तैयारी में है। इसी तरह सरसों की फसल भी पक चुकी है। पिछले दिनों से उत्तर भारत के कई राज्यों में हुई बेमौसमी बरसात से गेहूं-सरसों की फसल को काफी नुकसान हुआ। जहां सरसों में बीज तैयार हो चुका था, ओलावृष्टि से वो बिखरा है। दूसरी ओर जो सरसों मंडियों तक पहुंची थी, वह बारिश से भीग गयी। दरअसल, पिछले कुछ वर्षों में ग्लोबल वार्मिंग से जो तापमान वृद्धि हुई है, उससे मौसम के मिजाज में तीव्र परिवर्तन आया है। कुल मिलाकर हमारी खाद्य श्रृंखला पर संकट के बादल मंडराने लगे हैं। बारिश की आवृत्ति, उसके समय और गुणवत्ता में बदलाव आया है। बारिश तेज होती है और कम समय के लिये होती है। पिछले दिनों अचानक तापमान में समय से पहले हुई वृद्धि को गेहूं की फसल के लिये नुकसानदायक माना जा रहा था। पिछले साल भी ऐसा ही हुआ था कि समय से पहले तापमान वृद्धि से भरी-पूरी फसल के बावजूद गेहूं का दाना छोटा रह गया था। जिससे उत्पादकता में कमी आई और किसान को नुकसान उठाना पड़ा। ऐसे में जब बारिश हुई तो कयास लगाये जा रहे थे कि तापमान में कमी आना गेहूं की फसल के लिये लाभदायक रहेगा। लेकिन तेज बारिश ने किसानों के अरमान पर पानी फेर दिया है।

ओलावृष्टि से प्रभावित किसानों से मिले शिवराज, सिंधिया

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि ओला पीड़ित किसानों से कर्ज वसूली और बिजली बकाया की वसूली स्थगित की जाती है। इन किसानों के कर्ज का ब्याज सरकार देगी। 50 प्रतिशत से अधिक के नुकसान पर किसानों को प्रति हेक्टेयर अब 32 हजार रुपए की राहत राशि दी जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि फसल बीमा की राशि अलग से दी जाएगी। उन्होंने उद्यानकी फसलों को भी सर्वे में शामिल करने के अधिकारियों को निर्देश दिए। चौहान ने कहा कि किसान चिंता नही करे, परेशान न हों, चिंता के लिए मैं मुख्यमंत्री हूं और किसान बहन और भाइयो को सभी तरह के संकट से बाहर निकाल कर ले जाऊंगा।मुख्यमंत्री शिवराज मंगलवार को विदिशा जिले की गुलाबगंज तहसील के पटवारी खेड़ी, घुरदा और मढ़ी गांव में ओलावृष्टि से फसलों को हुए नुकसान का जायजा लेने के बाद किसानों को ढांढस बंधाते हुए संवाद कर रहे थे। वहीं केन्द्रीय नागरिक उड्डयन एवं इस्पात मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा है कि प्राकृतिक आपदा से आई संकट की घड़ी में केन्द्र व राज्य सरकार किसानों के साथ पूरी ताकत के साथ खड़ी है। प्रभावित किसानों को राहत राशि उपलब्ध कराने के साथ-साथ सरकार हर संभव मदद मुहैया करायेगी। सर्वे का काम पूरी पारदर्शिता के साथ किया जायेगा। केन्द्रीय मंत्री श्री सिंधिया शनिवार को ग्वालियर जिले के विकासखंड घाटीगाँव के ओला प्रभावित गाँवों में फसलों का जायजा लेने पहुँचे थे। इस अवसर पर उन्होंने किसानों के बीच बैठकर उन्हें ढांढस बंधाया और कठिनाईयाँ व समस्यायें सुनीं। केन्द्रीय मंत्री सिंधिया के साथ ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर भी ओला प्रभावित फसलों का जायजा लेने पहुँचे थे।

विश्व जल दिवस विशेष

जल प्रबंधन से दूर होगा संकट

संयुक्त राष्ट्र द्वारा निर्धारित सतत विकास ध्येय संख्या छह के तहत वर्ष 2030 तक हर व्यक्ति के लिए स्वच्छ जल की उपलब्धता और स्वच्छता को यकीनी बनाना है लेकिन उसे पूरा करने को लेकर दुनिया सही राह पर नहीं है। जरूरी है कि इस लक्ष्य की पूर्ति हेतु वैश्विक और अन्य संस्थान हाथ मिलाएं। वहीं नीति निर्माताओं व अन्य संबंधित पक्षों के साथ साझेदारी तथा सहयोग बनायें। वर्तमान में दुनियाभर में लगभग 220 करोड़ लोगों को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध नहीं है। वहीं साल 2050 तक, पानी की मांग में 50 फीसदी से अधिक की बढ़ोतरी होने का अनुमान है। बढ़ता औसत वैश्विक तापमान, समुद्री जल स्तर में बढ़ोतरी और हिमखंड पिघलने के परिणाम स्वरूप बाढ़, झुलसाने वाली गर्मी, सूखा और तूफान बार-बार आने लगे हैं।

संयुक्त राष्ट्र जल संस्था ने कहा है कि वर्ष 2001-18 के बीच आयी कुल प्राकृतिक आपदाओं में बाढ़ और सूखे का हिस्सा 74 फीसदी रहा। इसलिए आरंभिक चेतावनियों के प्रति हमारे रवैये में बदलाव लाने की जरूरत है ताकि आम लोगों में ग्लोबल वॉर्मिंग से बन रहे जल संबंधी संकट के प्रति जागरूकता बने। यदि औसत वैश्विक तापमान में बढ़ोतरी को औद्योगीकरण पूर्व के स्तर से अधिकतम 1.5 डिग्री सेल्सियस तक सीमित किया जाये, तो जलवायु परिवर्तन से होने वाली पानी की किल्लत को 50 फीसदी कम किया जा सकता है।

नीति आयोग की रिपोर्ट (2019) के अनुसार, साल 2030 तक भारत में पानी की मांग इसकी आपूर्ति की तुलना में दोगुनी हो जाएगी। आर्थिक विकास, तेज शहरीकरण, जनसंख्या वृद्धि और जीवनशैली में बदलावों से पानी की मांग विभिन्न क्षेत्रों में बढ़ेगी। भारत पहले ही पानी की कमी वाला मुल्क है और निकट भविष्य में जल-संकटग्रस्त श्रेणी में आ जाएगा। पिछले कई सालों से पानी की प्रति व्यक्ति उपलब्धता घटती जा रही है। संयुक्त राष्ट्र सतत विकास ध्येय संख्या छह में जल से संबंधित गतिविधियों एवं कार्यक्रमों में संस्थागत सहयोग और क्षमता-निर्माण सहायता में विस्तार करने की बात कही गई है। इसमें वर्षा जल संचयन, खारे पानी से पेयजल, जल उपयोग दक्षता, अपशिष्ट जल उपचार, चक्रीकरण और पुनः बरतने की तकनीकों का इजाद इत्यादि शामिल हैं। जल प्रबंधन में सुधार के लिए महिलाओं सहित स्थानीय लोगों में सहयोग बनाने को

सहायता प्रदान करने की आवश्यकता है।

भारत में 70 फीसदी जल का उपयोग कृषि क्षेत्र में होता है लेकिन हमारी जल उपयोग दक्षता अंतर्राष्ट्रीय मानकों की तुलना में बहुत कम यानि लगभग 30-35 फीसदी है। यदि जल उपयोग दक्षता में तेज गति से इजाफा करके जल बचाया जाये, तो यह पानी औद्योगिक एवं घरेलू क्षेत्रों में दिया जा सकेगा। केंद्र सरकार की योजनाओं जैसे परिवारों के लिए जल जीवन मिशन और उद्योगों के लिए मेक-इन इंडिया कार्यक्रम के तहत टिकाऊ जल उपलब्धता सुनिश्चित करना जरूरी है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की 2020-21 रिपोर्ट के अनुसार, देश के गंदे नालों में हर रोज 72,368 मिलियन लीटर (एमएलडी) पानी बहता है, जिसका सिर्फ 28 फीसदी यानी 20,236 एमएलडी पानी ही प्रभावी रूप से उपचारित हो पाता है, बाकी का सारा नदियों, झीलों और खुले नालों में गिरकर उन्हें प्रदूषित करता है। इस चलन को मौजूदा अपशिष्ट जल उपचार तकनीकों को गति देकर रोकना ही होगा, उन्नत तकनीकों को मिलाकर जैसे कि नैनो-टेक्नोलॉजी और उन्नत ऑक्सीडेशन प्रक्रिया को जल्द से जल्द काम में लेना चाहिए। पत्रिका 'साइंस डायरेक्ट' के अनुसार, भारत में भूजल निकालने की मात्रा दुनियाभर में सबसे अधिक है। देश के भूजल स्रोत आकलन इकाइयों में 15 फीसदी से अधिक बुरी तरह दोहन का शिकार हैं क्योंकि जमीन से खींचे गए पानी की वार्षिक मात्रा, भूमिगत जल भंडार के पुनर्भरण से कहीं अधिक है।

नए वायरस से क्यों फैल रहा कोरोना का डर, देशभर में फिर बढ़ने लगे केस

एक बार फिर कोरोना की दस्तक ?

भारत में एक दिन में कोरोना वायरस संक्रमण के 3,016 नए मामले आने के बाद देश में अभी तक संक्रमित हुए लोगों की संख्या बढ़कर 4,47,12,692 हो गई है। पिछले छह महीने में सामने आए ये सर्वाधिक दैनिक मामले हैं। वहीं, उपचाराधीन मरीजों की संख्या बढ़कर 13,509 पर पहुंच गई है। इससे पहले, पिछले साल दो अक्टूबर को 3,375 दैनिक मामले सामने आए थे। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से जारी अद्यतन आंकड़ों के अनुसार, महाराष्ट्र में संक्रमण से तीन, दिल्ली में दो और हिमाचल प्रदेश में एक मरीज की मौत के बाद देश में मृतक संख्या बढ़कर 5,30,862 हो गई।

देश में एक बार फिर कोरोना संक्रमण की दस्तक चिंता का सबब है। महाराष्ट्र व गुजरात में मौतों की बात कही जा रही है। संक्रमण पिछले पांच महीनों में सबसे ज्यादा है। कुल संक्रमितों की संख्या साढ़े नौ हजार व दैनिक संक्रमण दर 1.56 बतायी जा रही है। हालांकि देश में अब तक 220.65 करोड़ कोविड रोधी टीके की खुराकें लगायी जा चुकी हैं। जिसने देश को नया आत्मविश्वास दिया है। लेकिन बूस्टर डोज के प्रति उदासीनता चिंताजनक है। दरअसल, कोरोना के नये सब वेरिएंट एक्सबीबी 1.16 को बढ़ते संक्रमण का कारण बताया गया है। ज्यादातर मामले महाराष्ट्र, गुजरात, केरल, दिल्ली व कर्नाटक में दर्ज किये गये। स्वास्थ्य मंत्रालय ने राज्यों-केंद्रशासित प्रदेशों को हालात पर नजर रखने व टेस्टिंग बढ़ाने के निर्देश दिये हैं। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय व आईसीएमआर की संयुक्त एडवाइजरी के मुताबिक कोरोना से बचाव की तैयारी के लिये दस व ग्यारह अप्रैल में पूरे देश में मॉक ड्रिल करने की योजना बनायी गई है। दरअसल, कोविड संक्रमण के

साथ ही इन्फ्लूएंजा एच3एन2 के मामलों में वृद्धि भी चिंता बढ़ा रही है। विशेषज्ञों की राय है कि कोविड से जुड़े सभी प्रोटोकॉल का पालन सुनिश्चित हो। साथ ही बूस्टर डोज लेने की सलाह भी दी जा रही है। संक्रमण की एक वजह मौसम में बदलाव भी बताया जा रहा है। दरअसल, पुराने अनुभव के अनुरूप मास्क लगाने, भीड़भाड़ से बचने, खांसते समय मुंह ढकने तथा सेनिटाइजर के उपयोग पर बल दिया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि भारत में जहां संक्रमण की दर एक फीसदी है, वहीं अमेरिका में उन्नीस व रूस में बारह फीसदी है। इस बाबत हुई बैठक में प्रधानमंत्री ने टेस्टिंग व जिनोम सिक्वेंसिंग बढ़ाने पर जोर दिया है। खासकर सांस संबंधी बीमारी से पीड़ितों के मामले में अतिरिक्त सावधानी बरतने की बात कही गई है। दरअसल, यह एक हकीकत है कि कोविड का वायरस हमारे परिवेश में लगातार नये रूप बदलकर दस्तक देता ही रहेगा, अतः हमें कोविड के साथ जीने की आदत डालनी होगी। ऐसे में जरूरी है कि हम सजगता से कोविड से बचाव के उपयुक्त व्यवहार का पालन करें। सरकार इसकी जांच, उपचार व जरूरी दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करे। विशेषज्ञ कह रहे हैं कि देश में सफल टीकाकरण के चलते अब अस्पताल में भर्ती होने व मरने वालों की संख्या में पहले जैसी वृद्धि नहीं होगी। हमें 'जान भी और जहान भी' की नीति का अनुसरण करते हुए सुनिश्चित करना होगा कि हमारी अर्थव्यवस्था पर किसी तरह के प्रतिबंधों का प्रतिकूल असर न पड़े। वर्ष 2020 में लॉकडाउन से हमारी अर्थव्यवस्था पर प्रतिकूल असर पड़ा था और लाखों लोगों को अपनी रोजी-रोटी से हाथ धोना पड़ा था। हाल में चीन तक में ज़ीरो कोविड नीति के खिलाफ उग्र प्रदर्शन के बाद इस नीति में बदलाव करना पड़ा था। भारत सरकार को टेस्ट, ट्रैक, ट्रीट, टीकाकरण व कोविड

चुनाव आयोग ने कर्नाटक विधानसभा चुनावों का ऐलान कर दिया। दक्षिण के इस अहम राज्य पर फिलहाल बीजेपी काबिज है। उसके लिए कई कारणों से यह महत्वपूर्ण है कि यहां उसका कब्जा बना रहे। कर्नाटक दक्षिण का ऐसा पहला राज्य है, जहां 2008 में सरकार बनाकर बीजेपी ने अपने ऊपर लगे 'नॉर्थ इंडियन पार्टी' का ठप्पा हटाया था। इस बीच पार्टी पूर्वोत्तर राज्यों में भी कामयाबी के झंडे गाड़ चुकी है, लेकिन दक्षिण में आज भी कर्नाटक इकलौता राज्य है, जहां चुनाव हारते-जीतते हुए भी वह अपनी अच्छी खासी पैठ का दावा कर सकती है। इस बार वह सरकार में जरूर है, लेकिन चुनावों के लिहाज से उसके सामने चुनौतियां कम नहीं हैं। ूर्व मुख्यमंत्री येदियुरप्पा के रूप में उसके पास लिंगायत समुदाय का सबसे बड़ा नेता उपलब्ध है, लेकिन यह देखना बाकी है कि उन्हें मुख्यमंत्री पद से हटाकर इसी समुदाय के बीआर बोम्मई को सीएम बनाने के फैसले से उपजे द्वंद्व को पार्टी कैसे हल करती है।

इस बीच ऐसे संकेत भी मिले हैं कि समुदाय का एक हिस्सा इन दोनों ही नेताओं से नाराज है। खासकर, कुछ दिनों पहले इन दोनों नेताओं के घरों का घेराव होना इसी नाराजगी का सबूत माना गया था। लेकिन चुनाव से पहले ऐसी नाराजगी का उभरना और फिर दूर होना कोई बड़ी बात नहीं है। सब कुछ इस पर निर्भर करता है कि पार्टी नेतृत्व इसे कितनी कुशलता से निपटाता है। कांग्रेस की जहां तक बात है तो राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा के बाद यह पहला ही चुनाव है, जिसमें बीजेपी के मुकाबले कांग्रेस के प्रदर्शन पर सबकी नजरें टिकी होंगी। विपक्षी खेमे में कांग्रेस की स्थिति भी कमोबेश इस प्रदर्शन पर निर्भर करेगी। वैसे राज्य में मुकाबला तिकोना ही होगा क्योंकि जेडीएस भी एक प्रमुख प्लेयर के रूप में मैदान में है, फिर भी केंद्रीय प्रश्न यही रहेगा कि चुनाव बाद सरकार बीजेपी के प्रभाव वाली बनती है या कांग्रेस के प्रभाव वाली। कर्नाटक में भाजपा

को अपने नेता पूर्व मुख्यमंत्री बीएस येदियुरप्पा पर बड़ा भरोसा है। प्रधानमंत्री मोदी उन्हें अपने विश्वसनीयों में गिनते हैं। येदियुरप्पा के नेतृत्व में ही पार्टी ने कर्नाटक में पहली बार कमल खिलाया था। लिंगायत समुदाय का येदियुरप्पा को समर्थन हासिल है। मुख्यमंत्री बसावराज बोम्मई और येदियुरप्पा समानांतर रणनीति पर काम करके सरकार में वापसी की तस्वीर बनाने में जुटे हैं। दिल्ली से केंद्रीय मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान, मनसुख मंडाविया समेत तमाम नेता लगातार सक्रिय हैं। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह खुद कर्नाटक में हर डेवलपमेंट पर बारीक नजर रखकर चल रहे हैं। वहीं, जेडीएस यही उम्मीद कर रही होगी कि इतनी सीटें मिल जाएं, जिससे उसके सपोर्ट के बगैर राज्य में कोई सरकार न बने। जाहिर है, अगर बीजेपी या कांग्रेस की अपने दम पर सरकार नहीं बनती है तो जेडीएस के समर्थन से किसी एक की सरकार बनेगी या फिर हो सकता है कि इनमें से किसी के समर्थन की बदौलत जेडीएस सरकार बना ले। 2018 में आई त्रिशंकु विधानसभा के बाद सरकार गठन के जितने प्रयोग हुए- पहले येदियुरप्पा ने सरकार बनाई और बहुमत परीक्षण से पहले इस्तीफा दे दिया, फिर कुमारस्वामी ने सरकार बनाई और 14 महीने बाद इस्तीफा देने को मजबूर हुए और फिर बीजेपी की ओर से येदियुरप्पा ने सरकार बनाई- उसके मद्देनजर तो सबसे बड़ी उम्मीद यही होनी चाहिए कि वोटर स्पष्ट जनादेश दें ताकि राज्य को कम से कम राजनीतिक अस्थिरता से न गुजरना पड़े।

योगी सरकार ने अपने दूसरे कार्यकाल का पहला साल किया पूरा

यूपी अब माफिया नहीं, महोत्सव का प्रदेश बन चुका हैः सीएम योगी

देश जब आजादी का अमृत काल मना रहा है, तब उत्तर प्रदेश भी अपने इतिहास में अमृत पृष्ठ जोड़ रहा है। योगी सरकार ने अपने दूसरे कार्यकाल का पहला साल पूरा किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लोकभवन सभागार में छह साल की उपलब्धियों पर आधारित पुस्तक छह साल-यूपी खुशहाल का विमोचन किया। साथ ही पोस्टर का अनावरण भी किया। सीएम ने कहा कि छह वर्ष में यूपी अब माफिया नहीं, महोत्सव का प्रदेश बन चुका है।प्रदेश की जनता को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सबसे पहले प्रधानमंत्री के प्रति आभार जताया। बोले कि उनकी प्रेरणा और मार्गदर्शन में यूपी ने देश और दुनिया में अलग पहचान बनाई है। सीएम ने केंद्रीय गृह मंत्री, रक्षा मंत्री, सड़क परिवहन राजमार्ग मंत्री समेत केंद्रीय मंत्रिमंडल के सदस्यों, केंद्रीय व प्रदेश संगठन के पदाधिकारियों के प्रति भी आभार जताया। बोले कि सरकार और संगठन के परस्पर समन्वय ही नहीं, अपितु डबल इंजन के कार्यों को जन जन तक पहुंचाने में भी अपना योगदान दिया। सम विषम परिस्थितियों में तत्परता के साथ कार्य किया है।

पूर्ण बहुमत की सरकार और स्थिरता के मतलब को बतायाः

सीएम ने कहा कि 6 वर्ष पहले यूपी कहां था, इन 6 साल में जो परिवर्तन हुआ है। वो इस गाथा को सबके सामने रखता है। ये 6 साल यूपी के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण रहे हैं। पूर्ण बहुमत की सरकार और इसकी स्थिरता का मतलब क्या होता है, यह बीजेपी सरकार ने यूपी के अंदर परस्पर समन्वय संवाद के माध्यम से प्राप्त किया। 6 साल में हमारी सरकार ने प्रधानमंत्री के प्रेरणा से यूपी के समग्र विकास की जो कार्ययोजना बनाई थी, पूरी ईमानदारी से उसे लागू करने के लिए हर स्तर पर प्रयास किया।

परिणाम सबके सामने है। पहले यूपी के अंदर परंपरागत जाति, मत-मजहब, भ्रष्टाचार, परिवारवाद के नाम पर जो राजनीति होती थी, उससे अलग हटकर हमने यहां की पहचान यूपी के अनुरूप असीम संभावनाओं वाले प्रदेश के रूप में बढ़ाने के लिए 10 सेक्टर चिह्नित किए, जिस पर पूरी टीम ने काम किया।

सीएम ने कहा कि 6 में से 3 साल कोरोना से लड़ते-जूझते हुए काम हुए। यूपी ने इस दौरान अनेक उपलब्धियां हासिल कीं। जिस यूपी के बारे मे कहा जाता था कि वह विकास नहीं कर सकता, पीएम की सभी फ्लैगशिप योजनाओं में आज वह नंबर एक की दौड़ में है। यूपी के इन्फ्रास्ट्रक्चर की चर्चा पूरे देश में हो रही है। युवाओं की नौकरी में परदर्शिता बरती है। निजी क्षेत्र में भी नौकरी और रोजगार के ढेर सारे अवसरों को सृजित करने के प्रयास सामने हैं। आज एक करोड़ से अधिक निराश्रित महिला, वृद्धावस्था पेंशन पाने वाली महिलाओं, दिव्यांगजनों को 12 हजार रुपये वार्षिक पेंशन यूपी प्रदान कर रहा है। ये वही यूपी है, जहां तमाम अभिभावक इस बात के लिए चिंतित होते थे कि बिटिया का विवाह कैसे करेंगे, उसे कैसे पढ़ाएंगे। आज 14 लाख बेटियां मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना से लाभान्वित हुईं। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के अंतर्गत सवा दो लाख बेटियों का विवाह संपन्न हुआ। अब भी निरंतर कार्य चल रहे हैं। महिला स्वयंसेवी समूह नये मॉडल के रूप में कार्य कर रही हैं। महिला बाल विकास विभाग के पोषाहार योजना से हर कुपोषित परिवार को जोड़ा गया। उनके प्लांट हर ब्लॉक स्तर पर लगाए जा रहे हैं। महिला सशक्तिकरण, स्वालंबन और सम्मान के आदर्श के रूप में यूपी आगे बढ़ा है। सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि युवा आसानी से नौकरी, आर्थिक स्वावलंबन में आगे बढ़ सकें। स्वत- रोजगार के लिए एमएसएमई में हुए कार्य दिखाई दे रहे हैं। विश्वकर्मा श्रम सम्मान हस्तशिल्पियों को नई पहचान दिला रहा है।

भोपाल में बूथ सम्मेलनः बीजेपी अध्यक्ष जेपी नड्डा ने दिया जीत का मंत्र

मप्र में विधानसभा चुनावों का शंखनाद

बीजेपी अध्यक्ष जेपी नडडा ने भोपाल में बूथ अध्यक्षों को जीत का मंत्र देकर भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा ने मध्य प्रदेश में विधानसभा चुनाव का शंखनाद किया। उन्होंने कहा कि भाजपा का कार्यकर्ता और सरकार समर्पण से काम कर रहे हैं। विरोधी भी हमसे टकराने में सौ बार सोचते हैं। अब तो यह कहूंगा, यह समय गला खराब करने का नहीं, विपक्ष की हवा टाइट(हालत खराब) करने का है। नड्डा ने कार्यकर्ताओं में उत्साह भरते हुए अबकी बार-200 पार का नारा दोहराया। उन्होंने शिवराज सरकार की लाड़ली बहना योजना को क्रांतिकारी कदम बताते हुए कहा कि बहनों के स्वाभिमान की दिशा में यह मील का पत्थर साबित होगी। भोपाल में नड्डा ने सपत्नीक भाजपा के नए प्रदेश कार्यालय के लिए भूमिपूजन किया, तो शहर के गांधीनगर के बूथ-53 पर पहुंचकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम सुना। कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री नरेन्द्र सिंह तोमर, ज्योतिरादित्य सिंधिया, प्रदेश के मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीडी शर्मा उपस्थित थे।

बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कांग्रेस नेताओं को अहंकार में डूबा बताया। उन्होंने कहा कि इनके नेता अति पिछड़ों को जाति सूचक गाली देते हैं और फिर माफी भी नहीं मांगते। इनके लिए अहंकार बड़ा हो गया और समझदारी छोटी। उन्होंने कांग्रेस का मतलब करप्शन, कमीशन, डिवीजन, भाई-भजीतावाद, परिवारवाद बताया। जबकि भाजपा का मतलब मिशन, समाज सेवा, महिला और समाज का सशक्तिकरण तथा रिपोर्ट कार्ड की संस्कृति है, जो कहा वो किया, जो कहेंगे वो करके दिखाएंगे।

जेपी नड्डा ने भोपाल में बीजेपी के नए प्रदेश कार्यालय के लिए भूमिपूजन किया। इसके बाद मोतीलाल नेहरू स्टेडियम में बीजेपी के बूथ अध्यक्षों के सम्मेलन को संबोधित करते हुए उन्होंने मोदी सरकार और शिवराज सरकार की योजनाएं और उपलब्धियां गिनाईं। कार्यकर्ताओं से कहा कि ये बातें वो जनता के बीच जाकर बताएं। आप तर्कों और मुद्दों के आधार पर जनता के बीच जाएं। ये गला खराब करने का नहीं, विरोधियों की हालत खराब करने का समय है। बता दें, बीजेपी प्रदेशाध्यक्ष का स्पीच के बीच गला बैठ गया था। तब शिवराज ने उन्हें पानी दिया था।बूथ अध्यक्ष सम्मेलन के बाद बीजेपी दफ्तर में पार्टी की कोर कमेटी की बैठक हुई है। इसमें भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री शिव प्रकाश, क्षेत्रीय संगठन मंत्री अजय जामवाल, सीएम शिवराज सिंह चौहान, केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर, ज्योतिरादित्य सिंधिया और प्रदेश बीजेपी अध्यक्ष वीडी शर्मा मौजूद रहे। जेपी नड्डा ने राहुल गांधी के समर्थन में सत्याग्रह कर रहे कांग्रेस नेताओं पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि आज कांग्रेस के लोग सत्याग्रह कर रहे हैं। सत्याग्रह तो महात्मा गांधी ने किया था, भारत के सम्मान के लिए, भारत की अस्मिता के लिए, भारत में भारतीयता का राज हो इसके लिए। आप किस बात का सत्याग्रह कर रहे हो। जाति सूचक गाली देते हो। कोर्ट कहता है माफी मांगो। आपका अहंकार है, आप माफी नहीं मांगते हो। रस्सी जल गई बल नहीं गया, अहंकार नहीं गया। कहते हैं मैं किसी से नहीं डरता, अरे भाई संविधान और कानून से तो डरो, लेकिन नहीं। सत्याग्रह करने चले। देश इनको कभी माफ नहीं करेगा। बीजेपी नड्डा ने कहा कि 2014 में जब मोदी जी को संसदीय दल का नेता चुना गया था। तब वो पार्टी दफ्तर आए थे। उन्होंने पूछा था कि कहां-कहां पार्टी कार्यालय हैं। हमें संकल्प लेना चाहिए कि हर जिले में पार्टी का एक अच्छा कार्यालय बने। आज की स्थिति में 290 दफ्तर बन चुके हैं। 115 बन रहे हैं। 123 कार्यालय के लिए जमीन ले ली गई है। जल्द कार्य शुरू होगा। भोपाल में बन रहा कार्यालय मोस्ट मॉर्डन कार्यालय होगा।

लाड़ली बहना योजना को बताया क्रांतिकारी कदम

प्रदेश में महंगाई, भ्रष्टाचार और बेरोजगारी को गाड़ दूंगा

एक्शन में कमलनाथ

कमलनाथ की बड़ी घोषणा, कांग्रेस की सरकार बनने पर देंगे 500 रुपए में सिलेंडर

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने रविवार को नरसिंहपुर में एक जनसभा को संबोधित करते हुए बड़ी घोषणा की। कमलनाथ ने कहा कि प्रदेश में कांग्रेस की सरकार बनने पर गैस सिलेंडर 500 रुपए में देंगे। महिलाओं को 1500 रुपए देंगे। कमलनाथ

ने कहा कि मैं तो आप का पड़ोसी हूं। आज एक नेता के नाते नहीं एक पड़ोसी के नाते आप सबके बीच आया हूं। शिवराज सिंह जी कहते हैं कि कमलनाथ अपने 15 महीने का हिसाब दे शिवराज जी आप अपने 18 वर्ष का हिसाब दे दीजिए मैं अपने 15 महीने का हिसाब दे देता हूं। कमलनाथ ने आरोप लगाया कि शिवराज जी आजकल आश्वासन और घोषणाओं के नशे में है। हमारे माताओं बहनों को एक हजार रुपए देने की बात कर रहे हैं। मैं पूछना चाहता हूं महंगाई कितनी बढ़ गई है? मैं घोषणा करता हूं कि प्रदेश में कांग्रेस की सरकार बनने पर गैस सिलेंडर 500 रुपए में देंगे। महिलाओं को 1500 रुपए देंगे।पूर्व सीएम ने कहा कि शिवराज सिंह कह रहे है कि मैं कमलनाथ की राजनीति को गाड़ना चाहता हूं। कमलनाथ की राजनीति का अंत चाहता। मैं इन सब बातों में नहीं पड़ता, लेकिन शिवराज जी मैं भी गाड़ना चाहता हूं, मैं महंगाई को मारना चाहता हूं। बेरोजगारी को गाड़ना चाहता हूं। मैं किसानों के खिलाफ होने वाले अन्याय को गाड़ना चाहता हूं। आपको शायद इसमें खुशी मिलती है कि आप कमलनाथ की राजनीति का अंत करना चाहते हैं , इस बार हम सब मिलकर आप की राजनीति का अंत कर देंगे यह प्रदेश की और नरसिंहपुर की जनता बहुत समझदार है। उन्होंने कहा कि मैंने हमेशा सौदे की कुर्सी पर बैठने से इंकार किया है। हम जनता के सहयोग से सरकार बनाएंगे। नाथ ने कहा कि इस चुनाव में यह सारे मुद्दे तो रहेंगे ही विकास के मुद्दे रहेंगे तमाम मुद्दे रहेंगे पर सबसे बड़ा मुद्दा हमारी संस्कृति का है, हम कैसे अपनी संस्कृति की रक्षा करेंगे भारत एक ऐसा देश है, जहां इतने सारे धर्म है जातियां हैं त्यौहार हैं, रीति रिवाज है देवता है, ऐसा कोई देश विश्व में नहीं है, जिसने अन्य धर्मों को भी जन्म दिया है यह हमारा भारत है और यदि आज अपना देश एक झंडे के नीचे खड़ा है तो उसका कारण है हमारी संस्कृति जो दिल जोड़ने की, संबंध जोड़ने की संस्कृति है। कैसा प्रदेश हम आने वाली पीढ़ियों को सौंपना चाहते हैं? आपको संविधान और संस्कृति का रक्षक बनना है।

हर बूथ होगा मजबूत

मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह समूचे मध्यप्रदेश की विधानसभाओं में कांग्रेस के मंडल सेक्टर अध्यक्षों व बीएलए कार्यकर्ताओं के साथ बूथ प्रबंधन को लेकर बैठक ले रहे हैं। इसी तारतम्य में वे आज ग्वालियर में जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा आयोजित मंडलम सेक्टर अध्यक्षों की बैठक में शामिल हुए। इस बैठक में ग्वालियर विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 15 के कांग्रेस के 3 ब्लॉक अध्यक्ष, 21 मण्डलम अध्यक्ष व 97 सेक्टर अध्यक्ष व 320 बूथ लेबल एजेंट शामिल हुए। ग्वालियर 15 के कार्यकर्ताओं ने मुखर होकर अपनी बात रखी। सभी ने क्षेत्र के विधायक और मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर द्वारा प्रताड़ित किये जाने की बात प्रमुखता से रखी। पूर्व सीएम ने सभी कार्यकर्ताओं की बातें सुनी और उनके जवाब दिए। उसके बाद ग्वालियर 15 विधानसभा क्षेत्र के समस्त कार्यकर्ता की बैठक में उन्होंने महिला कार्यकर्ताओं को ससम्मान मंच पर बैठाया और स्वयं कार्यकर्ताओं के साथ मंच से नीचे बैठे। उन्होंने कार्यकर्ताओं को खुला मंच दिया। सबके सुझाव सुने और उन्हें नोट किया। पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह जी ने मण्डलम-सेक्टर, बीएलए व समस्त कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि जनता कांग्रेस को वोट देना चाहती है, कांग्रेस को समर्थन भी दे रही है, हमें सिर्फ उस समर्थन को वोटों में परिवर्तित करने की ज़रूरत है जिसके लिए बूथ स्तर तक पार्टी संगठन को मजबूती देने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा इसीलिए माननीय कमलनाथ जी ने मुझे विधानसभाओं में मण्डलम-सेक्टर मीटिंग लेने को कहा है।

लाड़ली बहना योजना मेरे दिल से निकली योजना हैः शिवराज

बहनें सशक्त होंगी तो परिवार, समाज, प्रदेश और देश सशक्त होगा

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि लाड़ली बहना योजना मेरे दिल से निकली योजना है। बहने सशक्त होंगी तो परिवार, समाज, प्रदेश और देश सशक्त होगा। बहनों के जीवन को सरल, सुखद बनाना ही मेरे जीवन का ध्येय है। बहने अपनी छोटी-मोटी जरूरतों और पैसों की आवश्यकता के लिए परेशान न हो, इसलिए हर महीने बहनों को एक-एक हजार रूपए उपलब्ध कराने की व्यवस्था योजना में की गई है। जिन परिवारों की वार्षिक आय ढाई लाख रूपए से कम है, जिनके पास 5 एकड़ से कम भूमि है और जिन परिवारों में कोई आयकर दाता नहीं हो, ऐसे परिवारों की 23 से 60 आयु वर्ग की बहनें योजना के लिए पात्र हैं। योजना में परिवार का अर्थ है, पति, पत्नी और बच्चे। बहनों को यह राशि उपलब्ध कराने से बहनों के साथ पूरे परिवार का भी कल्याण होगा। योजना के लिए 25 मार्च से 30 अप्रैल तक आवेदन भरे जाएंगे। मई माह में आवेदनों की जाँच होगी और 10 जून को पहली किस्त बहनों के बैंक खातों में जमा कर दी जाएगी। जिन बहनों के बैंक खाते नहीं हैं, उनके खाते खुलवाने में भी मदद की जाएगी। मुख्यमंत्री श्री चौहान भोपाल के जम्बूरी मैदान में विशाल सम्मेलन में योजना का शुभारंभ कर रहे थे। कार्यक्रम से प्रदेश के सभी गाँव तथा वार्ड वर्चुअली जुड़े। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि योजना के क्रियान्वयन में महिलाओं को कोई दिक्कत न आए, इसके लिए राज्य शासन द्वारा विशेष व्यवस्था की गई है। हमारे देश में माँ बहन, बेटी का हमेशा सम्मान रहा है। बेटियों और बहनों को हमारे यहाँ दुर्गा, लक्ष्मी और सरस्वती माना जाता है। देवता और भगवान के नाम लेने में भी, पहले लक्ष्मी जी और सीता जी का नाम लिया जाता है अर्थात महिला सर्वप्रथम है। कालांतर में परिस्थितियाँ बदली और महिलाएँ भेदभाव का शिकार हो गई। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि बहन-बेटियों के साथ भेदभाव को देखकर मुझे बचपन से ही वेदना होती थी। सार्वजनिक जीवन में सक्रियता के साथ ही मेरा यह प्रयास रहा कि बेटी को बोझ नहीं वरदान समझा जाए। परिणामस्वरूप विधायक बनते ही साथियों के सहयोग से बेटियों का विवाह कराना शुरू किया और मुख्यमंत्री बनते ही सबसे पहले कन्या विवाह योजना बना कर उसका क्रियान्वयन सुनिश्चित किया। मेरा प्रण था कि मध्यप्रदेश की धरती पर जो बेटी पैदा हो वह लखपति हो। इस प्रण से लाड़ली लक्ष्मी योजना ने मूर्त रूप लिया। इसके बाद बेटियों को पढ़ाई में मदद के लिए किताबें, यूनिफार्म, साइकिल आदि की व्यवस्था की गई। मजदूर बहन, बेटा- बेटी के जन्म के बाद आराम कर सके, इसके लिए संबल योजना में जन्म से पहले 4 हजार और जन्म के बाद 12 हजार रुपए देने की व्यवस्था की गई। बहनों के लिए गाँव की बेटी, प्रतिभा किरण और प्रसूति सहायता योजना बनाई गई। बहन-बेटियों को प्रगति के समान अवसर उपलब्ध कराना मेरा सपना था। इन योजनाओं के सफल क्रियान्वय से मेरा मुख्यमंत्री बनना सार्थक हुआ। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने योजना के शुभारंभ कार्यक्रम में शामिल होने आई बहनों का पुष्प-वर्षा कर स्वागत किया। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कन्या-पूजन और बहनों का सम्मान करते हुए दीप जला कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि प्रदेश में सभी कार्यक्रमों का शुभारंभ कन्या-पूजन के साथ किया जाता है। मैं अपनी बहनों में देवी दुर्गा, सरस्वती और लक्ष्मी का रूप देखता हूँ।

बहन-बेटियों को प्रगति के समान अवसर उपलब्ध कराना मेरा सपनाः शिवराज

मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना के क्रियान्वयन के संबंध में सौंपे गए दायित्वों का निष्ठापूर्वक निर्वहन हो: कलेक्टर

● पुष्पांजली टुडे ब्यूरो ग्वालियर

मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना के तहत ई-केवायसी दर्ज कराने के साथ ही आवेदन पत्रों को जमा करने का कार्य किया जा रहा है। शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता वाली इस योजना के बेहतर क्रियान्वयन के लिये जिन जिला अधिकारियों को जवाबदारी सौंपी है वे पूरी निष्ठा के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करें। दायित्वों के निर्वहन में लापरवाही पाए जाने पर संबंधित अधिकारियों के विरूद्ध दण्डात्मक कार्रवाई की जायेगी। कलेक्टर अक्षय कुमार सिंह ने सोमवार को अंतरविभागीय समन्वय समिति की बैठक में जिला अधिकारियों को उक्त आशय के निर्देश दिए हैं। जिला पंचायत कार्यालय के सभाकक्ष में आयोजित अंतरविभागीय समन्वय समिति की बैठक में मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना के साथ ही अन्य कल्याणकारी योजनाओं और कार्यक्रमों की भी विस्तार से समीक्षा की गई। बैठक में सीईओ जिला पंचायत आशीष तिवारी, एडीएम एच बी शर्मा सहित सभी अनुविभागीय अधिकारी राजस्व और विभागीय अधिकारी उपस्थित थे। कलेक्टर अक्षय कुमार सिंह ने कहा है कि शहरी तथा ग्रामीण क्षेत्र में मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना की पात्र सभी बहनों को इसका लाभ मिले, इसके लिये आवश्यक है कि शतप्रतिशत महिलाओं के आवेदन पत्र जमा कराए जाएँ। जिन बहनों के पास ई-केवायसी नहीं

हैं उनके ई-केवायसी कराने का कार्य भी प्राथमिकता से किया जाए। उन्होंने यह भी निर्देशित किया कि ई-केवायसी कराने का कार्य शासन द्वारा निःशुल्क रखा गया है। कोई भी व्यक्ति अगर ई-केवायसी के नाम पर पैसे की माँग करता है तो उसके खिलाफ पुलिस प्रकरण दर्ज कराया जाए। कलेक्टर ने बैठक में यह भी कहा कि जिले की शतप्रतिशत उचित मूल्य दुकानों पर भी ई-केवायसी का कार्य कराया जाए। उचित मूल्य दुकानों पर ई-केवायसी का कार्य निःशुल्क है। इस आशय के बोर्ड भी लगाए जाएँ। उन्होंने महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारियों को भी निर्देशित किया है कि वे सभी केन्द्रों पर पेयजल, छाया व बहनों के बैठने की व्यवस्था हो, यह भी सुनिश्चित करें। कलेक्टर सिंह ने लोक सेवा केन्द्रों में किए जा रहे कार्यों की समीक्षा के दौरान अनुविभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया है कि वे अपने-अपने क्षेत्र के सभी लोक सेवा केन्द्रों का निरीक्षण करें। इसके साथ ही निर्धारित समय-सीमा में लोगों को सेवाएँ प्रदान हों यह भी सुनिश्चित किया जाए। जिन केन्द्रों पर सेवा देने में विलम्ब पाया जाए वहाँ पर संबंधित अधिकारी-कर्मचारी के विरूद्ध दण्डात्मक कार्रवाई भी की जाए। उन्होंने सीएम हैल्पलाइन की समीक्षा के दौरान वरिष्ठ अधिकारियों को निर्देशित किया है कि पुरानी शिकायतों के निराकरण की समीक्षा करें। जिन शिकायतों का निराकरण किया जा सकता है उनका तत्परता से निराकरण किया जाए। कलेक्टर सिंह ने जिला अधिकारियों को भी निर्देशित किया है कि वे सीएम हैल्पलाइन के प्रकरणों का प्रतिदिन अवलोकन करें और संबंधित शिकायतकर्ता से संपर्क स्थापित करें। संतुष्टिपूर्वक उसकी शिकायतों का निराकरण करें। एल-1 पर बिना देखे कोई भी शिकायत अगर एल-2 और एल-3 पर जाती है तो एल-1 अधिकारी के विरूद्ध दण्डात्मक कार्रवाई की जायेगी।

57 साल बाद कांग्रेस की मेयर ने पेश किया मुनाफे का बजट

● पुष्पांजली टुडे ब्यूरो ग्वालियर

गैर सरकार ने वित्तिय वर्ष 2023-24 के लिए तीन लाख रुपए मुनाफे का बजट पेश कर दिया है। 57 साल बाद परिषद में किसी कांग्रेस मेयर ने बजट पेश किया है। यहां बता दें कि पिछले 57 साल से महापौर के पद पर भाजपा का कब्जा था, लेकिन इस बार कांग्रेस की शोभा सिकरवार ने भाजपा का मिथक तोड़ते हुए मेयर की सीट उनसे छीनी थी।पेश किए गए बजट में सबसे ज्यादा फोकस सडक़, स्वच्छता व अमृत-2 प्रोजेक्ट पर किया गया है। बजट में 917 करोड़ रुपए अमृत के सेकंड फेस के लिए प्रावधान किया गया है। बजट पेश होने के बाद भाजपा पार्षदों ने बहस के लिए 25 मार्च तक का समय मांगा है। ग्वालियर नगर सरकार का साल 2023-24 का वार्षिक बजट 3 लाख रुपए मुनाफे के साथ परिषद में पेश कर दिया है। महापौर डॉ. शोभा सतीश सिकरवार बजट सूटकेस को लेकर परिषद में पहुंची और यहां पहले राष्ट्रगान हुआ और उसके बाद महापौर ने परिषद में 2100 करोड़ की आय-व्यय का ब्यौरा जिसे बजट कहते हैं उसे रखा। यहां बता दें कि महापौर डॉ. शोभा सिकरवार की सास मां के निधन को अभी एक सप्ताह भी नहीं हुआ है। इसके बाद भी शहर के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को समझते हुए बजट पेश करने पहुंची हैं। महापौर सिकरवार के बजटीय भाषण के बाद सभापति ने महापौर द्वारा पेश बजट पर बहस के लिए 25 मार्च तक का समय मांगा। सभी पार्षदों को बजट की कॉपी

दे गई है। पार्षद स्टडी कर उसमें संशोधन आदि पर 25 मार्च के बाद चर्चा की जाएगी। 3 लाख रुपए मुनाफा का बजट-मेयर इन काउंसिल ने आयुक्त द्वारा प्रस्तुत बजट को संशोधित कर 2128 करोड़ रुपए की आय का बजट पेश किया है जिसमें 2060 करोड़ व्यय के साथ तीन लाख रुपए लाभ का बजट पेश किया गया है। स्वच्छता, सडक़, अमृत, गौशाला पर फोकस - वित्तिय वर्ष 2023-24 के लिए पेश किए गए बजट में स्वच्छता, सडक़, अमृत प्रोजेक्ट के अलावा गौशाला पर भी फोकस किया गया है।

थाना प्रभारी अवैध रेत उत्खनन और परिवहन पर अंकुश लगाएं : आईजी चंबल

अति. पुलिस महानिदेशक ग्वालियर जोन डी.श्रीनिवास वर्मा,भापुसे द्वारा नवागत पुलिस महानिरीक्षक चम्बल जोन सुशान्त कुमार सक्सेना,भापुसे को आईजी चम्बल का पदभार ग्रहण कराया। वहीं पुलिस महानिरीक्षक चंबल जोन सुशांत कुमार सक्सैना ने पुलिस नियंत्रण कक्ष भिण्ड में आयोजित बैठक में अनुविभागीय अधिकारी पुलिस और थाना प्रभारियों की सख्त हिदायत देते हुए कहा कि अवैध रेत उत्खनन और परिवहन के खिलाफ पूर्णरूपेण अंकुश लगाएं। अवैध रेत से भरे डंपर, ट्रक और ट्रैक्टर-ट्रॉलियों पर सख्त कार्रवाई करें। अंतर्राज्जीय अवैध परिवहन को सख्ती के साथ रोकें। बैठक में आईजी सक्सैना ने थाना प्रभारियों से अवैध रेत उत्खनन और परिवहन के संबंध में जानकारी मांगी और समीक्षा की। समीक्षा के दौरान थाना प्रभारियों द्वारा की गई कार्रवाई से वो संतुष्ट नहीं हुए। उन्होंने थाना प्रभारियों द्वारा की गई कार्रवाई से संतुष्ट न होकर कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए फटकार लगाई और कहा कि अवैध रेत परिवहन और उत्खनन के खिलाफ कड़ी कार्रवाई को अंजाम दें। अगर आप लोगों के द्वारा कर्तव्य के प्रति लापरवाहीं बरती गई तो आपके खिलाफ कठोर कानूनी कार्रवाई को अंजाम दिया जाएगा और थानों से भी हटाया जाएगा। जिले के अंदर जो थाना प्रभारी अवैध रेत परिवहन और उत्खनन के खिलाफ अच्छी कार्रवाई करेगा, उसे पुरस्कृत भी किया जाएगा।

फरियाद लेकर आने वाले पीड़ित की बात को सहानुभूति पूर्वक एवं गंभीरता से सुनाकर विधि सम्मत कार्यवाही की जाए

लंबित अपराधों का निर्धारित समय-सीमा में निराकरण किया जाएः एसपी

पुलिस अधीक्षक ग्वालिय राजेश सिंह चन्देल, पुलिस कंट्रोल रूम सभागार में जिले के समस्त थाना प्रभारियों की बैठक कर उपस्थित थाना प्रभारियों से उनका परिचय प्राप्त किया। तद्उपरान्त नवागत

पुलिस अधीक्षक ग्वालियर द्वारा समस्त थाना प्रभारियों से उनके थाना क्षेत्र के संबंध में आवश्यक जानकारी प्राप्त की और थानावार लंबित अपराधों, लंबित चालान, लंबित मर्ग, सीसीटीएनएस, महिला संबंधी अपराध एवं सीएम हेल्पलाइन पर लंबित शिकायतों व क्षेत्र की कानून व यातायात व्यवस्था के संबंध में जानकारी प्राप्त कर उन्हें आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि पुलिस की समाज में महती भूमिका है, इसलिए हमें पुलिस विभाग की गरिमा बनाए रखने के लिए कानून की हद में रहकर नियमानुसार कार्यवाही करनी चाहिए। पुलिस विभाग के किसी भी अधिकारी व कर्मचारी की कोई जाति नहीं होती है वह सिर्फ पुलिसवाला होता है और हमे इसी भावना के साथ काम करना चाहिए। राजपत्रित अधिकारियों की बैठक में अति. पुलिस अधीक्षक शहर (पूर्व/अपराध) श्री राजेश दंडोतिया, अति. पुलिस अधीक्षक ग्रामीण श्री जयराज कुबेर, अति. पुलिस अधीक्षक शहर पश्चिम श्री गजेन्द्र सिंह वर्धमान, सीएसपी लश्कर/डीएसपी अपराध श्री षियाज़ के.एम.,भापुसे सहित समस्त सीएसपी/एसडीओपीगण उपस्थित रहें। बैठक में नवागत पुलिस अधीक्षक ग्वालियर ने उपस्थित पुलिस अधिकारियों एवं थाना प्रभारियों से कहा कि यातायात पुलिस के साथ ही थाना प्रभारी की भी अपने क्षेत्र में यातायात व्यवस्था बनाए रखने की जिम्मेदारी है। इसलिए प्रत्येक थाना प्रभारी अपने-अपने क्षेत्र में यातायात व्यवस्था सुचारू बनाए रखें और रोड़ पर अतिक्रमण करने वालों को समझाइस दें। थाना प्रभारी अपने-अपने क्षेत्र में प्रभावी चैकिंग अभियान चलाएं, इसके साथ ही भीड़भाड़ वाले इलाकों तथा क्षेत्रों में पुलिस बल को लगाया जाए जो आसमाजिक तत्वों पर निगाह रखें। एसपी ग्वालियर ने लंबित समंस वारंट की शत प्रतिशत तामील कराने के निर्देश समस्त थाना प्रभारियों को दिए साथ ही उन्हे शराब पीकर वाहन चलाने वाले वाहन चालकों तथा बिना नम्बर के दो पहिया व चार पहिया वाहनों के विरुद्ध अभियान चलाकर प्रभावी कार्यवाही करने के निर्देश भी दिये। बैठक में उन्होने कहा कि थाने अथवा कार्यालय में अपनी फरियाद लेकर आने वाले पीड़ित की बात को सहानुभूति पूर्वक एवं गंभीरता से सुना जाकर विधि सम्मत कार्यवाही की जाए। बैठक में एसपी ग्वालियर ने कहा कि लंबित अपराधों का निर्धारित समय-सीमा में निराकरण किया जाए साथ ही प्रत्येक छोटी से छोटी शिकायत अथवा सूचना को गंभीरता से लेते हुए उस पर तत्काल कार्यवाही करें। इस प्रकार आप अपने थाना क्षेत्र में होने वाले अपराध के ग्राफ पर अंकुश लगा सकते हैं। बैठक में उन्होने कहा कि किसी भी मामले में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जायेगी। शिकायत मिलने पर तत्काल मौके पर पुलिस पहुंचे और कार्यवाही करें। इसके साथ ही उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी भी पुलिसकर्मी के अनैतिक कार्य में लिप्त पाये जाने पर उसके खिलाफ कठोर कार्यवाही की जाएगी।

राम नवमी
की
हार्दिक शुभकामनाएं
विजय कुमार व्यास एडवोकेट
बी. कॉम, एल.एल.बी. इनकम टैक्स विशेषज्ञ

राम नवमी
की
हार्दिक शुभकामनाएं
सुनील सिंह तोमर रिपोर्टर, अंबाह
खबरों एवं विज्ञापन के लिए संपर्क करें 9725670478

नगरवासियों को राम नवमी की
हार्दिक शुभकामनाएं
कुशमा देवी तोमर
अध्यक्ष
सुरेन्द्र शर्मा
सीएमओ
नगर पालिका परिषद पोरसा

राम नवमी
की
हार्दिक शुभकामनाएं
रीतेश कुमार अवस्थी
(ब्यूरो चीफ दमोह)
खबरों एवं विज्ञापन के लिए संपर्क करें 9074311085

राम नवमी
की
हार्दिक शुभकामनाएं
खंगारराम मुलेवा ब्यूरो चीफ हैदराबाद
खबरों एवं विज्ञापन के लिए संपर्क करें 9441227908

राम नवमी
की
हार्दिक शुभकामनाएं
श्रीराम परिहार पूर्व सरपंच ग्राम
पंचायत पहाड़ा खुर्द तहसील खनियाधाना जिला शिवपुरी

होटल उत्सव विलास की ओर से
राम नवमी की हार्दिक शुभकामनाएं
संचालक: संजय राय
ओवरब्रिज के पास, सागर नाका, दमोह, मप्र

पत्रकारों के लिए विधानसभा में छत्तीसगढ़ मीडिया कर्मी सुरक्षा विधेयक सर्वसम्मति से हुआ पारित

छत्तीसगढ़ अश्वनी अवस्थी विधानसभा में आज छत्तीसगढ़ मीडिया कर्मी सुरक्षा विधेयक सर्वसम्मति से पारित हो गया। इस विधेयक में मीडिया संस्थान में काम करने वाले पत्रकार से लेकर गांव में काम करने वाले पत्रकार और फ्री लांसिंग करने वाले पत्रकारों को भी सुरक्षा दी जाएगी। इस अवसर पर ष्टरू भूपेश बघेल ने इसके लिए सभी को बधाई दी है। विधानसभा परिसर में मीडिय से बातचीत में सीएम भूपेश बघेल ने कहा, आज छत्तीसगढ़ मीडिया कर्मी विधेयक पारित हुआ है. पत्रकार साथी जान जोखिम में डालकर खबरें लाते हैं. ऐसे लेख लिखते हैं, जिससे उन्हें और परिवार के लोगों को खतरा होता है।जनहानि के साथ-साथ धनहानि की संभावना बनती है। ऐसे पत्रकार साथियों के ऑफिसऔर गांव में जो काम करते हैं, उनके लिए भी न केवल अधिमान्यता पत्र जारी करने की व्यवस्था होगी, बल्कि 6 महीने में जिनके तीन लेख प्रकाशित हुए हैं, उन्हें भी सुरक्षा कानून के दायरे में लाया गया है. ताकि पत्रकारों की सुरक्षा हो

सके। शासकीय कर्मचारी दुर्व्यवहारकरते हैं तो उसकी शिकायत के लिए समिति बनी सीएम ने कहा, यदि पत्रकार के साथ काम के दौरान शासकीय कर्मचारी दुर्व्यवहार करते हैं तो उसकी शिकायत के लिए समिति बनी है. इस समिति को अधिकार संपन्न बनाया गया है. प्रदेश स्तर समिति का गठन किया गया है, जिसमें अधिकारियों के साथ-साथ पत्रकार भी शामिल किए जाएंगे। यह समिति 6 सदस्यीय होगी. समिति मामलों

मुख्यमंत्री बघेल ने दी बधाई

की सुनवाई करेगी. दंड का प्रावधान रखा गया है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने छत्तीसगढ़ मीडियाकर्मी सुरक्षा विधेयक 2023 पेश करते हुए बताया कि कानून की क्या व्यवस्था है, किसके लिए यह लागू होगा, कौन से मीडिया कर्मी इस कानून में पात्र होंगे इसके प्रावधान में है। उन्होंने कहा कि यह एक व्यापक प्रभाव वाला विधेयक है. कई बार इस कानून की मांग आई. 2019 में ही समिति का गठन कर लिया गया था. सभी से रायशुमारी के बाद यह कानून तैयार किया गया। आज का यह दिन स्वर्णिम अक्षरों में लिखा जाएगा।

राजस्थान में सीएम अशोक गहलोत का मास्टर स्ट्रोक

पिछले 30 वर्षों से राजस्थान में हर पांच साल बाद सरकार बदलने का मिथक चला आ रहा है। मगर मुख्यमंत्री गहलोत अगले विधानसभा चुनाव में इस मिथक को तोड़ कर फिर से कांग्रेस की सरकार बनाना चाहते हैं। इसीलिए उन्होंने अपना बजट पास करवाते समय राजस्थान में एक साथ 19 नए जिलों व बांसवाड़ा, पाली, सीकर तीन नए संभागों का गठन कर अपने 50 साल के राजनीतिक जीवन का सबसे बड़ा मास्टर स्ट्रोक चल दिया है।अभी राजस्थान में 33 जिले कार्यरत हैं। एक नवंबर 1956 को राजस्थान गठन के समय कुल 26 जिले थे। 15 अप्रैल 1982 को भरतपुर से अलग कर धौलपुर प्रदेश का 27वां जिला बना था। 10 अप्रैल 1991 को एक साथ 3 जिले कोटा से अलग होकर बारां, जयपुर से अलग होकर दौसा व उदयपुर से अलग होकर राजसमंद जिले का गठन हुआ था। 12 जुलाई 1994 को श्री गंगानगर से अलग होकर हनुमानगढ़ राजस्थान का 31वां जिला बना था। 19 जुलाई 1997 को सवाई माधोपुर से अलग होकर करौली को 32वां जिला बनाया गया था। 26 जनवरी 2008 को उदयपुर, चित्तौड़गढ़, बांसवाड़ा से अलग होकर प्रतापगढ़ 33वां जिला बना था।2008 में प्रतापगढ़ के बाद से राज्य में कोई नया जिला नहीं बन पाया। वर्तमान में राजस्थान की आबादी 8 करोड़ से ज्यादा हो चुकी है। पिछले 40 सालों में प्रदेश की आबादी तो दोगुनी हो गई लेकिन जिले केवल

सात ही बढ़े हैं। 1981 तक राजस्थान में 26 जिले थे तब राजस्थान की जनसंख्या करीब 3.6 करोड़ थी। आज के समय में आबादी 8 करोड़ से भी ज्यादा है, लेकिन जिले 33 ही बन पाए। आबादी की तरह जिलों की संख्या नहीं बढ़ी।राजस्थान में अंतिम जिला 15 वर्ष पूर्व प्रतापगढ़ बना था। उसके बाद से प्रदेश में लगातार नए जिले बनाने की मांग उठती रही थी। मगर राजनीतिक विरोध की संभावना के चलते किसी भी सरकार ने नए जिलों के गठन का जोखिम उठाना राजनीतिक दृष्टि से सही नहीं माना और नये जिलों का गठन टलता रहा। जबकि क्षेत्रफल की दृष्टि से राजस्थान देश का पहला व आबादी के हिसाब से सातवा सबसे बड़ा प्रदेश है। जिलों की कमी के चलते प्रदेश में प्रशासनिक कार्यों के लिए लोगों को दूर-दूर भटकना पड़ता है। कई क्षेत्रों में तो जिला मुख्यालय 150 किलोमीटर की दूरी तक स्थित होने से आम जन को बहुत ही परेशानी उठानी पड़ती है। प्रदेश के आमजन की परेशानियों को दूर करने के लिए मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने एक साथ 19 नये जिलों का गठन कर प्रदेश की जनता को एक बहुत बड़ी सौगात दी है। इसका लाभ कांग्रेस को आने वाले विधानसभा चुनाव में भी मिलना तय माना जा रहा है। देश में एक साथ सबसे अधिक जिलों के गठन का रिकॉर्ड भी मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के नाम हो गया है। अब तक किसी भी प्रदेश में एक साथ 19 जिलों का गठन नहीं हुआ है। प्रदेश में बनाये गए नए जिलों में जयपुर जिले को तोड़ कर जयपुर उत्तर, जयपुर दक्षिण, दूदू और कोटपूतली जिला बनाया गया है। जोधपुर को तोड़कर जोधपुर पूर्व, जोधपुर पश्चिम और फलोदी में बांटा गया है। श्रीगंगानगर से अनूपगढ़, बाड़मेर से बालोतरा, अजमेर से ब्यावर और केकड़ी, भरतपुर से डीग, नागौर से डीडवाना-कुचामनसिटी, सवाई माधोपुर से गंगापुर सिटी, अलवर से खैरथल, सीकर से नीम का थाना, उदयपुर से सलूंबर, जालोर से सांचोर और भीलवाड़ा से शाहपुरा को काटकर नया जिला बनाया गया है।

विधायक डॉ. सिकरवार की माताजी को विनम्र पुष्पांजली अर्पित की

● पुष्पांजली टुडे ब्यूरो ग्वालियर

पूर्व विधायक गजराज सिंह सिकरवार की धर्मपत्नि, महापौर श्रीमती शोभा सिकरवार की सासु माँ, विधायक डॉ. सतीश सिकरवार, पूर्व विधायक सत्यपाल सिंह सिकरवार 'नीटू' एवं सत्यप्रकाश सिंह सिकरवार 'सोनू' की माताजी श्रीमती रामकुमारी सिंह के असमायिक निधन पर रंगमहल गार्डन में शोक सभा आयोजित की गई। शोक सभा में हजारों की संख्या में महिला-पुरूष पहुँचकर विनम्र पुष्पांजली अर्पित की और सभी परिजनों को सांत्वना दी और मृत आत्मा की शांति के लिये ईश्वर से प्रार्थना की। श्रृद्धाजंली सभा में भजनों की प्रस्तुति राकेश जैन, जयप्रकाष शर्मा, राहुल सिंह, कुनाल शर्मा आदि ने दी। शहर के ए.जी. ऑफिस पुल के पास स्थित रंगमहल गार्डन में श्रृद्धाजंली सभा में ग्वालियर शहर के अलावा अंचल के अन्य जिलों से बडी संख्या में राजनेता एवं गण मान्य नागरिक पहुँचे और स्व. श्रीमती रामकुमारी सिंह सिकरवार के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रृद्धाजंली दी। श्रृद्धाजंली देने के लिये लगभग 3 घण्टे गण मान्य नागरिकों का तांता लगा रहा। संत-महात्मा गण, राजनेता, प्रशासनिक अधिकारियों, पुलिस अधिकारियों, समाजसेवी, व्यापारी एवं पत्रकारों ने श्रृद्धाजंली अर्पित की। पुष्पाजंली अर्पित करने वालों में दंदरौआ सरकार के महंत रामदास महाराज, संत कृपाल सिंह महाराज, पूर्व केन्द्रीय मंत्री प्रदीप जैन (झांसी), पूर्व सासंद डॉ. रामलखन सिंह, डॉ. गुलाब सिंह किरार, रामसेवक सिंह 'बाबूजी', पूर्व मंत्री श्रीमती माया सिंह, ध्यानेन्द्र सिंह, रूस्तम सिंह, अनूप मिश्रा, रामनिवास रावत, विधायक संजीव सिंह कुशवाह, रविन्द्र सिंह भिडौंसा, राज्य मंत्री दर्जा

प्राप्त रघुराज सिंह कंषाना, वरिष्ठ कांग्रेस नेता अशोक सिंह, जिलाध्यक्ष डॉ. देवेन्द्र शर्मा, भाजपा नेता वेदप्रकाश शर्मा, कमल माखीजानी, अशोक शर्मा, दिलीप शर्मा, स्टेट बार कॉउसिंल के प्रदेश अध्यक्ष प्रेमसिंह भदौरिया, चेम्बर के पूर्व अध्यक्ष विजय गोयल, अपर कमिश्नर मुकुल गुप्ता, पूर्व कलेक्टर विनोद शर्मा, आर.के. जैन, डी.एस.पी नरेश बाबू अन्नोटिया, पुष्पांजली टुडे के संपादक भरत चौहान, श्रीमती रूचि राय गुप्ता, श्रीमती संजू जाटव, श्रीमती नीरू ज्ञानी, श्रीमती ममता कटारे, श्रीमती स्वदेश भोला आदि मौजूद रहे।

दिग्विजय सिंह ने शोक संवेदना व्यक्त की

राज्यसभा सांसद एवं पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह, प्रदेश कोषाध्यक्ष अशोक सिंह, पूर्व सांसद रामसेवक सिंह 'बाबूजी', पूर्व मंत्री एवं विधायक लाखन सिंह यादव, पूर्व मंत्री भगवान सिंह यादव, अम्बाला विधायक असीम गोयल, वरिष्ठ नेता फूलसिंह बरैया, सुनील शर्मा, कृष्णकांत समाधिया, जिला ग्रामीण अध्यक्ष प्रभुदयाल जौहरे ने आज उनके निज निवास ललितपुर कॉलोनी पहुँच कर शोक संवेदना व्यक्त कर पुष्पांजली अर्पित की और दुःखी परिवार को ढांढस बंधाया।

सिंधिया ने शोक संवेदना व्यक्त कीं

श्रीमती रामकुमारी सिंह के असमायिक निधन पर केन्द्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने शोक संवेदना व्यक्त करते हुये कहा कि दुख की घडी है, सतीश की माताजी का निधन हो गया है। उन्होंने कहा कि माँ एक घर में साया होती है, उम्र भी ज्यादा नहीं थी, अचानक ऐसी क्षति होना संकट की घडी है। मैं ईश्वर से कामना करता हूँ कि संकट की इस घडी में ईश्वर परिवार को संबल प्रदान करें निज निवास पहुँच कर शोक संवेदना व्यक्त कर पुष्पांजली अर्पित की और दुःखी परिवार को ढांढस बंधाया

मुरैना एसपी एक्शन में रात्रि पुलिस, कॉम्बिग गश्त में 168 आरोपियों पर की कार्रवाई, अपराधियों में मचा हड़कंप

● पुष्पांजली टुडे ब्यूरो मुरैना

मुरैना जिले में पुलिस एक्शन में आ गई है। पुलिस ने 11 मार्च की रात कॉम्बिग गश्त चलाते हुए गिरफ्तारी वारंटी, जिला बदर इनामी, स्थाई वारंटी इनामी बदमाशों और कई धाराओं के अपराधियों को पकड़ने के लिए कार्रवाई की। इस दौरान पुलिस ने आरोपियों की धरपकड़ करते हुए 168 आरोपियों पर कार्रवाई की है। प्रदेश भर में कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए मध्यप्रदेश में प्रदेश व्यापी कॉम्बिंग गश्त का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें गिरफ्तारी वारंटी, फरारी वारंटी, स्थाई वारंटी, इनामी बदमाशों और अपराधों में फरार आरोपियों की धरपकड़ के लिए कार्रवाई की जा रही है।

मुरैना में 168 आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई

मुरैना में एसपी आशुतोष बागरी, एएसपी रायसिह नरबरिया, व सभी डिबीजन के एसडीओपी, सीएसपी, के निर्देशन में कार्रवाई को अंजाम दिया गया जहां पुलिस जवानों की पार्टियां बनाकर नाइट कॉन्बिंग गश्त की कार्रवाई की गई। रात भर चली इस कार्रवाई में स्थाई वारंट जो सालो से फरार स्थाई बारन्टी 42,इनामी बदमाश 03, जिला बदर 10 गिरफ्तारी बारन्ट 97 अन्य आरोपियों 22 को पकड़ा गया। टोटल 168 आरोपियों पर पुलिस ने कार्रवाई की। पुलिस ने 4 आरोपियों को भी गिरफ्तार किया है जिनसे एक कट्टा समेत 4 कारतूस भी जब्त किए हैं। पुलिस की अचानक कार्रवाई से आरोपियों में हड़कंप मच गया है

एसपी आशुतोष बागरी भी निकले गश्त पर

पुलिस अधीक्षक आशुतोष बागरी ने भी शहर के विभिन्न क्षेत्रों में जाकर कॉम्बिंग गश्त का निरीक्षण किया और पुलिस द्वारा की जा रही कॉम्बिंग गश्त के दौरान उन्हें बैंक एटीएम एवं लॉज, ढावा व धर्मशालाओं को भी चैक करने के निर्देश दिए। एसपी सहित अन्य वरिष्ट पुलिस अधिकारियों के सड़क पर उतरने की सूचना लगते ही बदमाशों में हडकंप मच गया।

एसपी ने कहा-जारी रहेगी कार्यवाही

उन्होंने बताया कि पुलिस टीमों द्वारा गुंडों एवं बदमाशों के घर जाकर उनकी जानकारी ली गई, चैकिंग के दौरान प्रत्येक गुण्डा, बदमाश को चेतावनी भी दी गई कि यदि वह किसी भी आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त पाया जाता है तो उनके विरूद्ध सख्त कार्यवाही की जायेगी। जेल से रिहा होकर आए आरोपियों को भी चैक किया गया। एसपी ने कहा कि अपराधों पर नियंत्रण रखने एवं कानून व्यवस्था बनाये रखने के उद्देश्य से इस तरह की कार्यवाही भविष्य में भी जारी रहेगी।

इतिहास के पन्ने पलटने का दिन है - प्रभारी मंत्री गोविंद सिंह राजपूत

जाट समाज वीरता का प्रतीकः नेता प्रतिपक्ष डॉ गोविंद सिंह

गुलामी के चिन्हों को मिटाया जाएगाः मंत्री कमल पटेल

महाराजा भीमसिंह राणा की प्रतिमा का भव्यता से हुआ अनावरण

● पंकज त्रिपाठी स्टेट हेड मप्र पुष्पांजली टुडे

गोहद (भिण्ड) । राजस्व एवं परिवहन तथा जिले के प्रभारी मंत्री गोविन्द सिंह राजपूत ने गोहद किला गेट के बाहर महाराजा भीमसिंह राणा की प्रतिमा का अनावरण किया। इस दौरान किसान कल्याण तथा कृषि विकास मंत्री कमल पटेल, नगरीय विकास एवं आवास राज्यमंत्री ओपीएस भदौरिया, नेता प्रतिपक्ष डॉ गोविन्द सिंह, सांसद श्रीमती संध्या राय, संत रविदास हस्तशिल्प एवं हथकरघा विकास निगम के अध्यक्ष श्री रणवीर सिंह जाटव, क्षेत्रीय विधायक मेवाराम जाटव, नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती मंजू माहौर, पूर्व जिलाध्यक्ष वीरेन्द्र सिंह राणा के अलावा पाषर्दगण, जनप्रतिनिधिगण एवं क्षेत्रीय आम नागरिक उपस्थित थे।

राजस्व एवं परिवहन तथा जिले के प्रभारी मंत्री गोविन्द सिंह राजपूत ने कहा कि महाराजा भीमसिंह राणा भारत में गोहद रियासत के सबसे शक्तिशाली शासक थे, सन् 1702 में पिता की मृत्यु पर महाराजा भीमसिंह राणा गोहद के राणा के रूप में सफल हुए तो उनके पास 4362 सैनिक थे उन्होंने प्रत्येक गढ़ी पर 100 सैनिकों को तैनात किया। उनके विश्वस्त सरदारों में से 125 मुख्य सामंत थे। पचेरा युद्व के बाद चंबल नदी के दक्षिण में कोई शक्तिशाली शासक नहीं बचा था जो महाराजा भीमसिंह राणा का मुकाबला कर सके। गोहद जाट शासन के तीन शक्तिशाली केन्द्रों में से एक विकसित हुआ। महाराज भीमसिंह राणा 1756 में चैत्रसुदी रामनवमी को युद्व के मैदान के बीच में बिना हथियार के राणा ने वीरता की बिलक्षणता का प्रदर्शन करते हुए घायल हो गये थे और उनकी मृत्यु हो गई थी।

किसान कल्याण तथा कृषि विकास मंत्री कमल पटेल ने कहा कि महापुरूष किसी जाति समुदाय के नहीं होते हैं। जो महापुरूष अपने लिए न करते हुए अवाम के लिए जीता है और कार्य करता है वो महापुरूष कहलाता है महापुरूष किसी भी जाति समुदाय में पैदा हो सकते हैं। भीमसिंह राणा ने जाट समाज को गौरवान्वित किया है। इस दौरान कृषि मंत्री श्री पटेल ने गोहद कृषि उपज मण्डी को मॉडल के रूप में विकसित करने हेतु 10 करोड रूपये की घोषणा की। उन्होंने कृषि उपज मण्डी गोहद का नाम भीमसिंह राणा कृषि उपज मण्डी के नाम की घोषणा की। इस दौरान उन्होंने कहा कि कृषि एक भव्य एवं मॉडल के रूप में बनाई जाएगी। जिसके लिए राशि शीघ्र उपलब्ध करा दी जाएगी। मण्डी के अन्दर ही एक किसान भवन भी बनाया जाएगा जिसका नाम भी भीमसिंह राणा रखा जाएगा। इसीप्रकार कृषि उपज मण्डी का एक बहुत बड़ा गेट बनाया जाएगा उस पर भी भीमसिंह राणा लिखा जाएगा। इसके साथ ही उन्होंने शासकीय अस्पताल एवं महाविद्यालय का नाम भी भीमसिंह राणा रखने की बात कही। उन्होंने कहा कि कृषि उपज मण्डी के लिए जितनी भी राशि की और आवश्यकता होगी वह पूरी की जाएगी। इस दौरान मध्यप्रदेश विधानसभा नेता प्रतिपक्ष डॉ गोविन्द सिंह, नगरीय विकास एवं आवास राज्यमंत्री ओपीएस भदौरिया, सांसद श्रीमती संध्या राय, हथकरघा विकास निगम के अध्यक्ष रणवीर सिंह जाटव, क्षेत्रीय विधायक मेवाराम जाटव, नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती मंजू माहौर, पूर्व जिलाध्यक्ष वीरेन्द्र सिंह राणा ने भी अपने विचार रखे। वरिष्ठ नेताओं के अलावा अधिकारीगण एवं आम जनता मौजूद रहे और जाट समाज के कई लोगों को सम्मानित भी किया गया।

सरकार रखे पुलिस कर्मियों के हितों का ध्यान

मुद्दे की बात

प्रदेश में कानून व सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने में अहम भूमिका निभाने वाले पुलिस कर्मियों को प्रतिमाह 15 लीटर पेट्रोल भत्ता देने पर राज्य सरकार सहमत नहीं है। दरअसल, राज्य सरकार की आर्थिक सेहत ऐसी नहीं है कि वह दो सौ करोड़ रुपये प्रति वर्ष का खर्च झेल सके। यही वजह है कि वित्त विभाग ने इस प्रस्ताव को मंजूरी देने से मना कर दिया है। गौरतलब है कि प्रदेश में लगभग एक लाख से अधिक पुलिस बल इस दायरे में आ सकता है।गौरतलब है कि पुष्पांजलि टुडे पत्रिका के प्रकाशन का प्रमुख ध्येय ही पुलिस कर्मियों के हितों के लिए आवाज उठाए । थानों में पदस्थ पुलिस कर्मियों को कानून व्यवस्था की ड्यूटी, अपराधों की विवेचना और लगातार भ्रमण के लिए वाहन की आवश्यकता होती है। वर्तमान में पुलिस कर्मी वाहन और पेट्रोल का खर्च स्वयं वहन करते हैं। गृह विभाग ने पुलिस थानों में पदस्थ आरक्षक से लेकर उप निरीक्षक स्तर के पुलिस कर्मियों की समस्या को देखते हुए 15 लीटर पेट्रोल भत्ता प्रतिमाह देने का प्रस्ताव तैयार किया था।

एड.रहीश भैया

बाइक, कार से अपराधियों को पकड़ने या पेट्रोलिंग के लिए सरकारी रिकार्ड में पुलिसकर्मी अब भी साइकिल के भरोसे हैं। 45 साल पहले आठ मार्च 1977 को 18 रुपये प्रतिमाह साइकिल भत्ता स्वीकृत किया गया था। निरीक्षक एवं उप निरीक्षक को 28 जून 1993 से प्रति माह 230 रुपये वाहन भत्ता दिया जा रहा है, लेकिन अब तक यह दोनों ही भत्ते यथावत हैं। इसी तरह आवास भत्ता महज 400 रुपये और वर्दी भत्ता 700 रुपये दिया जाता है।

44 साल से नहीं बढ़ा विशेष पुलिस भत्ता

अन्य भत्तों की बात करें तो पुलिस कर्मियों को राइफल भत्ता 30 रुपये प्रति माह दिया जाता है। निरीक्षक से आरक्षक तक विशेष पुलिस भत्ता 18 रुपये प्रति माह है, जो 22 सितंबर 1978 को स्वीकृत हुआ था और तब से अब तक 44 साल में यह बढ़ाया ही नहीं गया है। वर्दी धुलाई भत्ता 14 जुलाई 1994 से आरक्षक से हवालदार तक को 20 रुपये एवं एएसआइ से राजपत्रित अधिकारी तक 30 रुपये प्रति माह मिल रहा है। 6 दिसंबर 2003 को राजपत्रित अधिकारियों के लिए यह भत्ता 60 रुपये प्रति माह कर दिया गया, लेकिन अन्य वर्ग का वर्दी धुलाई भत्ता नहीं बढ़ाया गया है। राज्यपाल एवं मुख्यमंत्री की सुरक्षा में तैनात अंगरक्षकों को 29 जून 2011 से उनके मूल वेतन के 30 प्रतिशत के बराबर जोखित भत्ता दिया जाता है, लेकिन मंत्रियों की सुरक्षा में तैनात अंगरक्षकों को 12 नवंबर 1980 से

पुलिस कर्मियों को प्रतिमाह 15 लीटर पेट्रोल भत्ता देने पर वित्त विभाग ने लगाई रोक वित्त विभाग ने रोक लगाने के साथ दिया तर्क, बढ़ेगा सरकारी खजाने पर दो सौ करोड़ का बोझ

पुलिस कर्मियों का भत्ता एक नजर में

विशेष पुलिस भत्ता 18 रुपये
साइकिल भत्ता- 18 रुपये
रायफल भत्ता- 30 रुपये
आवास भत्ता- 400 रुपये
वर्दी भत्ता- 700 रुपये

मात्र 50 रुपये प्रति माह जोखिम भत्ता दिया जा रहा है। जो शांति व्यवस्था बनाये रखने में तीज त्यौहारों को छोड़ ,परिजनों से दूर रह कर कर्तव्य निर्वहन कम से कम 18 घंटे कर रहे हैं उनके लिए बजट नहीं और प्रशासन उम्मीद करता है कि पुलिस घटना स्थल पर तुरंत पहुंचे। नेता मंत्रियों की थोड़ी सी सुविधा कम कर पुलिस विभाग को राहत दी जा सकती है। कब सोचेंगे राज्य के मुखिया? चुनावी वर्ष में सी एम पुलिस कर्मियों के लिए काफी कुछ कर सकते हैं , बस आवश्यकता है दृढ़ इच्छाशक्ति की।

वायु प्रदूषण से सारी दुनियां में गंभीर बीमारियां का मनुष्य शिकार

सा इंस मैगजीन लसेंट की ताजा रिपोर्ट के मुताबिक मात्र 6 देशों ऑस्ट्रेलिया, फिनलैंड, एस्टोनिया, ग्रेनाडा, आइसलैंड, न्यूजीलैंड को छोड़कर सारी दुनिया की आबू हवा जीने लायक नहीं रही विश्व स्वास्थ्य संगठन ने इन 6 देशों को भाग्यशाली कहा है। भारत प्रदूषित देशों की सूची मे 8 वे नंबर पर है,और दिल्ली दुनियां के तीसरा सबसे प्रदूषित शहर हो गया है।भयंकर बीमारियों का एक मात्र कारण है शुद्ध जलवायु का अभाव और शुद्ध जल का अभाव जिससे की इंसानों की औसत आयु कम हो गई है।। गौर करने की बात यह है कि कोई दूसरे ग्रहों से आकर इस संसार को प्रदूषित नही कर रहा, अत्यधिक सुख के लालच में येसे उपकरण पैदा कर लिए हैं जिनके विषैले तरंगों से वायु मंडल तहस नहस हो रहा है पेट्रोल डीजल के धुवें से ऑक्सीजन की कमी महसूस हो रही है,भयंकर प्रदूषण के कारण ओजोन परत में छिद्र हो गया है जिसके कारण सूर्य की किरणे सीधे भू भाग पर गिर रही है ये जो तापमान में लगातार वृद्धि होना इसी का एक मात्र कारण है तापमान अधिक होने से ग्लेशियर पिघल रही है समुद्र का जल स्तर बड़ रहा है अभी हम लोग जागे नही तो वो दिन दूर नहीं जब सारा संसार जलमग्न हो जायेगा।इस संसार के लोगों ने ही फिजाओं का रंग खराब किया है। अब हमे जरूरत है कि विश्व स्वास्थ्य संगठन सोवियत संघ और जितने भी वैश्विक सामाजिक संगठन है वो सब एक होकर हमारी जो वैश्विक समस्या है वायु प्रदूषण उस पर गहन चिंतन मनन करना चाहिए एक ऐसा रास्ता निकालना चाहिए की इंसानों के साथ साथ जीव जंतु प्राणी मात्र को स्वच्छ जलवायु और शुद्ध जल मिल सके जिससे की गंभीर बीमारियों से राहत की सांस मिल सके,और औसत आयु बड़ जाए।

कमल कुमार गांगले
प्रदेश पर्वक्ता एवं जिलाध्यक्ष मानवाधिकार सुरक्षा संघ मध्यप्रदेश

साहित्य जगत का वातावरण बदलना साहित्य परिषद का काम : पराड़कर

ग्वालियर में परिषद की बैठक में हुई प्रान्त कार्यकारिणी की घोषणा, वार्षिक कार्यक्रमों की रूपरेखा पर सदस्यों को दिया प्रशिक्षण

● पुष्पांजली टुडे महेंद्र शर्मा उप संपादक

ग्वालियर में अखिल भारतीय साहित्य परिषद, मध्य भारत प्रान्त की बैठक परिषद के राष्ट्रीय संगठन महामंत्री श्रीधर पराड़कर काका के मुख्यातिथ्य में एक निजी होटल,क्षत्री मंडी, ग्वालियर में आयोजित की गई। जिसमें मध्यभारत प्रान्त के सभी जिलों से परिषद के जिला अध्यक्ष और अपेक्षित सदस्य उपस्थित रहे। साथ ही बैठक में परिषद के प्रदेश महामंत्री प्रवीण गुगनानी ,मध्य भारत प्रान्त के अध्यक्ष डॉ कुमार संजीव, महामंत्री आशुतोष शर्मा विशेष रूप से मौजूद रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्यातिथियों द्वारा माँ सरस्वती के चित्र पर दीप प्रज्जवलन एवं माल्यार्पण करके किया। सरस्वती वंदना कुमारी एकता गोस्वामी ने एवं परिषद गीत बाबू देवलाल घायल ने गाया।

प्रथम सत्र का संचालन महामंत्री आशुतोष शर्मा ने दूसरे सत्र का संचालन देवेंद्र तोमर ने एवं तीसरे सत्र का संचालन सुनील पांसे ने किया। जबकि आभार व्यक्त राष्ट्रीय हास्य कवि मुकेश शांडिल्य, हरदा ने किया। मुख्य अतिथि काका श्रीधर पराड़कर ने मौजूद सदस्यों को संबोधित करते हुए कहा कि ,आज के समय मे हमारे सामने सबसे बड़ी चुनौती यह है ,कि समाज मे अच्छा साहित्य कैसे पहुंचाया जाए। लोगों को, आज वे जिस साहित्य को पढ़ रहे हैं ,उससे कैसे दूर करके समाज के लिए लाभदायक और लोगो में राष्ट्र प्रेम को बढ़ाने वाले साहित्य को पढ़ने के लिए कैसे प्रेरित किया जाए? उन्होंने कहा कि, जब तक लोगों को प्रभावी साहित्य पढ़ने को नही मिलेगा तब तक वे उसके प्रति लगाव कैसे लगाएंगे? साहित्य परिषद का काम सिर्फ साहित्य के कार्यक्रम आयोजित करने नही है। बल्कि हमारा काम है कि हम इन कार्यक्रमों के माध्यम से समाज में अच्छे श्रोता, अच्छे पाठक तैयार करें। क्योंकि जब अच्छे पाठक मौजूद होंगे तो अच्छे साहित्य की मांग भी अपने आप बढ़ जाएगी। और जब पाठक ही अच्छा साहित्य पढ़ने लगेगा तो यकीन मानिए लोग भी अच्छा लिखना शुरू कर देंगे। कुल मिलाकर अच्छा साहित्य और अच्छे पाठक दोनों ही विगत 70 सालों से परोसे जा रहे दूषित साहित्य को हमारे समाज से दूर का सकते हैं। उन्होंने मौजूद सदस्यों को बताया कि वर्ष भर में हमारे तीन प्रमुख अयोजन होते हैं। जिन्हें हम साल भर में आयोजित करते हैं।जिनमे वर्ष प्रतिपदा, गुरु पूर्णिमा एवं शरद पूर्णिमा इनके अतिरिक्त भी हम साल भर में अनेक कार्यक्रमो का आयोजन करते हैं। काका जी ने आज के नए साहित्यकारों और कवियों और लेखकों को समझया की वे अपने लिखे गए साहित्य को अच्छे से अच्छा लिखने की बजाय उसके प्रचार करने की ज्यादा चिंता करते हैं । लेकिन आप पाठक के मन को समझ कर लिखें आखिर उसे किसमे आनंद आता है। तो आपको प्रचार की जरूरत ही नहीं पड़ेगी। उन्होंने तुलसीदास जी का उदाहरण देते हुए बताया कि ,उस समय प्रचार -प्रसार का कोई साधन नही था । उसके बाद भी श्री राम चरित मानस आज तक कि सबसे बेस्ट सेलर किताब बनी हुई है। कुल

मिलाकर आपके साहित्य में वो बात होनी चाहिए, कि पाठक एक पेज पढ़े तो दूसरे पेज को पढ़ने में उसकी रुचि और बढ़ जाये। और दूसरे पेज के बाद तीसरे चौथे पेज को पढ़े बिना रह न सके। कार्यक्रम को प्रदेश महामंत्री श्री प्रवीण गुगनानी ने भी संबोधित किया।उन्होंने आज परिषद की घोषित हुई कार्यकारिणी के सदस्यों को बताया की आप अपने काम के प्रति समर्पित भाव रखें, हम जो कर रहे हैं ये संगठन ने हमे जिम्मेदारी दी है और हमे अपनी जिम्मेदारी को निभाने के लिए समय देना चाहिए। उन्होंने आजकल की मीडिया के बारे के बारे में चिंता जाहिर करते हुए कहा ,कि लोग कुछ भी दिखा रहे हैं ,कुछ भी खबरें चला रहे हैं। इसलिए अब हमारी मेहमत और अधिक बढ़ जाती है कि हम अपने आस पास के बातावरण को सुधारें। लोगों तक अच्छे साहित्य को पहुंचाए। अच्छी अच्छी किताबें खुद भी पढ़ें और दूसरों को भी पड़ने को प्रेरित करें। हमारे कार्यक्रमो में सिर्फ हमारे सदस्य ही नही बल्कि आसपास के वुद्धिजीवी, साहित्यकार, कवियों एवं आम जनता के लोगों को भी जोड़ें। प्रान्त अध्यक्ष डॉ कुमार संजीव ने परिषद के वर्ष भर के कार्यक्रमों का वृत्त प्रस्तुत किया एवं उन्होंने सबसे कहा कि परिषद को और परिषद के कार्यों को समझने के लिए साहित्य परिषद का इतिहास एवं साहित्य का धर्म ये दो पुस्तकें सबको पढ़नी चाहिए। जिससे हमें पता चलेगा कि हमको करना क्या है । प्रान्त महामंत्री आशुतोष शर्मा ने परिषद के आगामी कार्यक्रमों की जानकारी दी। जिसमे आगामी 9 एवं 10 सितंबर को विदिशा में प्रांतीय अधिवेशन होना है। और उससे पहले प्रत्येक जिले में जिला सम्मेलन एवं केंद्र एवं प्रान्त से प्रवास के कार्यक्रम किये जाने हैं। एवं साहित्य संवर्धन यात्रा के यात्रा वृतांतों का शीघ्र संकलन किया जाकर उन्हें भिजवाने की बात कही।

इनको मिली नई जिम्मेदारी।

अखिल भारतीय साहित्य परिषद की मध्य भारत प्रान्त की कार्यकारिणी की घोषणा प्रान्त अध्यक्ष डॉ . कुमार संजीव और महामंत्री आशुतोष शर्मा ने राष्ट्रीय संगठन मंत्री श्रीधर पराड़कर प्रदेश महामंत्री प्रवीण गुगनानी की उपस्थिति में कार्यक्रम के अंत मे की। जिसमे प्रांतीय उपाध्यक्ष श्रीमति रमा सिंह गुना, श्रीमति ममता वाजपेयी भोपाल, सुनील पांसे भोपाल, एवं दिनेश याग्निक रायसेन को बनाया गया है। प्रान्त मंत्री की जिम्मेदारी ब्रह्मदत्त श्रीवास्तव दतिया,मुकेश शांडिल्य चिराग हरदा,श्रीमती सुनीता यादव भोपाल, श्रीमति करुणा सक्सेना ग्वालियर को दी गयी है। प्रान्त मीडिया प्रभारी का दायित्व जयपाल सिंह जाट, शिवपुरी, एवं सह मीडिया प्रभारी राकेश सिंह भोपाल एवं नवल वर्मा बैतूल को सौंपा गया है। संभागीय मीडिया प्रभारी ग्वालियर रामचरण चिड़ार रुचिर एवं अमित बिल्लोरे को नर्मदापुरम का संभागीय मीडिया प्रभारी बनाया गया है।इनके साथ ही प्रान्त युवा आयाम प्रभारी पुष्पक देशमुख बैतूल, इनके साथ सह प्रभारी पुरु शर्मा, भोपाल ध्रुव शर्मा, विदिशा,अंकित अग्रवाल ग्वालियर एवं विकाश शुक्ल प्रचण्ड शिवपुरी को दिया है। कार्यक्रम में विभिन्न जिलों से पधारे हुए कार्यकर्ता गण, पदाधिकारी गण, मध्यभारतीय हिन्दी साहित्य सभा ग्वालियर के अनेक पदाधिकारी गण एवं आमंत्रित अतिथि बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

केंद्रीय राज्यमंत्री ने एटा पहुंच नशा मुक्ति अभियान को लेकर दिलाया संकल्प

● पुष्पांजली टुडे ब्यूरो सोनू कुमार माथुर, एटा

भारत सरकार में आवासन एवं शहरी कार्य राज्यमंत्री कौशल किशोर बुधवार को एटा पहुंचे। जहां उन्होंने होटल एसजेडीइन में एक प्रेस वार्ता कर कहा कि हमें नशा मुक्त समाज बनाना है। इसलिए जो लोग नशा नहीं करते हैं उन्हें संकल्प लेना चाहिए कि वे भविष्य में भी कभी नशा नहीं करेंगे। आपको बता दें केंद्रीय राज्यमंत्री कौशल किशोर का एटा पहुंचने पर लायंस क्लब जॉन चेयर पर्सन अनुज प्रताप सिंह चौहान एवं लायंस क्लब के विभिन्न पदाधिकारियों द्वारा स्वागत किया गया और उन्हें राममंदिर का स्वरूप भेंट किया गया। इसके बाद केंद्रीय राज्यमंत्री ने पत्रकारों को संबोधित करते हुए एक प्रेस वार्ता की इस प्रेस वार्ता में उन्होंने कहा कि हमें भारत को नशा मुक्त बनाना है। इसके लिए प्रत्येक नशा न करने वाले व्यक्ति को संकल्प लेना होगा कि वह भविष्य में भी कभी नशा नहीं करेगा।

केंद्रीय राज्य मंत्री कौशल किशोर ने कहा कि उनका एकमात्र पुत्र जो कि नशे का शिकार होकर असमय काल कल्वित हो गया जिसके बाद वे टूट गए और उन्होंने संकल्प लिया कि वे भविष्य में ऐसा चाहते हैं, जिससे कोई भी व्यक्ति नशे की वजह से अपने जीवन को नुकसान ना पहुंचाएं और ना ही परिवार को और कोई नुकसान पहुंचे। इसके लिए उन्होंने एक संकल्प लिया है कि वे स्वयं लोगों के मध्य पहुंचेंगे और उन्हें संकल्प दिलाएंगे कि भी भविष्य में नशा ना करें और अपना और अपने परिवार का ख्याल रखें। इसी के मद्देनजर केंद्रीय राज्य मंत्री कौशल किशोर बुधवार को एटा पहुंचे। जहां उन्होंने होटल एसजेडीइन में एक

पत्रकार वार्ता को संबोधित किया। उसके बाद वे जिला कारागार पहुंचे जहां कैदियों को उन्होंने शपथ दिलाई कि अगर वे नशा नहीं करते हैं तो भविष्य में भी नशा नहीं करें जिससे कि उनका और उनके परिवार का भविष्य सुरक्षित रहे। वहीं जिला कारागार से केंद्रीय राज्यमंत्री सीधे राजकीय इंटर कॉलेज के प्रांगण में पहुंचे, जहां उन्होंने सामूहिक विवाह कार्यक्रम में विवाहित होने वाले जोड़ों को आशीर्वाद प्रदान किया। आपको बता दें इस दौरान नशा मुक्ति अभियान में सहयोग के लिए लायंस क्लब जॉन चेयर पर्सन अनुज प्रताप सिंह चौहान के साथ ही अन्य सदस्यों को भी प्रतीक चिन्ह देकर केंद्रीय मंत्री द्वारा सम्मानित किया गया। कार्यक्रम संजोयक प्रदीप रघुनंदन , भाजपा जिला अध्यक्ष संदीप जैन , अर्बन को ऑपरेटिव चेयरमैन गजेंद्र सिंह चौहान , देव सोलंकी , संजीव जादौन , आशीष कोहली डॉ अमन चौहान , नागेंद्र आदि लोग उपस्थित रहे ।

लायंस क्लब एटा और रोटरी क्लब एटा ने मिलकर मनाई होली

एटा। होली के अवसर पर शहर के निधौली रोड स्तिथ ग्रांडयार रिजॉर्ट में लायंस क्लब और रोटरी क्लब द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया गया होली का भव्य कार्यक्रम , जिसमे अभीर गुलाल के साथ साथ बाहर से आए कलाकारों ने खूब धमाल मचाया , मंच संचालन आगरा से आयी एंकर अनन्या सिंघानिया व अलीगढ़ के अरुण तिवारी ने किया , लोग नरेंद्र मोदी के मास्क पहन कर सेल्फी लेते दिखे , वहीं दूसरी ओर कार्यक्रम को पूरी तरह ईको फ्रेंडली रखा गया फूलों की होली व 360* सेल्फी बूथ रहे आकर्षण का केंद्र । वही एंकर द्वारा विभिन्न प्रकार के खेलों का आयोजन भी किया गया जिसमे जितने वालों को लायंस व रोटरी क्लब द्वारा पुरुस्कार दिए गए व रात्रि भोज रखा गया । कार्यक्रम में दोनों क्लब के सदस्यो के साथ साथ सैकड़ो प्रतिष्ठि लोग उपस्थित हुए और जमकर लुफ्त उठाया । वहीं ग्रांडईयर रिसॉर्ट के मालिक राजीव दास ने बताया के ऐसे कार्यक्रम त्योहार पर होते रहने चाहिए इससे आपसी सौहार्द , प्रेम बढ़ता है । वहीं आयोजक की भूमिका में लायंस क्लब से अनुज चौहान व रोटरी क्लब से नीरज गुप्ता रहे । इस मौके पर अमित श्रीवास्तव , आयुष मिश्रा , चिराग वार्ष्णेय , डॉ एन पी सिंह , आशीष कोहली , प्रीति अमोरिया , पूनम दीक्षित ,अंजली गहलौत, डॉ शेखर , डॉ अमन चौहान , एडवोकेट रोहित पुंढीर , चारणजीत सिंह , आकाश गुप्ता सहित दोनों क्लब के सैकड़ो सदस्य उपस्थित रहे ।

जनसेवा के लिए जीवन किया समर्पितः डॉ. पाठक

डॉ. आशुतोष पाठक जिनका जन्म गुजरात राज्य की संस्कारी नगरी बड़ौदा में माता मायादेवी और पिताजी डॉक्टर अरविंदराव पाठक के घर में हुआ था पिताजी व्यवसाय से वैद्य थे और माताजी बलवाड़ी की शिक्षिका थे उनकी बड़ी बहन निशा बहन पाठक की जो बड़ौदा में ही श्री रामदास भट्ट के बेटे श्री मकरंद जी से ब्याही है और अंग्रेजी माध्यम की शाला सेंट कबीर स्कूल में संस्कृत भाषा बच्चो को पढ़ते है। और आज के हमारे मिलने जैसे इंसान डॉ. आशुतोष पाठकजी की अगर बात करे तो उनकी प्रारंभिक शिक्षा उत्तर गुजरात के एक छोटे से गांव अड़िया में हुई। बाद में प्रार्थमिक से ले के माध्यमिक एवं उच्चतर माध्यमिक शिक्षा उत्तर गुजरात के शहर पाटन जो की प्राचीन काल में पूरे पश्चिम भारत की राजधानी रह चुकी है ऐसे ऐतिहासिक शहर में पढ़ाई हुई। कॉलेज एवं अनुस्नातक और पीएचडी तक की सभी शिक्षा पाटन से ही प्राप्त की। बृहन मुंबई राज्य होने की वजह से बहोत से महाराष्ट्रीयन कुटूब गुजरात में ही रहते थे उसी के तहत जन्म से महाराष्ट्रीयन ब्राह्मीण लेकिन कर्म से एवं दिल से पूरे गुजराती बन के प्राध्यापक के रूप में शिक्षा कार्य 2001 से कड़ी शहर से शुरू किया। तकरीबन बाइस साल से चल रही शिक्षण की सेवा में ढेरो अलग अलग महाशलाओ में खंड समय के या तो मुलाकाती प्राध्यापक के तौर पे काम करते रहे। लेकिन उनका मन तो पाटन की जिस कॉलेज में उन्होंने पढ़ाई की थी वही पे प्राध्यापक बन के ऐतिहासिक शहर की सेवा करने का जज्बा था। 2011 में पाटन के पास एक छोटा सा गांव है पलासर वहा पे श्रीमती पी. आर. पटेल आर्ट्स कॉलेज में अध्यापक सहायक की नौकरी पे महज 7500 की तनख्वाह में काम करना शुरू किया और 2014 में बड़े बुजर्गो के आशीर्वाद से और माता पिता के सत्कर्मों का फल पाठक साहब को मिला और सरकारी तौर पे उनका तबादला उन को अल्मा मातेर संस्था श्री एवं श्रीमती पी. के. कोटावाला आर्ट्स कॉलेज, पाटन में हो गया। अपने नौकरी के कार्य में उन्होंने कई शिक्षार्थियों को स्पर्धात्मक परीक्षाओं का मार्गदर्शन देते हुए तहसीलदार, पी इस आई, पटवारी शिक्षक जैसी नौकरियां दिलवाने में मशालची का काम किया है। उन के मार्गदर्शन में तीन छात्रों को पी एच डी की उपाधि प्राप्त हुई है।

पाटन को ऐतिहासिक धरोहर से प्रभावित हो के उन्होंने पाटन की सेवा करने का बीड़ा उठाया और इनको पाटन के ही नामी इतिहासकार एवं शिक्षाविद श्री.मुकुंदभाई ब्रह्मक्षत्रीय जी का मार्गदर्शन एवं आशीर्वाद मिले। और उन के साथ से *पाटन कल्चरल फोरम* की स्थापना की जिस के तहत पाटन के इतिहास को उजागर करने का एक सुबह प्रयत्न किया गया। एलिक्सर फाउंडेशन, अहमदबाद के साथ मिल के यूनेस्को का WHV प्रोग्राम जाने की *World Heritage Volunteer* कार्यक्रम की शुरुवात 6 साल पहले की जिस में देश विदेश से छात्र पाटन का इतिहास पढ़ने आते है और सामाजिक एवं सांस्कृतिक विरासत का आदान प्रदान करते है। ऐसे ही सेवाकीय काम करते करते पाटन के युवा चित्रकारों का एक समूह बनाया जो *कलावृंद* के नाम से पाटन में युवा चित्रकारों को बढ़ावा देता है। ऐसी ही सामाजिक सेवा के चलते उनको रोटरी क्लब ऑफ पाटन सिटी में आमंत्रित किया गया और पाटन के नामी डॉक्टर्स जैसे की डॉ. जे. जे. ठक्कर, डॉ. के. सी. पटेल, डॉ. बाबूभाई जी पटेल आर्थो. के मार्गदर्शन में प्रमुख के पद पे समाज सेवा का मौका कोरोना काल में मिला। इस दौरान श्री. मुकेश भाई देसाई, रिलायंस फाउंडेशन के जिल्हा अधिकारी की मदद से बिछड़े एवं जरूरतमंद परिवारों को खाने पीने का सामान एवं ग्रोसरी किट प्रदान को गई और पूरे शहर में होमियोपैथी की एंटी कोरोना गोलियां बांटने का बड़ा सा कार्यक्रम लिया गया।

इंसानों की मदद करते करते डॉ. पाठक एवं उनकी अर्धांगिनी सुश्री फाल्गुनी पाठक ने देखा कि इस लोकडाउन के कठिन दिनों में गांव में शहरों के बाजार में घूमने वाले कुत्तों को दुकानें एवं बाजार बंद होने को वजह से भुखे मरना पड़ रहा है तब उन की पत्नी को नजर एक अपाहिज कुत्ते पे पड़ी और उन की आंखों में से आंसू बह निकले की इन बेजुबान जान की ऐसी हालत है तब जा के इस पति पत्नी ने अपने ही बाल बूते पे शहर के कुत्तों को लोकदाउन को अवधि में खाना देने का शुरू किया और इन को पाटन के कई नामी समाज सेवक जैसे की सिद्धहेम सेवा ट्रस्ट, पाटन के प्रमुख श्री स्नेहलभाई पटेल का साथ मिला, महात्मा गांधी फाउंडेशन के श्री लालेश ठक्कर का साथ मिला और मां नो परिवार के मार्गदर्शक श्री के.सी. पटेल का साथ मिला और फिर कभी इस विस्तार का कोई कुत्ता उन दिनों भूखा नही सोया है और आज जब ये लिखा जा रहा है तब भी पाटन के तश्वक्क सब स्टेशन से ले के आनंद सरोवर विस्तार के बहोत से कुत्तों को दूध चावल, दूध रोटी, छांछ चावल मिलते ही रहते है। आज उनका बेटा कार्तिकेय पाठक भी इसी संस्कारों को ले के उनके साथ कंधे से कंधा मिला के सभी प्रकार की सेवा ओ में उन के साथ होता है बेटा भी कंप्यूटर की इंटीग्रेटेड पढ़ाई के साथ साथ छात्र संगठन एबीवीपी में शहर कि एवं जिले की जिम्मेदारियों का वहन कर रहा है और इसी सेवा के चलते पाटन में श्री. स्नेहलभाई पटेल ने रोटलिया हनुमानजी का मंदिर बनाया है की जहा पे हनुमान जी को सिर्फ रोटियों का भोग ही लगता है और वो रोटियां इन बेजुबान जानवर को दी जाती है।

कोरोना का डर इतना भारी था की कोई किसी को छूने से भी इतराता था और घर पे ही बंद हो के रहना पड़ता था तब लोगो को रोज के समाचार से भी मेहरूम होना पड़ता था । पढ़ाई और वांचन बंद सा ही हो गया था। इस दौरान पाठक साहब पाटन के 160 साल पूराने ग्रन्थालय *श्रीमंत फतेहसिंहराव गायकवाड सार्वजनिक पुस्तकालय* के मंत्री हुआ करते थे जो की आज उसी पुस्तकालय के उप प्रमुख है उन्होंने सोचा की सब को कैसे किताबे एवं रोज के अखबार घर घर भेजे जाए। तब ही उन के दिमाग में *वर्चुअल पुस्तकालय* का एक विचार आया। क्यू की डॉ. आशुतोष पाठक एक प्राध्यापक है और साथ में खुद ले वर्चुअल क्लासेस चलाते है और खुद को प्राइवेट यू ट्यूब चैनल *Dr.Pathak's Academy of Advanced Studies* चलाते है तो उन्होंने जो भी मुक्त माध्यमों से मुफ्त में अखबारों को पीडीएफ मिलते है, नवल कथाएं, लहनिया एवं स्पर्धात्मक इम्तेहान की किताबो को वर्चुअली देना शुरू किया तो आज इन के वर्चुअल पुस्तकालय में देश विदेश से अनेकों पाठक जुड़े हुए है। ऐसे ही काम करते करते पाठक साहब ने संगीत से भी नाता जोड़ा है और स्टेज शो एवं कराओके संगीत से जुड़ के गीत संगीत से भी लोगो की सेवा करते है। ऐसी ही इन की प्रतिभा का लाभ सभी छात्रों, जन सामान्य को, और पूरे भारत वर्ष को मिले ऐसे अवसर का निर्माण हो ये ज़रूरी है।

अर्पित गुप्ता बने श्रमजीवी पत्रकार संघ में सँयुक्त सचिव

● पुष्पांजली टुडे ब्यूरो भिण्ड

श्रमजीवी पत्रकार संघ के प्रदेश अध्यक्ष सुलभ भदौरिया के निर्देश पर भिण्ड जिला अध्यक्ष राकेश शर्मा की अनुशंसा पर मध्यप्रदेश श्रमजीवी पत्रकार संघ जिला भिण्ड की कार्यकारिणी घोषित की गई।जिसमें पत्रकार अर्पित गुप्ता जी की सक्रियता को देखते हुए उन्हें संगठन में सँयुक्त सचिब भिण्ड नियुक्त किया गया है।यहां बता दें कि अर्पित गुप्ता ने बहुत ही कम समय मे पत्रकारिता व समाजसेवा के क्षेत्र में अपनी एक अलग ही पहचान बनाई है।जिसके चलते उन्हें लगातार पदोन्नती व नए संस्थानों में जगह मिलती रही है।यहां बता दें कि वर्तमान में अर्पित गुप्ता जी द हिन्द टुडे न्यूज के एडिटर है साथ ही पुष्पांजली टुडे(दैनिक समाचार पत्र,ऑनलाइन न्यूज़ चैनल,वेब पोर्टल,मासिक पत्रिका)में लगातार 6 वर्ष से अपनी सेवाएं दे रहे हैं।इसी के साथ वह 4 वर्ष से स्वराज एक्सप्रेस चैनल में भी अपनी सेबायें दे रहे हैं।वहीं वह एमपी लाइव,भारतीय न्यूज आदि संस्थानो में भी अपनी सेवाएं दे रहे हैं।यहां बता दें कि अर्पित गुप्ता जी ने वर्ष 2014 में मीडिया जगत में कदम रखा था।जिस दौरान वह भास्कर न्यूज,दैनिक उदगार,दैनिक इंडिया आज कल,चम्बल की तस्वीर,प्रजातन्त्र का स्तम्भ आदि कई संस्थानो में अपनी सेवाएं दे चुके हैं।पत्रकारिता व लेखन के क्षेत्र में उनके कार्य को देखते हुए उन्हें भारत के कई राज्यो में सम्मानित भी किया जा चुका है।श्रमजीवी पत्रकार संघ में उन्हें बतौर संयुक्त सचिव की जिम्मेदारी मिलने पर उन्होंने वरिष्ठ नेतृत्व,शुभचिंतको व मित्रो का आभार व्यक्त किया है।उन्होंने कहा कि संगठन ने भरोसा जताते हुए उन्हें इतनी बड़ी जिम्मेदारी सौंपी है जिसे वह बखूबी निभाएंगे और जल्द ही श्रमजीवी पत्रकार संघ की कार्यकारिणी का गठन करेंगे जिससे संगठन को मजबूती मिल सके।इस दौरान उन्हें बधाई देने वालो में

संगठन के लिए सदैव रहूंगा तत्पर: अर्पित गुप्ता

महिमा एक्सप्रेस सम्पादक अभिषेक शिवहरे,नवनीत एक्सप्रेस सम्पादक महेंद्र तिवारी,संसद मत सम्पादक हेमन्त गुप्ता,वीनस टुडे सम्पादक वरुण गुप्ता,ग्वालियर की शान सम्पादक मृगनेंद्र सिंह,संघर्ष न्यूज़ सम्पादक राजेन्द्र झा,सन्दीप शुक्ला,भिंड रमाशंकर शर्मा,हेमन्त शर्मा आज तक,नवीन शर्मा,गुणाकेश पाराशर,परिनिधेश भारद्वाज,एन के भटेले,अनिल चौधरी,प्रदीप चौधरी,गिर्राज बौहरे,शुभम जैन,विपिन भारद्वाज,आशुतोष राजौरिया,मनीष ऋषिवर,असवार रविकांत त्यागी,गोहद देवेंद्र जैन,ऊमरी राघवेंद्र जी,मिहोना नीरज शर्मा,पंकज शर्मा,पवन शुक्ला,दबोह मोहित गोस्वामी,दिलीप नायक,रविन्द्र शर्मा,कुंजबिहारी कौरव,हरिश्चंद्र पाण्डेय,पंकज शर्मा,राजाभैया पाल,सुधांशु मुदगल,बीपी बौद्ध,अजय त्रिपाठी,चिराग गुप्ता,आलमपुर उत्तम त्रिपाठी,उदयराज चौहान,मयंक त्रिपाठी,रोबिन अग्रवाल,अजीज पठान,लहार राजू त्रिपाठी,मोनू उपाध्याय,नितिन त्रिपाठी,बिबेक दुबे,विवेक पांडेय,राजू मुडोतिया,संजीव चौधरी,उत्तम चौधरी,देवानंद नायक,रावतपुरा महेन्द्र त्रिपाठी,सेंवढ़ा रहीम मलिक,मुरैना पुष्पेंद्र तोमर,अम्बाह केशव पण्डित जी,इंदरगढ़ सुनील खरे,समथर यशपाल सिंह,करैरा संजय गुप्ता बिलैया,शिवपुरी मयंक खत्री,रामस्वरूप रजक,सुनील रजक,गुना चन्द्रप्रकाश मांझी आदि पत्रकारो के साथ साथ कई राजनैतिक दल के नेता एवम अर्पित गुप्ता मित्र मंडल शामिल है।।

बच्चों को बताएं, क्यों जरूरी हैं पौधे

● पुष्पांजली टुडे ब्यूरो केशव प्रसाद शर्मा, अंबाह

अंबाह। प्रदूषण देश ही नहीं दुनिया के लिए समस्या है। आज हम इस समस्या से परेशान हैं। ऐसे में आने वाली पीढ़ी को हम क्या देंगे? अभी सांस लेना दूभर हो रहा है तो आगे क्या होगा? कैसे हम अपने बच्चों के लिए उनका कल हरा भरा बना सकते हैं। पर्यावरण बचाने के लिए छोटी-छोटी एक्टिविटीज कारगर हो सकती हैं, लेकिन वो पर्याप्त नहीं। पेड़ लगाओ पर्यावरण बचाओ का नारा ही पर्यावरण को नहीं बचा सकता। शिक्षा के स्तर पर शुरुआत करनी होगी। बच्चों को पर्यावरण विज्ञान पढ़ाना होगा। बच्चों को पता होना चाहिए कि पेड़-पौधे क्यों जरूरी हैं। कौन सा पौधा पर्यावरण में क्या भूमिका निभाता है। बादल कैसे बनते हैं, यह सब समझाना होगा। बच्चों के साथ बड़ों को भी पर्यावरण का महत्व समझना होगा। ज्यादातर लोग पर्यावरण मसलन, पानी, हवा, मिट्टी को शुद्ध रखना सरकार की जिम्मेदारी समझते हैं। उन्हें लगता है इसके लिए सरकार को

पॉलिसी बनानी चाहिए। कुछ चीजें सरकार के दायरे में आती हैं लेकिन बहुत सारी जिम्मेदारी व्यक्तिगत होती हैं। समुदाय को पहल करनी होगी कि वो पर्यावरण की सुरक्षा करे। पानी कम बर्बाद करें, पौधे लगाएं, कूड़ा न फैलाएं। सरकार के पास अच्छी योजनाएं हैं। लेकिन उन्हें लागू करने के साथ उनकी मॉनिटरिंग बेहतर करनी होगी।

पौधों की देखभाल करें: सभी को अपने स्तर पर पर्यावरण बचाने पर योगदान देना चाहिए। आसपास लगे पेड़ों को जीवित रखें। उनकी देखभाल करें। जहां जरूरी हो वहां पौधे लगाएं। कौन सा पेड़ कहां लगना चाहिए इस पर भी ध्यान देना होगा। गर्मियों की छुट्टियों में परी गुप्ता, याना जैन पेड़ पौधों का रखरखाव और सुरक्षा करने का प्रण ले रहे हैं और बच्चो को प्रेरित कर रहे है।

राम नवमी
की
हार्दिक शुभकामनाएं

राम यादव अध्यक्ष
भाजपा युवा मोर्चा मंडल मौ, भिण्ड

राम नवमी
की
हार्दिक शुभकामनाएं

पुरुषोत्तम बनोरिया
गोहद विधानसभा भाजपा नेता

राम नवमी
की
हार्दिक शुभकामनाएं

नरेंद्र कंप्यूटर
देवेंद्रनगर जिला पन्ना मध्य प्रदेश

राम नवमी
की
हार्दिक शुभकामनाएं

श्रीमती अनीता धर्मेंद्र सिंह
सामाजिक कार्यकर्ता

राम नवमी
की
हार्दिक शुभकामनाएं

बृजभूषण सिंह कुशवाह
एलआईसी अभिकर्ता, एम डी आर टी अमेरिका
सी एम क्लब मेम्बर 9826171508

राम नवमी
की
हार्दिक शुभकामनाएं

हेमचंद नागेश रिपोर्टर गरियाबंद छत्तीसगढ़
खबरों एवं विज्ञापन के लिए संपर्क करें 6266989611

राम नवमी
की
हार्दिक शुभकामनाएं

किरन राठौर (ब्यूरो चीफ औरैया)
खबरों एवं विज्ञापन के लिए संपर्क करें 7007682405

राम नवमी
की
हार्दिक शुभकामनाएं

रूप सिंह (ब्यूरो चीफ कानपुर मंडल)
खबरों एवं विज्ञापन के लिए संपर्क करें 9793482931

आज की कहानी

पिता का प्यार और बेटे का प्यार

रामस्वरूप रजक
पुष्पांजली टुडे शिवपुरी

पिताजी एक माह से बीमार थे। उनके व माँ के कई बार फोन आ चुके थे , किन्तु मैं गाँव नहीं जा पाया। सच कहूँ तो मैं छुट्टियाँ बचने के मूड में था। उमा का सुझाव था - बुखार ही तो है, कोई गम्भीर बात तो है नहीं। दो माह बाद दीपावली है , तब जाना ही है। अब जाकर क्या करोगे। सब जानते हैं कि हम सौ किलोमीटर दूर रहते हैं। बार बार किराया खर्च करने में कौन सी समझदारी है। एक दिन माँ का फिर फोन आया। माँ गुस्से में थी - तेरे पिताजी बीमार हैं और तुझे आने तक की फुर्सत नहीं। वह बहुत नाराज हैं तुझसे। कह रहे थे कि अब तुझसे कभी बात नहीं करेंगे।उसी दिन ड्यूटी जाते समय मुझे ऑटो रिक्शा ने टक्कर मार दी। मेरे बायें पैर पर प्लास्टर चढ़ाना पड़ा। उमा ने माँ को फोन कर दिया था। दो घंटे में ही पिताजी हॉस्पीटल में आ पहुँचे। वह बीमारी की वजह से बहुत कमजोर किन्तु दृढ थे। मुझे सांत्वना देते हुए बोले - किसी तरह की चिंता मत करना। थोड़े दिनों की परेशानी है। तू जल्दी ही ठीक हो जायेगा। उन्होंने मुझे दस हजार रुपये थमाते हुए कहा - खले , काम आयेंगे। मैं क्या बोलता। मुझे स्वयं के व्यवहार पर शर्म आ रही थी। जीवन के झंझावात में पिताजी किसी विशाल चट्टान की तरह मेरे साथ खड़े थे। समझदार को इशारा काफी?

संगठन

डॉ.बेतालसिंह गौड़
रिपोर्टर मौ पुष्पांजली टुडे

एक आदमी था, जो हमेशा अपने *संगठन* में सक्रिय रहता था, उसको सभी जानते थे बड़ा मान सम्मान मिलता था; अचानक किसी कारण वश वह निष्क्रिय रहने लगा , मिलना-जुलना बंद कर दिया और संगठन से दूर हो गया। कुछ सप्ताह पश्चात् एक बहुत ही ठंडी रात में उस संगठन के मुखिया ने उससे मिलने का फैसला किया । मुखिया उस आदमी के घर गया और पाया कि आदमी घर पर अकेला ही था। एक बोरसी में अलाव (जलती हुई लकड़ियों की लौ) के सामने बैठा आराम से आग ताप रहा था। उस आदमी ने आगंतुक मुखिया का बड़ी खामोशी से स्वागत किया। दोनों चुपचाप बैठे रहे। केवल आग की लपटों को ऊपर तक उठते हुए ही देखते रहे। कुछ देर के बाद मुखिया ने बिना कुछ बोले, उन अंगारों में से एक लकड़ी जिसमें लौ उठ रही थी (जल रही थी) उसे उठाकर किनारे पर रख दिया। और फिर से शांत बैठ गया।

मेजबान हर चीज़ पर ध्यान दे रहा था। लंबे समय से अकेला होने के कारण मन ही मन आनंदित भी हो रहा था कि वह आज अपने संगठन के मुखिया के साथ है। लेकिन उसने देखा कि अलग की हुई लकड़ी की आग की लौ धीरे धीरे कम हो रही है। कुछ देर में आग बिल्कुल बुझ गई। उसमें कोई ताप नहीं बचा। उस लकड़ी से आग की चमक जल्द ही बाहर निकल गई। कुछ समय पूर्व जो उस लकड़ी में *उज्ज्वल प्रकाश था और आग की तपन* थी वह अब एक काले और मृत टुकड़े से ज्यादा कुछ शेष न था। इस बीच.. दोनों मित्रों ने एक दूसरे का बहुत ही संक्षिप्त अभिवादन किया, कम से कम शब्द बोले। जाने से पहले मुखिया ने *अलग की हुई बेकार लकड़ी को उठाया और फिर से आग के बीच में रख दिया। वह लकड़ी फिर से सुलग कर लौ बनकर जलने लगी और चारों ओर रोशनी तथा ताप बिखेरने लगी। जब आदमी मुखिया को छोड़ने के लिए दरवाजे तक पहुंचा तो उसने मुखिया से कहा मेरे घर आकर मुलाकात करने के लिए आपका बहुत बहुत धन्यवाद ।आज आपने बिना कुछ बात किए ही एक सुंदर पाठ पढ़ाया है कि अकेले व्यक्ति का कोई अस्तित्व नहीं होता, संगठन का साथ मिलने पर ही वह चमकता है और रोशनी बिखेरता है ; संगठन से अलग होते ही वह लकड़ी की भाँति बुझ जाता है।

निष्कर्ष

मित्रों संगठन से ही हमारी पहचान बनती है, इसलिए संगठन हमारे लिए सर्वोपरि होना चाहिए । संगठन के प्रति हमारी निष्ठा और समर्पण होना चाहिए।

*संगठन किसी भी प्रकार का हो सकता है-धार्मिक, पारिवारिक , सामाजिक, व्यापारिक, शैक्षणिक, औधोगिक, सांस्कृतिक, राजनैतिक, सेवा संस्थान आदि। संगठनों के बिना मानव जीवन अधूरा है। अतः हर क्षेत्र में जहाँ भी रहें संगठित रहें ! हमारा संगठन बहुत ही महत्त्वपूर्ण है।

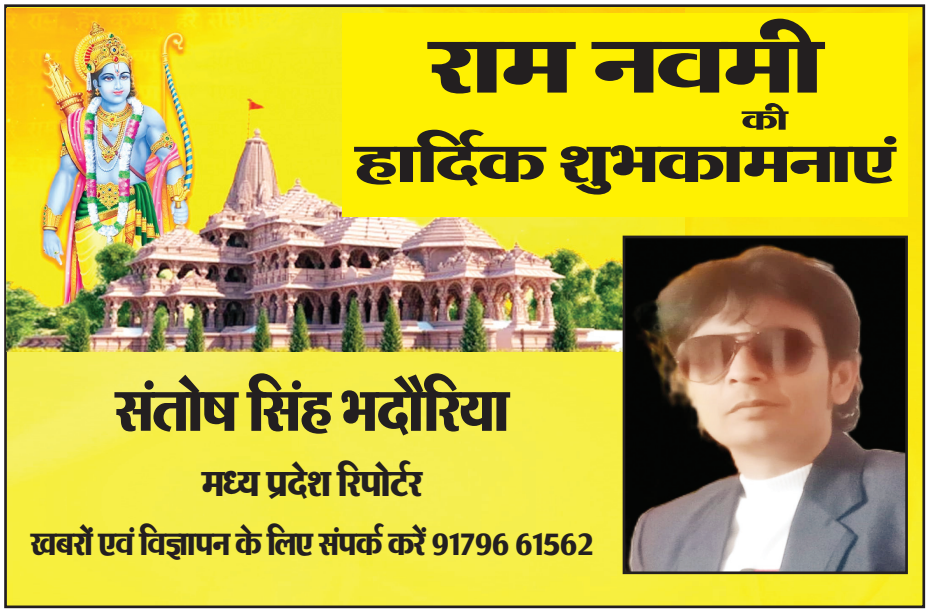

04 चार वर्षों से वेतन विसंगति दूर करने के लिए संघर्ष कर रहे छत्तीसगढ़ सहायक शिक्षक

● पुष्पांजली टुडे हेमचंद्र नागेश

गरियाबंद। छत्तीसगढ़ सहायक शिक्षक/समग्र शिक्षक फेडरेशन के प्रांतीय आव्हान पर गरियाबंद जिले में वेतन विसंगति न्याय पदयात्रा क्रमिक आंदोलन का 24 मार्च को एक दिवसीय धरना प्रदर्शन आयोजित किया गया।जिसमें जिले के गरियाबंद, मैनपुर,छूरा,फिंगेश्वर,एवं देवभोग विकासखंड के सहायक शिक्षकों ने बढ़चढ़कर हिस्सा लिया।और सरकार के वादा खिलाफी से नाराज होकर खूब नारेबाजी की।सहायक शिक्षकों ने बताया कि वे पिछले चार सालों से वेतन विसंगति दूर करने के लिए संघर्ष कर रहे हैं।जिसके लिए सरकार ने तीन महीने में रिपोर्ट सौपने वाली कमेटी भी बनाई लेकिन वेतन विसंगति को दूर नही किया जा सका है। तथा वर्तमान बजट में भी प्रदेशभर के 109000 सहायक शिक्षकों को कुछ नही मिला।जिसके कारण सहायक शिक्षकों में भारी आक्रोश देखने को मिल रहा है। जिसका खामियाजा आने वाले समय में सरकार को भुगतना पड़ सकता है।धरना प्रदर्शन में सहायक शिक्षकों ने सरकार के खिलाफ हुंकार भरते हुए खूब नारेबाजी करते हुए कहा कि÷वेतन विसंगति दूर नही,अगली पारी मंजूर नही।इस मौके पर आंदोलन सभा के मुखअतिथि के रूप में प्रदेश अध्यक्ष मनीष मिश्रा एवं जिलाध्यक्ष कुमेंद्र कश्यप के नेतृत्व में गांधी मैदान से रैली निकालकर जिला कलेक्ट्रेट गरियाबंद में पहुँचकर मुख्यमंत्री जी के नाम ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन में प्रथम नियुक्ति तिथि से सेवा गणना कर वेतन विसंगति दूर करने की एक सूत्रीय मांग प्रमुख है।

मुख्यमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन

विपक्ष की आवाज शांत करना चाहती है भाजपा : राजपूत

● पुष्पांजली टुडे हेमचंद्र नागेश

प्रदेश प्रतिनिधि श्री तपेश्वर राजपूत जी ने कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी की लोकसभा सदस्यता निरस्त करने की निंदा की है। उन्होने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के राज में लागू अघोषित आपातकाल की संज्ञा देते इसे लोकतंत्र का गला घोंटने वाली कारवाई करार दिया है। राजपूत ने मीडिया को जारी बयान में कहा है कि श्री राहुल गांधी की सदस्यता खारिज कर भाजपा ने अपना असली चेहरा दिखा दिया है। भारत जोड़ो यात्रा के समय जनता का जैसा प्रतिसाद श्री गांधी को मिला है, उससे भयभीत होकर यह कदम उठाया गया है। भाजपा व आरएसएस की विखंडनकारी नीतियों को जनता के सामने श्री गांधी लगातार उजागर करते रहे हैं। उन्हें कन्याकुमारी से कश्मीर तक जनता ने जिस प्रकार से सराहा, उससे भाजपा घबरा गई है। इस घबराहट का परिणाम श्री राहुल गांधी की सदस्यता समाप्त करना है।

राहुल गांधी के साथ खड़ी है भारत की जनता, अदाणी मामले से ध्यान भटकाना चाहती है भाजपा

लायंस क्लब एटा द्वारा 35 क्षय रोगियों को लिया गया गोद

● पुष्पांजली टुडे ब्यूरो सोनू कुमार माथुर, एटा

लायंस क्लब द्वारा शहर के निधौली रोड स्तिथ महारानी पैलेस में आज 35 क्षय रोगियों को गोद लिया गया , व पोष्टिक सामग्री वितरित की गई जिसमें सत्तू , दाल, मुगफली के दाने , दलिया , चना , गुड, ग्लूकोज बिस्कुट , फ्रूट जूस आदि वितरित किया गया । इस मौके पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी एटा डॉ उमेश कुमार त्रिपाठी द्वारा क्षय रोग का इलाज पूरी तरह संभव है वस रोगी को अपनी दावा और आहार का पूरी तरह ध्यान रखना है , वहीं जिला क्षय रोग अधिकारी राजेश शर्मा ने सरकार द्वारा क्षय रोग से संबंधित चलाई जा रही विभिन्न सरकारी योजनाओं के बारे में जानकारी वहीं लायंस क्लब की प्रशंशा करी । लायंस क्लब जोन चेयरपर्सन अनुज चौहान ने बताया कि क्लब हमेशा ही जरूरत मंद लोगों की मदद के लिए तत्पर रहता है , वहीं आज गोद लिए गए सभी बच्चों को हर माह पोषण आहार उनके द्वारा उपलब्ध किया जाएगा वहीं अगर क्षय रोग से संबंधित कभी कोई परेशानी रोगियों को आती है तो क्लब हमेशा के सभी सदस्य हमेशा साथ खड़ा है , क्लब द्वारा कुछ माह पूर्व भी 25 रोगियों को गोद लिया गया था जो अभी ठीक हो चुके हैं । अनुज चौहान ने कहा कि प्रधान मंत्री जी ने 2025 में देश को क्षय रोग मुक्त बनाने का लक्ष्य रखा है और इसी मुहिम पर लायंस क्लब द्वारा आज ये कार्यक्रम आयोजित किया गया इस मौके पर क्लब अध्यक्ष स्वागत पचौरी , सचिव आदर्श मिश्रा , डॉ अमन चौहान , देव सोलंकी , संजीव जादौन , देवेश पाल सिंह , हिमांशु वर्मा वूमेन क्लब से डॉ रूपा जैन , बबिता कुलश्रेष्ठ, अंजली गहलौत, प्रतिभा यादव, सीमा वार्ष्णेय, गुंजन मिश्रा , प्रीति अमोरिया , पूनम दीक्षित आदि सदस्य मौजूद रहे , वहीं क्षय रोग विभाग से अरविंद चौहान , आशीष रहे।

महाराजपुरा औद्योगिक क्षेत्र की समस्याओं का होगा निराकरण

उद्योगों की स्थानीय समस्याओं के निराकरण के लिए MPCCI ने महाराजपुरा औद्योगिक क्षेत्र में किया पड़ाव

● पुष्पांजली टुडे ब्यूरो, ग्वालियर

ग्वालियर में स्थापित एवं संचालित औद्योगिक क्षेत्रों की स्थानीय समस्याओं के निराकरण के लिए म. प्र. चेम्बर ऑफ कॉमर्स एण्ड इण्डस्ट्री द्वारा उद्योगपतियों के द्वार पर जाकर, उनकी समस्याओं के निराकरण का जो अभियान प्रारंभ किया है । इसी अभियान के तहत प्रत्येक माह के दूसरे व चौथे शनिवार को ग्वालियर में स्थापित औद्योगिक क्षेत्रों की स्थानीय समस्याओं का निराकरण नगर-निगम, एमपीईबी एवं पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों के सहयोग से कराया जा रहा है । इस श्रृंखला के अन्तर्गत आज महाराजपुरा औद्योगिक क्षेत्र में 'समस्या व समाधान' बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में अध्यक्ष-डॉ. प्रवीण अग्रवाल, उपाध्यक्ष-डॉ. राकेश अग्रवाल, मानसेवी सचिव-दीपक अग्रवाल, मानसेवी संयुक्त सचिव-पवन कुमार अग्रवाल, कोषाध्यक्ष-संदीपनारायण अग्रवाल सहित महाराजपुरा औद्योगिक क्षेत्र के अध्यक्ष-श्री संजय कपूर, संयुक्त अध्यक्ष-विक्रम सिंह, उपाध्यक्ष-विजय जैन, सचिव-श्री सुशील सुराना, संयुक्त सचिव-श्री मुकेश अग्रवाल, कोषाध्यक्ष-श्री संजीव मल्होत्रा, उद्यमी-श्री प्रकाश रोहिरा, श्री राजेन्द्र मल्होत्रा, श्री मुकेश अग्रवाल, श्री नागर साहब, श्री हरीश नागपाल सहित एडीशनल एस. पी.-श्री राजेश दण्डोतिया, उपायुक्त, नगर-निगम, श्री ए.पी.एस. भदौरिया, डीजीएम, एमपीईबी-श्री राहुल साहू, ए. ई.-श्री राहुल चौधरी, जेडओ, नगर-निगम, श्री उप्पल भदौरिया सहित महाराजपुरा औद्योगिक क्षेत्र में स्थापित इकाईयों के उद्योगपति काफी संख्या में उपस्थित थे ।

बैठक में एडीशनल एस. पी.-राजेश दण्डोतिया, उपायुक्त, नगर-निगम, ए.पी.एस. भदौरिया एवं डीजीएम, एमपीईबी-राहुल साहू हुए शामिल

बैठक की अध्यक्षता कर रहे, MPCCI अध्यक्ष-डॉ. प्रवीण अग्रवाल ने कहा कि चेम्बर ऑफ कॉमर्स की नवीन टीम ने उद्योगों की स्थानीय समस्याओं मुख्यतः नगर निगम व विद्युत सहित सुरक्षा से संबंधित समस्याओं पर फोकस करते हुए संबंधित विभाग के अधिकारियों के साथ औद्योगिक क्षेत्र में ही बैठक/पड़ाव आयोजित करने का निर्णय लिया गया है । इसी के तहत आज की बैठक महाराजपुरा औद्योगिक क्षेत्र में आयोजित की गई है। आज आपके द्वारा जो भी समस्याएँ बताई जाएँगी, उनका निराकरण आगामी बैठक तक हो जाए यह सुनिश्?चित किया जाएगा । आपने कहाकि मुख्यतः औद्योगिक क्षेत्रों की समस्याएँ पुलिस प्रशासन, नगर-निगम एवं विद्युत मण्डल से संबंधित होती है और इन्हीं पर फोकस करते हुए हमारे द्वारा इन तीनों विभागों के अधिकारियों को यहाँ आमंत्रित किया गया था और वह यहाँ पधारें । इस हेतु मैं धन्यवाद व्यक्त करता हूँ । आपने कहाकि अगर हमें अपने प्रदेश को देश के प्रथम राज्य में लाना है, तो हमें उद्योगों को संरक्षण देना होगा । उद्योगपतियों को पूरी सुरक्षा मिले और वह सुरक्षित रहें । विद्युत का प्रवाह बगैर किसी अवरोध के 24 घंटे निरन्तर बना रहे और नगर-निगम, औद्योगिक क्षेत्र में पेयजल प्रदाय सहित साफ-सफाई की उचित व्यवस्था करें । इन बिन्दुओं पर आज हम चर्चा करेंगे और अगली बैठक जब आयोजित होगी, तब तक अवश्य ही आज जो बिन्दु प्रस्तुत किए गए, उन पर कार्य पूर्ण हो चुका होगा, ऐसा मुझे विश्वास है ।

एसआरएस इंटरनेशनल स्कूल में आयोजित हुई साइंस एंड आर्ट एग्जिबिशन

● पुष्पांजली टुडे ब्यूरो,सोनू कुमार माथुर, एटा

एटा शहर के पीपल अड्डे स्तिथ एस आर एस इंटरनेशनल स्कूल में बच्चों द्वारा लगाई गई आर्ट एंड साइंस प्रदर्शनी , जिसका उद्घाटन मुख्य अथिति रहे ए.डी.एम वित्त एव राजस्व आयुष चौधरी ने किया , बच्चों द्वारा बनाए गए प्रोजेक्ट्स के विषय में अतिथियों द्वारा पूछे गए सवाल के बखूबी जवाब दिए गए , वशिष्ठ अथिति रहे एसडीएम एटा सदर शिव कुमार ने कहा ये ऐसे कार्यक्रम समय समय पर करवाए जाने चाहिए इससे बच्चों का बौद्धिक विकास होता है व आगे चल के यही बच्चे नए नए अविष्कार करते हैं , बच्चों द्वारा बनाए गए कृषि संबंधित ड्रिप इरिगेशन मॉडल , एफोरेस्टेशन , रैन वाटर हार्वेस्ट सिस्टम की सभी ने सराहना करी । इस मौके पर लायंस क्लब जोन चेयरपर्सन अनुज चौहान , स्कूल प्रिंसिपल श्रृष्टि वशिष्ठ , स्कूल चेयरमैन आयुष वर्मा , देवेश पाल सिंह आदि लोग उपस्थित रहे ।

प्रेस मीडिया पत्रकार कल्याण संघ के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष डॉ मुन्ना लाल देवदास मनोनीत

● पुष्पांजली टुडे हेमचंद्र नागेश, भोपाल

प्रेस मीडिया पत्रकार कल्याण संघ का पाँचवा स्थापना दिवस महा पंचायत भोपाल के पालिटेक्निक कालेज के सामने मानस भवन में आयोजित किया गया। जिसमें देश के 12 राज्यों एवं मध्य प्रदेश के 52 जिलों के वरिष्ठ पत्रकारों ने भाग लिया। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ राज्य के बहुमुखी प्रतिभा के धनी राष्ट्रपति पुरस्कृत सेवा निवृत्त प्रधानाध्यापक साहित्यकार,गीतकार,वर्ल्ड रिकार्ड होल्डर, समाजसेवी डॉ मुन्ना लाल देवदास को प्रेस मीडिया पत्रकार कल्याण संघ के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष के लिए मनोनीत किया गया और पत्रकार कल्याण संघ के ऊर्जावान युवा राष्ट्रीय अध्यक्ष रविन्द्र सिंह पवैया एवं पदाधिकारियों द्वारा डॉ देवदास का गर्मजोशी के साथ स्वागत सम्मान किया गया। पत्रकार कल्याण संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष रविन्द्र सिंह पवैया ने लोकतांत्रिक व्यवस्था के चतुर्थ आधार स्तंभ पत्रकार के हितों और सुरक्षा संबंधी संघ की विभिन्न माँगों की जानकारी दी, साथ ही सरकार से इसे संवैधानिक स्तर पर सभी राज्यों में लागू करने की बात कही। इसी प्रकार पत्रकार महा पंचयत में आमंत्रित अतिथियों ने छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा पत्रकारों के हितों और सुरक्षा संबंधी लिए

गए निर्णय को ऐतिहासिक और अनुकरणीय कहा। समारोह के अंत में डॉ देवदास ने अपनी अनमोल कृति - अंतर्राष्ट्रीय संत महर्षि महेश योगी जन्मभूमि पाण्डुका मंच पर उपस्थित अतिथियों को सप्रेम भेंट की और प्रेस मीडिया पत्रकार कल्याण संघ के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष मनोनीत करने पर सबका हृदय से आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह सम्मान निसंदेह छत्तीसगढ़ वासियों का सम्मान है। डॉ देवदास को इस उपलब्धि पर पत्रकारों, साहित्यिक, सांस्कृतिक, लोक कलाकारों, मानस संघों एवं सभी वर्ग के लोगों की निरंतर बधाई एवं शुभकामनाएं मिल रही है।

दिव्य शक्ति सेवा संस्थान ने किया समाजसेवियों, पत्रकारों को सम्मानित

● पुष्पांजली टुडे ग्वालियर

दिव्य शक्ति सेवा संस्थान द्वारा 19 तारीख को सभी समाजसेवियों पत्रकार बंधुओं को पंच दिवसीय सत्संग के बीच में मुख्य अतिथियों द्वारा प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया एवं सनातन धर्म को बचाने के लिए 6 अप्रैल हनुमान जयंती के दिन हर जगह हनुमान जी के मंदिर में पाठ 5 दीपक जलाने का संकल्प भी दिलाया गया जिसमें मुख्य अतिथि सम्माननीय महामंडलेश्वर श्री श्री राम दास जी महाराज दंदरौआ धाम एवं श्री संत कृपाल सिंह जी महाराज अध्यात्म निकेतन आदरणीय अखिल भारतीय ब्राह्मण महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष केडी सोनकिया जी एडिशनल एसपी राजेश दंडोतिया जी तथा हमारी संस्था के संरक्षक

आदरणीय सुरेंद्र गोस्वामी जी अध्यक्ष सुरेश सिंह तोमर सभी लोगों के द्वारा समाजसेवियों को प्रशस्ति पत्र देकर गौरवान्वित किया सभी ग्राम वासियों ने तथा आसपास के लोगों ने कार्यक्रम में व्यवस्था में सभी के सम्मान में चरण बढ़ करके भाग लिया।

क्रिकेटर हरभजन सिंह ने किया'ब्रेन वेद' बुक का विमोचन

● अविनाश दुबे, पुष्पांजली टुडे ब्यूरो

ब्रेन वेद आज के हर इंसान की जरुरत है ऐसी बुक को हर किसी को पढना चाहिए जो दिमाग को विकसित करती हो तथा सुचारू व खुशहाल जिंदगी जीने में हमारी मदत करे। यह बातें विलेपार्ले स्थित मनीबेन नानावटी कालेज के ओडोटेरियम में लेखिका ज्योति गांधी की चर्चित बुक ब्रेन वेद का विमोचन करने के बाद बतौर मुख्य अतिथि क्रिकेटर राजनेता हरभजन सिंह ने कहा ऐसी किताब हमें उर्जा देती है आज के दौर में हर कोई भाग दौड भरी ज़िन्दगी में इतना व्यस्त हैं कि उसे अपने बारे में सोचने का समय ही नहीं मिल पाता , व्यक्ति अंदर ही अंदर सहता है पर उसे किसी से कुछ कह नहीं पाता। वह सोचता तो सब कुछ है पर उसे सही तरीके से अपने लाइफ में शामिल नहीं कर पाता। दिमाग का सही इस्तेमाल बंद दरवाजे को भी खोल देता है। ऐसा सीख हमें इस किताब से मिल सकती है। आगे उन्होने कहा ज्योति गांधी के संकल्प को हम सब आसानी से समझ सके जिसके लिए हम सबको यह किताब पढना चाहिए तथा दूसरों को भी प्रेरित करें इस अवसर पर बुक की लेखिका ज्योति गांधी ने *ब्रेन वेद* के बारे मे विस्तार से बताया बाजार में व हमारे जीवन में इसकी उपयोगिता को बताया, जिसे उन्होंने बडी लगन व इमानदारी से आपने ज़िन्दगी के उतार चढाव को लेकर बढ़ी उत्सुकता के साथ दिमाग मे घटित होने वाली हर छोटी बडी चीजों को बहुत ईमानदारी व खूबसूरती के साथ इस बुक में लिखा है जिसे बच्चे बडे सब आसानी से समझ सके ऐसे शब्दों को चुन चुनकर पिरोया है इस किताब में ज्योति गांधी का कहना है कि जो भी इसे पढ़ेगा अच्छी सीख जरुर मिलेगी दोबारा फिर से पढ़ने की इच्छा होगी इतनी प्यारी व सरल शब्दों में परिवर्तित किया है इस बुक को चार भाषा में गुणवत्ता के आधार पर लिखी गई यह किताब हिन्दी, अंग्रेजी , मराठी तथा गुजराती में एक साथ प्रकाशित किया हैं जिससे हर किसी को पढने तथा समझने में आसानी हो यह हर व्यक्ति के लिए उपयोगी साबित होना चाहिए। इस अवसर पर चेयरमैन मीता सेठ , हीमा नानावटी कालेज ट्रस्टी , डॉ विद्या सेनॉय , डॉ नीति कपूर , प्रिंसिपल नानावटी कालेज राजश्री त्रिवेदी आदि विभूतिया मौजूद थी। बुक के बारे में यहां देखे।

सम्मान

महिलाओं के साहस व समर्पण का

● अविनाश दुबे, पुष्पांजली टुडे ब्यूरो

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर 4 असाधारण शक्तिशाली महिलाओं का सम्मान किया गया, जिन्होंने अपने संबंधित करियर और समाज में अंतर किया इनर व्हील क्लब ऑफ बॉम्बे एयरपोर्ट की अध्यक्ष नीलिमा मशरू ने सी प्रिंसेस जुहू तारा रोड पर महिलाओं को अंतर्राष्ट्रीय लेबल पर उत्साहित करने के लिए इस तरह के पावर पैक्ड अवॉर्ड इवेंट का आयोजन किया , जिसमें समाज में बदस्तूर हर क्षेत्र में अग्रणी महिलाओं ने बढचढ कर भाग लिया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि जिला अध्यक्ष मीता सेठ जिला 314 रहींबॉम्बे एयरपोर्ट के इनर व्हील क्लब की पूर्व अध्यक्ष दक्षा पटेल द्वारा शुरू किए गए इस महिला अचीवर अवार्ड समारोह को शुरू हुए 13 साल हो गए हैं। आज के पुरस्कार समारोह के 4 मजबूत और प्रतिबद्ध पुरस्कार विजेताओं में सीमा महाजन उर्मिला जमनादास आशेर महिला आर्मी आफिसर इंद्राणी यादव , फिल्म कलाकार केतकी दवे को यह सम्मान दिया गया।

पाटन संग्रहालय

पाटन की संस्कृति एक छत के नीचे

● निल कुमार, पुष्पांजली टुडे ब्यूरो, गुजरात

पाटन की प्रतिकृति : संग्रहालय में पाटन की बेनमून कलाकृतियों

पाटन के बारे में बहुत कुछ पढ़ने और सुनने को मिलता है। पाटन की संस्कृति, उसके इतिहास आदि के बारे में बहुत कुछ लिखा गया है। पाटन की रानी की वाव हो या पाटन का पटोला, इन दोनों का नाम ही पाटन को विश्व पटल पर जगह बनाने के लिए काफी है। जिले में पर्यटन के क्षेत्र में दिन-ब-दिन वृद्धि हो रही है। खासकर पाटन के सरस्वती तालुक के गांव चोरमारपुरा में विकसित क्षेत्रीय विज्ञान केंद्र पाटन की शान साबित हुआ है। पाटन के बारे में हम सभी ने बहुत कुछ सुना है लेकिन अगर आपको पाटन के बारे में सारी जानकारी एक ही जगह एक ही छत के नीचे मिले तो? आपको पाटन के बारे में सारी जानकारी पाटन संग्रहालय में बहुत अच्छी तरह से मिल सकती है, तो चलो जानते हैं पाटन म्यूजियम के बारे में...

पाटन का संग्रहालय...! संग्रहालय में प्रवेश करने से पहले ही आपको वहां के प्राकृतिक वातावरण की झलक मिल जाएगी। वातावरण में सकारात्मकता आपको आकर्षित करती है। यहां आने वाले हर व्यक्ति का मन करता है कि घंटों-घंटों यहां बैठकर प्राकृतिक वातावरण के बीच पक्षियों की चहचहाहट का लुत्फ उठाया जाए। शहर की भाग-दौड़ से दूर पाटन का संग्रहालय सही मायने में आपको एक अलग ही दुनिया में ले जाएगा। शांतिप्रिय लोगों को संग्रहालय अवश्य जाना चाहिए। अब अगर हम संग्रहालय के अंदर प्रवेश करें तो अंदर प्रवेश करते ही आपको चारों तरफ सदियों पुरानी मूर्तियां नजर आएंगी। भगवान गणेश की मूर्तियों के अलावा, पाटन संग्रहालय में कई पुरानी मूर्तियों को सावधानीपूर्वक संरक्षित किया गया है। संग्रहालय के अंदर दो बड़े कमरे हैं। इनमें से किसी एक कमरे में प्रवेश करने पर आपको पाटन और गुजरात के बारे में शुरुआत में ही जानकारी मिल जाएगी। फिर पाटन की आन, बन और शान के समान रानी की वाव की प्रतिकृति दिखाई देगी। जैसे-जैसे आप आगे बढ़ेंगे, आपको परम शांति की अनुभूति होगी और ऐसा लगेगा कि आप 13वीं और 14वीं शताब्दी में वापस जा रहे हैं। उस समय की कलाकृति को देखकर लगता है कि उस समय के कलाकारों ने कोई नेक काम किया होगा। प्रत्येक मूर्ति की नक्काशी का काम देखकर मन प्रसन्न हो जाता है। कमरे में आपको 13वीं शताब्दी की शैव प्रतिमा, 13वीं-14वीं शताब्दी की कुबेर और इंद्र की मूर्ति, मिट्टी के बर्तनों का नमूना, बिंदुसरोवर की तस्वीर जो पाटन की पहचान है और उसके बारे में विस्तृत जानकारी, गुजराती और उर्दू भाषा के शिलालेख, और कई अद्भुत कृतियां देखने को मिलेंगी। संग्रहालय में आपको पाटन के मशरू कपड़े और पटोला कपड़े के नमूने भी देखने को मिलेंगे।

जैसे ही आप संग्रहालय के दूसरे कमरे में प्रवेश करते हैं, आपको डायोरमा गैलरी मिलेगी। यह एक गैलरी है जहां आपको विभिन्न कार्यक्रम लाइव देखने को मिलेंगे। आश्चर्यजनक रूप से निर्मित इन डायोरमा गैलरी में कुमारपाल महाराजा को जैनाचार्य हेमचंद्रसूरि द्वारा कल्पसूत्र का पहला वाचन, वडनगर की दो बहनों तानारिरी के मेघ मल्हार राग आलाप आदि लाइव सुना जा सकता है। उसके नजदीक आपको सिद्धपुर में बिंदु सरोवर के उद्गम स्थल की एक झलक दिखाई देगी जहां भगवान कपिलमुनि और उनकी माता देवहूति के दर्शन होंगे। इसके अलावा, महाराजा सिद्धराज और राजमाता मीनल देवी द्वारा सोमनाथ मंदिर जाने वाले तीर्थयात्रियों से एकत्र किए गए मुदका कर को समाप्त करने के बारे में बहुत कुछ पढ़ने को मिलता है, लेकिन आप पूरी घटना को एक मूर्ति के रूप में डायोरमा गैलरी में लाइव देख सकते हैं। पाटन संग्रहालय के क्यूरेटर श्री महेन्द्रसिंह सुरेला बताते हैं कि यदि अभी तक पाटन के संग्रहालय का दौरा नहीं किया है तो मैं सबको संग्रहालय देखने के लिए आमंत्रित करता हूं. और मेरे हिसाब से जिस किसी को भी इतिहास में रस है उनको अवश्य यह म्यूजियम देखना चाहिए।

मौसम और इंसान

पुरुषोत्तम बनोरिया
गोहद विधानसभा भाजपा नेता

ये मौसम भी ..
इंसान की फिदरत.का..
मुरीद हो गया,
झूठे,फरेबी..
अवसरवादी..अमीर तो
सृष्टि चक्र पर चलने
वाले गरीब हो गए।
जो रिश्ते थे दूर..
अमीर हुये
तो करीब हो गये,
गरीब के खास रिश्ते
वो दूर हो गये।
ये देख मौसम भी
इंसान के अनुसरणीय..
हो चला ,
विपरीत काल चक्र के..
बरसात,बाढ़, शरद
ग्रीष्म देता चला...
ये मौसम भी
इंसान की फिदरत का..
मुरीद हो गया..

बाबा साहेब के विचार सदियों तक लोगों को ऊर्जावान बनाए रखेंगे

सामाजिक समता एवं सामाजिक न्याय के लिए आजीवन संघर्ष करने वाले डॉ. भीमराव आम्बेडकर के विचार आज भी उतने ही प्रासंगिक हैं, जितने पहले थे। उन्होंने अपना संपूर्ण जीवन ऊंच-नीच, भेदभाव एवं अस्पृश्यता के उन्मूलन के कार्यों के लिए समर्पित कर दिया। वह कहते थे- न्याय हमेशा समानता के विचार को पैदा करता है। संविधान, यह एक मात्र वकीलों का दस्तावेज नहीं, यह जीवन का एक माध्यम है। अपने विचारों और कृत्तव के कारण वह दलितों के मसीहा बन गए। उन्हें बाबा साहेब के नाम से भी जाना जाता है। भारतीय राजनीति व समाज के ऐतिहासिक परिदृश्य में, डॉ. भीमराव अंबेडकर का उदय एक ऐसे जननेता के रूप में हुआ जिसने व्यक्तिगत संघर्ष की बुनियाद पर अपना सारा जीवन समाज की मुख्यधारा से विमुख, जीवन-यापन कर रहे, वंचितों, शोषितों, पीड़ितों व दलितों के हक की लड़ाई में समर्पित कर दिया। समग्र विकास की उनकी यह विचारधारा (दृष्टिकोण) संविधान निर्माण के दौरान भी परिलक्षित हुई; जो समानता व सर्वकल्याण की वैचारिकी पर केंद्रित है। तत्कालीन परिस्थिति में संविधान का निर्माण निश्चय ही एक दुरुह कार्य था। ऐसे मुश्किल वक्त में बाबा साहेब ने बड़े ही धीरज के साथ प्रारूप समिति के अध्यक्ष के रूप में अपनी बेहतरीन प्रबंधन क्षमता से भावी संविधान का मसौदा तैयार कर विश्व के अनोखे संविधान के निर्माण की ओर हमारा मार्ग प्रशस्त किया। बाबा साहेब अपने आप में एक संस्था हैं। उनका व्यक्तित्व व कृतित्व आज भी देशवासियों को आगे बढ़ते रहने की प्रेरणा देता है। वे एक विद्वान, विधिवेत्ता और अनेक विधाओं के ज्ञाता थे। ऐसी शख्सियत के बारे में संपूर्णतः जानना और समझना भी अपने आप में एक चुनौती है।

बाबा साहब ने लेकर अवतार, किया दलितों का उद्धार

नर-नारी में गेंद था भारी, हुआ-हूत रंग वेद था भारी
पढ़ने का नहीं था अधिकार, दलित सह रहे अत्याचार मिली है
मिली हैं तुमको भागीदारी, संविधान की देन है सारी
खोले हैं शिक्षा के द्वार,
मिला समानता का अधिकार
नारी को भी भागीदारी,
शिक्षा और रोजगार में भारी
मिला है उनको भी अधिकार, संविधान अनुच्छेदानुसार
दिलाकर शूद्रता से आजादी, संसद तक की राह दिखा दी
बाबासाहब ने लेकर अवतार, किया दलितों का उद्धार

कल्पना सनोरिया
कवियत्री

हनुमान जन्मोत्सव के पावन पर्व को दीपोत्सव के साथ हर हिंदू घर व समस्त हिन्दू मंदिरो में भव्य रूप से मनाया जाए

आशी प्रतिभा
स्वतंत्र लेखिका

हनुमान जन्मोत्सव के पावन पर्व के साथ नव संवत्सर के इस उत्सव पर हिंदू धर्म के लिए सद्भावना हेतु हिन्दू राष्ट्र भारत के सभी राज्यों में समस्त प्रादेशिक सरकारों के द्वारा अब किसी प्रकार का एक कठोर कानून बनाया जाना चाहिए ताकि हमारे हिंदू धर्म के प्रति आग उगलने वाले कुछ संघटन हमारे तीज त्यौहार पर निकलने वाले समारोह में कुछ भी गलत व्यवहार करने कि न सोच विचार कर सके ।इसके लिए उचित होगा की आने वाली हनुमान जन्मोत्सव पर सर्व जनसाधारण में दीपोत्सव कार्यक्रम के लिए कड़ा कानून बनाया जाए । ताकि हनुमान जयंती पर जगह जगह दीप प्रज्ज्वलित करके उत्सव की भाती ही इस त्यौहार में किसी की भी मंशा रंग में भंग डालने की

न रहे । यह कार्य हिंदू धर्म के पक्ष को देखते हुए ही जल्द कोई न कोई कानून जरूर बनाया जाए । ये और भी जरूरी तब हो जाता है जब कुछ समुदाय के लोग अपने ही भारत राष्ट्र में विरोधियों की तरह व्यवहार करते हैं। हिंदुओ द्वारा मनाए जाने वाले हर उस त्यौहार के उत्सव को भंग करने की पूरी कोशिश करते हैं जो हिंदुओं के लिए विशेष महत्व रखता है। यदि हिंदू राष्ट्र में हिंदू ही एकजुट होकर इन सब व्यवधानो का सामना करेंगे तो शायद कोई हल निकले जिनके लिए मैं अपनी सरकार का भी आवाहन भी करती हूं। ताकि कोई किसी भी प्रकार का गलत कार्य न करे।अभी हाल मैं ही राम नवमी के उपलक्ष में भगवान श्री राम की झांकी निकाली गई, इस रैली में जिस प्रकार मुंबई शहर में लोगों ने पथराव करके व्यवधान डालने की कोशिश की है उस प्रकार की मंशा सफल ना हो । सनातन धर्म की रक्षा हेतु अब हम सभी हिंदू धर्म को मानने वाले सभी धर्मों के लोगों को अलग-अलग समुदाय की जगह एकजुट होकर हमारे हिंदुत्व की रक्षा करने के लिए आगे आना बहुत जरूरी है जो लोग भगवान श्री राम के काज में विघ्न डाल सकते हैं वह लोग हिंदू धर्म को अपनी गलत मंशा के द्वारा अपमानित कर रहे हैं इसीलिए मेरा निवेदन है कि जन-जन जो हिंदू धर्म को मानता है और इसके पीछे सभी तथ्यों को मानता है वह हनुमान जन्मोत्सव के पावन पर्व पर दीपदान करके अपने समस्त मंदिरों का आदर करें , भारी से भारी संख्या में दीप प्रज्वलित करने के लिए एक जुट होना चाहिए।

सत्य, न्याय एवं सदाचार के प्रतीक हैं श्रीराम

मर्यादा पुरूषोत्तम श्रीराम में सभी के प्रति प्रेम की अगाध भावना कूट-कूटकर भरी थी। उनकी प्रजा वात्सल्यता, न्यायप्रियता और सत्यता के कारण ही उनके शासन को आज भी 'आदर्श' शासन की संज्ञा दी जाती है और आज भी अच्छे शासन को 'रामराज्य' कहकर परिभाषित किया जाता है। 'रामराज्य' यानी सुख, शांति एवं न्याय का राज्य। रामनवमी पर्व वास्तव में मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम की गुरु सेवा, माता-पिता की सेवा व आज्ञापालन, जात-पात के भेदभाव को मिटाने, क्षमाशीलता, भ्रातृप्रेम, पत्नीव्रता, न्यायप्रियता आदि विभिन्न महान् आदर्शों एवं गुणों को अपने जीवन में अपनाने की प्रेरणा देता है।

प्रायः कहा जाता है कि जीवन हो तो भगवान श्रीराम जैसा। जीवन जीने की उच्चतम मर्यादा का पथ प्रदर्शक भगवान श्रीराम के जीवन पर दृष्टिपात करेंगे तो निश्चित ही हमें कई पाथेय दिखाई देंगे, लेकिन इन सबमें सामाजिक समरसता का आदर्श उदाहरण कहीं और दिखाई नहीं देता। अयोध्या के राजा श्रीराम ने अपने जीवन से अनुशासन और विनम्रता का जो चरित्र प्रस्तुत किया, वह आज भी समाज के लिए एक दिशाबोध है। वनवासी राम का सम्पूर्ण जीवन सामाजिक समरसता का अनुकरणीय पाथेय है। श्रीराम ने वनगमन के समय प्रत्येक कदम पर समाज के अंतिम व्यक्ति को गले लगाया। केवट के बारे में हम सभी ने सुना ही है, कि कैसे भगवान राम ने उनको गले लगाकर समाज को यह संदेश दिया कि प्रत्येक मनुष्य के अंदर एक ही जीव आत्मा है। बाहर भले ही अलग दिखते हों, लेकिन अंदर से सब एक हैं। यहां जाति का कोई भेद नहीं था। वर्तमान में जिस केवट समाज को वंचित समुदाय की श्रेणी में शामिल किया जाता है, भगवान राम ने उनको गले लगाकर सामाजिक समरसता का अद्भुत उदाहरण प्रस्तुत किया है। सामाजिक समरसता के भाव को नष्ट करने वाली जो बुराई आज दिखाई दे रही है, वह पुरातन समय में नहीं थी। समाज में विभाजन की रेखा खींचने वाले स्वार्थी व्यक्तियों ने भेदभाव को जन्म दिया है।

वर्तमान में हम स्पष्ट तौर पर देख रहे हैं कि समाज को कमजोर करने का सुनियोजित प्रयास किया जा रहा है, जिसके कारण जहां एक ओर समाज की शक्ति तो कमजोर हो रही है, वहीं देश भी कमजोर हो रहा है। वर्तमान में राम राज्य की संकल्पना को साकार करने की बात तो कही जाती है, लेकिन उसके लिए सकारात्मक प्रयास नहीं किए जा रहे हैं। सामाजिक एकता स्थापित करने के लिए रामायण हम सभी को उचित मार्ग दिखा सकती है। यह भी सर्वविदित है कि राम वन गमन के दौरान भगवान राम ने निषाद राज को भी गले लगाया, केवट को भी पूरा सम्मान दिया। इतना ही नही भगवान राम ने उन सभी को अपना अंग माना जो आज समाज में हेय दृष्टि से देखे जाते हैं। इसका यही तात्पर्य है कि भारत में कभी भी जातिगत आधार पर समाज का विभाजन नहीं था। पूरा समाज एक शरीर की ही तरह था। जैसे शरीर के किसी भी हिस्से में दर्द होता है, तब पूरा शरीर अस्वस्थ हो जाता था। इसी प्रकार समाज की भी अवधारणा है, समाज का कोई भी हिस्सा वंचित हो जाए तो सामाजिक एकता की धारणा समाप्त होने लगती है। हमारे देश में जाति आधारित राजनीति के कारण ही समाज में विभाजन के बीजों का अंकुरण किया गया। जो आज एकता की मर्यादाओं को तार-तार कर रहा है। भगवान राम ने अपने वनवास काल में समाज को एकता के सूत्र में पिरोने का काम पूरे कौशल के साथ किया। समाज की संग्रहित शक्ति के कारण ही भगवान राम ने आसुरी प्रवृति पर प्रहार किया। समाज को निर्भयता के साथ जीने का मार्ग प्रशस्त किया। इससे यही शिक्षा मिलती है समाज जब एक धारा के साथ प्रवाहित होता है तो कितनी भी बड़ी बुराई हो, उसे नत मस्तक होना ही पड़ता है। सीधे शब्दों में कहा जाए तो संगठन में ही शक्ति है। इससे यह संदेश मिलता है कि हम समाज के साथ कदम मिलाकर नहीं चलेंगे तो हम किसी न किसी रुप में कमजोर होते चले जाएंगे और हमें कोई न कोई दबाता ही चला जाएगा। सम्पूर्ण समाज हमारा अपना परिवार है। कहीं कोई भेदभाव नहीं है। जब इस प्रकार का भाव बढ़ेगा तो स्वाभाविक रुप से हमें किसी भी व्यक्ति से कोई खतरा भी नहीं होगा। आज समाज में जिस प्रकार के खतरे बढ़ते जा रहे हैं, उसका अधिकांश कारण यही है कि समाज का हिस्सा बनने से बहुत दूर हो रहे हैं।

स्किन टोनर से त्वचा में आयेगा निखार

खूब ठंड का मौसम आता है तो हम सभी संतरा खाना बेहद पसंद करते हैं। विटामिन सी रिच संतरा ना केवल स्वाद में बेहद अच्छा होता है, बल्कि यह इम्युन सिस्टम को भी बूस्ट अप करता है। इतना ही नहीं, संतरा हमारी स्किन का ख्याल रखने में भी बेहद मददगार होता है। आपको शायद पता ना हो, लेकिन संतरे की मदद से टोनर बनाकर स्किन का बेहद अच्छी तरह ध्यान रखा जा सकता है। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको ऑरेंज की मदद से स्किन टोनर बनाने के आसान तरीके के बारे में बता रहे हैं- यह एक ऐसा टोनर है, जिसे बेहद आसानी से तैयार किया जा सकता है। इसके लिए आपको संतरे के बचे हुए छिलके और विच हेजल की जरूरत होगी। 1 संतरे का छिलका 1 बड़ा चम्मच विच हेज़ल 1 कप उबलता पानी

टोनर बनाने का तरीका-

एक संतरा लें और चाकू या सिट्रस पीलर की मदद से इसके छिलके को छोटे-छोटे टुकड़ों में काट लें। छिलकों को हीट सेफ जार में डालें और फिर इसमें एक कप उबलता पानी डालें। इसे ढक्कन से ढक दें और रात भर भीगने दें।

- अब इस लिक्विड को एक स्प्रे बोतल में डालकर छान लें और उसमें 1 बड़ा चम्मच विच हेज़ल डालें। विटामिन सी की ताज़गी बनाए रखने के लिए उसे गहरे रंग के कांच के बर्तन में रखना चाहिए।

संतरे और बादाम के तेल से बनाएं टोनर

यह टोनर आपकी स्किन को अतिरिक्त नमी प्रदान करने में मदद करता है। इसलिए, अगर आप विंटर में रूखी स्किन से परेशान हैं तो इस टोनर का इस्तेमाल करें।संतरे को छीलकर उसकी स्लाइस अलग कर लें, उन्हें जूसर ग्राइंडर में डालकर पीस लें। इस मिश्रण को एक छोटे कटोरे में डालें।एक दूसरी कटोरी में थोड़ा सा नींबू का रस और बादाम का तेल डालें। इसे अच्छी तरह मिक्स करें।अब इसमें थोड़ी सी ग्लिसरीन मिलाएं और सभी सामग्रियों को एक साथ मिला लें। अंत में, संतरे का रस का कटोरा लें, और दूसरे कटोरे के ऊपर एक छलनी रखें और छलनी में संतरे का रस डालें ताकि इसका रस छलनी से निकल जाए और अन्य सामग्री के साथ मिल जाए। आप सभी सामग्री को अच्छे से मिला लें और यदि आवश्यक हो तो थोड़ा पानी डालें इस मिश्रण को एक स्प्रे बोतल में डालें। आपका टोनर बनकर तैयार है।

ऑरेंज की मदद से बनाएं स्किन टोनर, त्वचा पर आयेगा निखार

औरेंज की मदद से बनाएं स्किन टोनर, त्वचा पर आयेगा निखार जब ठंड का मौसम आता है तो हम सभी संतरा खाना बेहद पसंद करते हैं। विटामिन सी रिच संतरा ना केवल स्वाद में बेहद अच्छा होता है, बल्कि यह इम्युन सिस्टम को भी बूस्ट अप करता है। इतना ही नहीं, संतरा हमारी स्किन का ख्याल रखने में भी बेहद मददगार होता है। आपको शायद पता ना हो, लेकिन संतरे की मदद से टोनर बनाकर स्किन का बेहद अच्छी तरह ध्यान रखा जा सकता है। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको ऑरेंज की मदद से स्किन टोनर बनाने के आसान तरीके के बारे में बता रहे हैं- संतरे और विच हेज़ल की मदद से बनाएं टोनरयह एक ऐसा टोनर है, जिसे बेहद आसानी से तैयार किया जा सकता है। इसके लिए आपको संतरे के बचे हुए छिलके और विच हेजल की जरूरत होगी।संतरे और विच हेज़ल की मदद से बनाएं टोनर यह एक ऐसा टोनर है, जिसे बेहद आसानी से तैयार किया जा सकता है। इसके लिए आपको संतरे के बचे हुए छिलके और विच हेजल की जरूरत होगी।

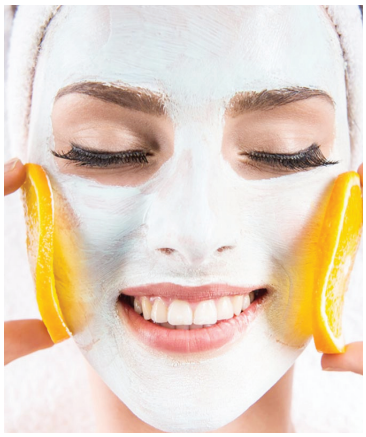

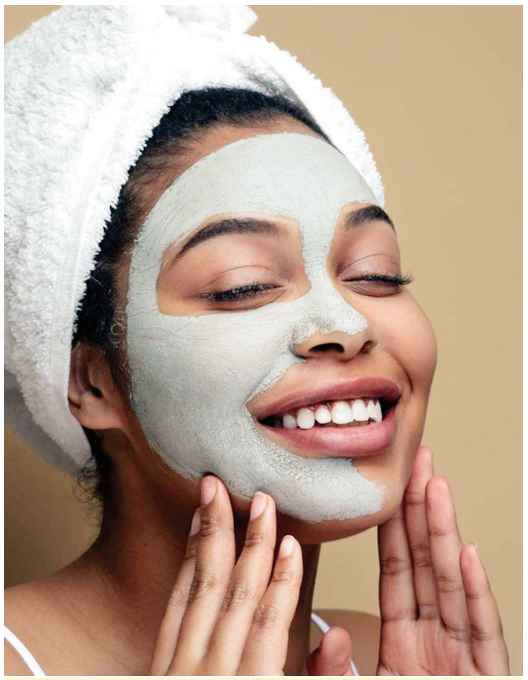

जिलेटिन फेस मास्क से पायें निखरी त्वचा

आज हम आपको एक ऐसा उपाय बता रहे है जिससे आप अपने चेहरे की खोई चमक को वापस पा सकते है। हम बात कर रहे है जिलेटिन की। खानें में जिलेटिन का ज्यादा उपयोग ठीक नहीं होता है लेकिन यह स्किन केयर के लिए बहुत अच्छा होता है। आप जिलेटिन फेस मास्क का यूज़ करके स्किन के खोये हुए ग्लो को वापस पा सकती है। जिलेटिन फेस मास्क सभी प्रकार की त्वचा के लिए उपयोगी साबित हो सकता है। डेड सेल्स को हटाने के लिए इसका उपयोग फेस मास्क के रूप में किया जा सकता है। यह ब्लैकहेड्स की प्रॉब्लम दूर करने में भी असरदार है और ओपन पोर्स की समस्या भी कम करता है। यह कोलेजन का अच्छा सोर्स है और स्किन का लचीलापन बनाए रखने में मददगार है। रिंकल्स, पिग्मेंटेशन, काले धब्बे, से छुटकारा पाने में मदद कर सकता है। जिलेटिन फेस मास्क आपकी त्वचा को तरोताज़ा बना देता है। दोनों को मिक्स करके धीमी आंच पर लगभग पांच मिनट तक गरम करें। थोड़ा गाढ़ा होने पर आंच से हटा लें और ठंडा होने के लिए रख दें। अगर आप फ्रिज में ठंडा होने को रखते है तो ज्यादा देर तक फ्रिज में ना रखें। ब्रश की सहायता से फेस पर लगायें। 15 मिनट तक लगा रहने दें। मास्क सूखने के बाद आराम से हटायें। उसके बाद गुनगुने पानी से चेहरा धो लें। अपनी स्किन टाइप को ध्यान में रखते हुए ही फ्रूट जूस चुने अगर आपकी स्किन ऑयली है तो ऑरेंज जूस, अंगूर, टमाटर या गाजर का रस इस्तेमाल कर सकती है। अगर स्किन ड्राई है तो सेब, स्ट्रॉबेरी, नाशपाती का इस्तेमाल करें। अगर आप चाहें तो फ्रूट्स को मिक्स कर के भी लगा सकती है। सर्दियों में आप फ्रूट जूस की जगह दही का भी इस्तेमाल कर सकती है इसके लिए आप एक चम्मच जिलेटिन को दो-तीन चम्मच दही में मिक्स करें इसमें आधा चम्मच मैदा मिक्स करें।

चमत्कारी पौधे, मिलेगी खुशहाली और तरक्की

हिन्दू धर्म में घर की खुशहाली और वास्तु दोष को दूर करने के लिए कई उपाय बताये गए हैं। वास्तु के अनुसार कुछ पेड़-पौधें घर से नकारात्मक ऊर्जा दूर करके घर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करते हैं। इन पौधों को घर में लगाने से आर्थिक उन्नति और खुशहाली का आगमन होता है। वास्तु शास्त्र में इन पौधों का जिक्र किया गया है। आइये जानते है कुछ ऐसे ही पौधों के विषय में-

लक्ष्मणा का पौधा

लक्ष्मणा का पौधा माता लक्ष्मी को अति प्रिय है, मान्यता है जिस घर में लक्ष्मणा का पौधा होता है वहां लक्ष्मी जी स्थाई रूप से निवास करती हैं। कई जगहों पर इसे गुमा के नाम से भी जाना जाता है। कहते है यह पौधा लगाने से घर में धन का आगमन होता है। आयुर्वेद में इसे लक्ष्मणा बूटी कहा गया है।

शमी का पौधा

शमी का पौधा भगवान शिव को अति प्रिय है, वास्तु में शमी का पौधा घर में लगाना शुभ माना गया है। जिस घर में शमी का पौधा होता है वहां कभी आर्थिक संकट नहीं आता और घर की दरिद्रता दूर होती है। शमी का पौधा घर से नेगेटिव एनर्जी को दूर करता है। इसे धन वृक्ष कहा जाता है।

मोहिनी का पौधा

मोहिनी के पौधे को ऋसुला का पौधा भी कहा जाता

है, इसको घर की उत्तर या पूर्व दिशा में लगाने से शुभ फलों की प्राप्ति होती है। मोहिनी का पौधा धन के देवता कुबेर को प्रिय है। इसको दक्षिण दिशा में लगाना शुभ नहीं माना जाता है। यह पौधा मेन्टल रिलीफ के लिए भी जाना जाता है, इससे घर में धन का आगमन होता है।

अनार का पौधा

यदि आप माता लक्ष्मी और कुबेर दोनों की कृपा चाहते हैं तो घर के मुख्य द्वार के दाहिनी ओर अनार का पौधा लगाएं। इससे घर में सुख-शांति का वास होगा और घर में पॉजिटिव एनर्जी का संचार होगा।

मनी प्लांट

मनी प्लांट देखने में जितना खूबसूरत होता है यह वास्तु के नजरिये से भी उतना ही लाभकारी है। यह घर से नेगेटिव एनर्जी को दूर करके वातावरण को सकारात्मक बनाए रखने में सहायक है। मान्यता है जिस घर में मनी प्लांट होता है वहां रुपये-पैसों की तंगी नहीं होती है। मनी प्लांट को घर के आग्नेय कोण में लगाना शुभ होता है।

तुलसी का पौधा

हिन्दू धर्म में तुलसी का पौधा सबसे पवित्र माना जाता है। इसे घर के मुख्य द्वार पर लगाने से घर का वातावरण और आस-पास का वातावरण शुद्ध हो जाता है। तुलसी का पौधा घर के मुख्य द्वार पर लगाने से सकारात्मक ऊर्जा बनी रहती है।

सदाबहार का पौधा

अगर घर के सदस्यों में आपसी मन-मुटाव है, पति-पत्नी के बीच झगड़े होते हैं तो घर के मुख्य द्वार पर सदाबहार का पौधा लगाएं। इससे घर से क्लेश और अशांति दूर होगी, नकारात्मक शक्तियों का नाश होगा। यह घर के सदस्यों के बीच प्रेम और सामंजस्य स्थापित करने में सहायता करता है।

शरीर में विटामिन पी की कमी को दूर करेंगे ये फूड्स

हेल्दी रहने के लिए शरीर में सभी विटामिन्स, मिनरल्स व अन्य पोषक तत्वों का सही तरह से बैलेंस होना जरूरी है। इन्हीं में से एक है विटामिन पी। यह एक ऐसा विटामिन है, जिसके बारे में लोग कम ही बात करते हैं। जबकि यह शरीर की कार्यप्रणाली को सही तरह से चलाने में मददगार है। विटामिन पी वास्तव में पानी में घुलनशील विटामिन के समूह में है। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको कुछ ऐसे आसान फूड आइटम्स के बारे में बता रहे हैं, जो शरीर में विटामिन पी की कमी को दूर करने में सहायक है-

विटामिन पी के हेल्थ बेनिफिट्स

विटामिन पी को फ्लेवोनोइड्स भी कहा जाता है। यह पौधों में पाया जाने वाला एक तरह का यौगिक है और इसे शरीर के लिए बेहद ही आवश्यक माना जाता है। दरअसल, दिल से लेकर दिमाग तक के लिए इसे बेहद फायदेमंद माना जाता है। यह आपके मेटाबॉलिज्म को भी बेहतर तरीके से काम करने में मदद करता है और डायबिटीज सहित कई बीमारियों को मैनेज करने में मददगार है। इसलिए यह सलाह दी जाती है कि हर व्यक्ति को अपनी डाइट में विटामिन पी रिच फूड्स को अवश्य शामिल करना चाहिए।

विटामिन पी रिच फूड्स

फ्लेवोनोइड्स या बायोफ्लेवोनॉइड्स को पहले विटामिन पी के रूप में जाना जाता था। फ्लेवोनोइड्स या बायोफ्लेवोनॉइड्स प्लांट बेस्ड खाद्य पदार्थों में पाए जाते हैं। बता दें कि फ्लेवोनोइड्स मुख्य रूप से 6 प्रकार हैं।

फ्लेवोनोल्स- ये आहार में फ्लेवोनोइड्स के सबसे प्रचुर स्रोत हैं और इसमें कैम्फेरोल, क्वेरसेटिन, माइरिकेटिन और फिसेटिन शामिल हैं। टमाटर, प्याज, गोभी, सेब, अंगूर, जामुन, चाय व रेड वाइन आदि इसके रिच सोर्स हैं।

फ्लेवोन्स- पुदीना, पार्सले, थाइम, सेलरी व कैमोमाइल आदि में फ्लेवोन्स पाए जाते हैं।

फ़्लेवनोल्स या फ़्लेवन-3-ओल्स- इनमें कैटेचिन शामिल हैं, जैसे एपिकेचिन और एपिगैलोकैटेचिन। ब्लैक, ग्रीन और ऊलोंग टी, ब्लू बैरीज, आड़ू, कोको, सेब, अंगूर और रेड वाइन में फ़्लेवनोल्स पाए जाते हैं।

फ़्लेवनोन्स- ये सभी खट्टे फलों में पाए जाते हैं और संतरे, नींबू और अन्य खट्टे फलों के छिलके के कड़वे स्वाद के लिए जिम्मेदार होते हैं।

आइसोफ्लेवोन्स- आइसोफ्लेवोन यौगिक, जैसे जेनिस्टिन और डैडज़िन, फलियां और सोयाबीन में पाए जाते हैं।

एंथोसायनिन- साइनाइडिन, डेल्फ़िनिडिन और पेओनिडिन जैसे एंथोसायनिन फलों और सब्जियों के लाल, नीले या बैंगनी रंग के लिए ज़िम्मेदार होते हैं। क्रैनबेरी, स्ट्रॉबेरीज, ब्लू बैरीज, रास्पबेरी, ब्लैकबेरी आदि में यह पाया जाता है।

बॉलीवुड क्वीन कंगना

कंगना रनोट का कुछ सालों पहले तक कंगना की इमेज एक शो-पीस एक्ट्रेस की थी। अब 4 नेशनल अवॉर्ड जीत चुकी एक्ट्रेस हैं, इनसे आगे सिर्फ शबाना आजमी हैं जो 5 नेशनल अवॉर्ड जीत चुकी हैं। कंगना अपनी फिल्मों के लिए जितनी सुर्खियां बटोरती हैं, उससे ज्यादा अपने तीखे तेवरों के लिए जानी जाती हैं। कंगना अकेली एक्ट्रेस हैं, जिनके खिलाफ देश के अलग-अलग शहरों और कोर्ट में 700 केस दर्ज हैं। कंगना ने कभी खान हीरोज (सलमान, शाहरुख और आमिर) के साथ काम नहीं किया। शाहरुख के साथ जीरो और सलमान के साथ सुल्तान दोनों फिल्में ठुकराईं, कुछ रिपोर्ट्स में ये भी दावा है कि शाहरुख कंगना के साथ फिल्म नहीं करना चाहते थे। अकेली कंगना ऐसी एक्ट्रेस हैं, जो बॉलीवुड के किसी भी बड़े प्रोडक्शन हाउस के साथ काम नहीं कर रही हैं, उन्होंने अपना ही प्रोडक्शन हाउस बना लिया है। ये जिद, जुनून और झगड़े कंगना के लिए नए नहीं हैं। परिवार के खिलाफ जाकर फिल्मों में आईं, पहले काम के लिए स्ट्रगल किया, अपनी जगह बनाई और फिर नेपोटिज्म के खिलाफ झंडा उठाकर पूरी इंडस्ट्री के खिलाफ ही मुहिम छेड़ दी।

करण जौहर से लेकर अमिताभ बच्चन तक कोई भी कंगना के तीखे कमेंट्स से बच नहीं पाया।दूसरे बैनर्स की फिल्में छोड़ीं और खुद का प्रोडक्शन हाउस शुरू किया। आज कंगना सिर्फ एक्ट्रेस नहीं हैं, प्रोड्यूसर और डायरेक्टर भी हैं। इसी साल कंगना के डायरेक्शन में बनी इमरजेंसी रिलीज होगी, जिसमें कंगना खुद पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की भूमिका निभा रही हैं। कंगना बचपन से बेबाक, जिद्दी और रूढ़िवादी सोच के खिलाफ थीं। उनका जन्म हिमाचल प्रदेश के मंडी जिले के पास भांबला में एक सामान्य राजपूत परिवार में हुआ। मां-बाप चाहते थे कि कंगना डॉक्टर बनें और अपने जिले का नाम रोशन करें। वहीं, कंगना कुछ अलग करना चाहती थीं। हमेशा से सपना था मॉडल बनने का, लेकिन पूरा परिवार उनके इस सपने के खिलाफ था। पापा से इसके लिए बहुत मार भी पड़ी। मां के अनगिनत ताने सुनने पड़े, लेकिन कंगना ने हौसला नहीं खोया। आखिरकार घर छोड़कर मॉडलिंग करने दिल्ली चली गईं, लेकिन अपने सपने से समझौता नहीं किया।

बॉलीवुड की सबसे सफल एक्ट्रेस आलिया भट्ट

आलिया भट्ट का जन्म 15 मार्च 1993 को मुंबई में हुआ। ये महेश भट्ट और उनकी दूसरी पत्नी सोनी राजदान की छोटी बेटी थीं। महेश पहले से नामी फिल्ममेकर थे और मां सोनी अपने जमाने की बड़ी एक्ट्रेस। सौतेली बहन पूजा भट्ट भी 90ह्य की हिट एक्ट्रेस रही थीं।घर में फिल्मी माहौल का असर आलिया पर गहरा था, जिससे वो खुद भी बचपन से हीरोइन बनने के सपने देखने लगीं। हीरोइन बनने का फैसला आलिया ने किंडरगार्डन स्कूल में एक प्ले की प्रैक्टिस करते हुए लिया। टीवी शो जीना इसी का नाम है के 32वें एपिसोड में 8-9 साल की आलिया पिता महेश भट्ट को सपोर्ट करने पहुंची थीं। यहां उन्होंने माइक पर कहा था वो एक्ट्रेस बनना चाहती हैं। इरादों की पक्की आलिया की बात सही साबित हुई और वो आज बॉलीवुड की टॉप एक्ट्रेस हैं।

महेश भट्ट और सोनी राजदान का रिश्ता एक समय ठीक नहीं चल रहा था, ऐसे में सोनी ने अकेले ही बेटियों की परवरिश की। महेश सोनी या उनकी बेटियों पर ज्यादा ध्यान नहीं देते थे। एक इंटरव्यू में आलिया ने कहा था कि वो बचपन में अपने पिता को याद करती थीं, क्योंकि वो उनके साथ नहीं थे। सालों तक अलग रहने के बाद जब आलिया फिल्मों में आईं तो उनके पिता से रिश्ते सुधरने लगे। आलिया भट्ट ने महेश भट्ट के प्रोडक्शन हाउस में बनी 1999 की फिल्म संघर्ष में बतौर चाइल्ड आर्टिस्ट काम किया। फिल्म में आलिया ने प्रीति जिंटा के बचपन का चंद सेकेंड का रोल किया। आलिया सेट पर सिर्फ इसलिए जाती थीं, जिससे उन्हें अच्छा खाना मिल सके।आलिया ने 9 साल की उम्र में संजय लीला भंसाली की फिल्म ब्लैक (2005) के लिए ऑडिशन दिया था, लेकिन उन्हें रिजेक्ट कर दिया गया। बाद में ये रोल आएशा कपूर को मिला था। फिल्म के लिए आएशा को 7 अवॉर्ड मिले थेब्लैक फिल्म से रिजेक्ट करने के बाद संजय लीला भंसाली ने 12 साल की आलिया भट्ट को फिल्म बालिका वधु के लिए कास्ट किया

श्री राम नवमी
की
हार्दिक शुभकामनाएं
सतीश जयंत
चौकी प्रभारी , थनरा, शिवपुरी मप्र.

श्री राम नवमी की
हार्दिक शुभकामनाएं
पंकज त्रिपाठी
स्टेट हेड मप्र
पुष्पांजली टुडे
राष्ट्रीय उपाध्यक्ष,प्रेस मीडिया पत्रकार कल्याण संघ
प्रदेश अध्यक्ष मप्र,सवर्ण समाज सेवा संस्थान
संपर्क- 9826576206

श्री राम नवमी की
हार्दिक शुभकामनाएं
जय गजानन मां
कंट्रक्शन व बिल्डिंग
मैटेरियल सप्लायर
निवेदक-जितेंद्र राय (ठेकेदार) पत्रकार
पता-तारांतरण जैन धर्मशाला रेलवे स्टेशन के पास
मुंगावली जिला अशोकनगर मध्य प्रदेश

श्री राम नवमी
की
हार्दिक शुभकामनाएं
बल्लू लोधी जनपद सदस्य
सलेया मामूनी कला जनपद पंचायत करैरा

श्री राम नवमी की
हार्दिक शुभकामनाएं
इंद्रजीत सिंह
खालसा गोल्डी
प्रदेश कार्य समिति सदस्य भाजपा छत्तीसगढ़
सहप्रभारी बिलासपुर पूर्व जिलाध्यक्ष भाजपा महासमुंद

श्री राम नवमी
की
हार्दिक शुभकामनाएं
डॉ किरण बघेल
मीडिया प्रभारी, (भाजपा प्रदेश महिला मोर्चा)

पुष्पांजली टुडे के पाठकों को श्री रामनवमी की
हार्दिक शुभकामनाएं
खबरों एवं
विज्ञापनों के लिए
संपर्क करें
9340745987
रीतेश कटरे
ब्यूरो चीफ
हमेश कटरे
रिर्पोटर
फलेन्द्र बिसेन
कैमरामेन
पुष्पांजली टुडे परिवार, बालाघाट, मध्य प्रदेश

बाबा साहब भीमराव अंबेडकर जी
के जन्मदिन पर सभी देशवासियों को
हार्दिक शुभकामनाएं
कल्पना सनोरिया
भाजपा महिला मोर्चा नेत्री (कवियत्री)

बेटी आगे बढ़ेगी, तो देश आगे बढ़ेगा
बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, समाज
को प्रगति के रास्ते ले जाओ

पुष्पांजली
जनकल्याण फाउंडेशन

नीति आयोग, एम.एस.एम.ई (उद्योग आधार) 12A& 80G

मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना

लाडली बहना योजना

महिलाओं को मिलेंगे
1000 रुपए महीना
5 मार्च से आवेदन शुरू

कार्यालय :- जी एस प्लाजा गोले का मंदिर ग्वालियर मध्यप्रदेश

हेल्पलाइन: 0751-4050784, वाट्सएप: 9425665944

Website :- www.pushpanjalijkfoundation.com, Email :- pushpanjalijkfoundation@gmail.com

सी. एस. भदौरिया

लेबर सप्लायर & कॉन्ट्रेक्टर

श्री राम नवमी की
हार्दिक शुभकामनाएं

छोटे सिंह भदौरिया
राष्ट्रीय सचिव
अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा

पता: फ्लैट नंबर 3, मेट्रो कॉम्पलेक्स, ए-कोठारी हाऊस,
डी.डी. नगर ग्वालियर, मप्र संपर्क: 9755383340

श्री राम नवमी की
हार्दिक शुभकामनाएं

विजन सोशल एण्ड चैरिटेबल सोसायटी

विनोद कुमार
(सचिव)
विजन सोशल एण्ड
चैरिटेबल सोसायटी

ब्रम्हाणी हॉस्पीटल

मानव सेवा परमो धर्म

विशेष सुविधाएं

* 24 घण्टे मेडीकल ऑफीसर एवं एम.एल.सी. सुविधा उपलब्ध
* आधुनिक गहन चिकित्सा कक्ष (आईसीयू) एवं वेंटिलेटर, वाईपेप, सी. पेप।
* स्ट्रोक यूनिट फालिस के मरीजों के लिये।
* न्यूरो सर्जरी एवं न्यूरोलॉजी की सुविधा
* सर्व सुविधायुक्त ऑपरेशन थियेटर
* महिलाओं से संबंधित सीी तरह के ऑपरेशन एवं सुरक्षित प्रसव की सुविधा

डॉ. ब्रजेश सिंह राजपूत, (बन्टी)
संचालक

श्री राम नवमी की
हार्दिक शुभकामनाएं

माँ वैष्णोपुरम, गदाईपुरा ग्वालियर, मध्य प्रदेश, 8889437489